नई दिल्ली । शनिवार , 04 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :88 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अलाना किंग की घातक गेंदबाजी, ऑस्ट्रेलिया ...
@ विचार भय से विश्वास तकः एक युगांतकारी परिवर्तन...
@ व्यापार केन्द्र सरकार ने दीनदयाल पोर्ट पर आरओबी प्रोजेक्ट...

भारत और रूस ने मिलकर निकाला लिया होर्मुज संकट का तोड़

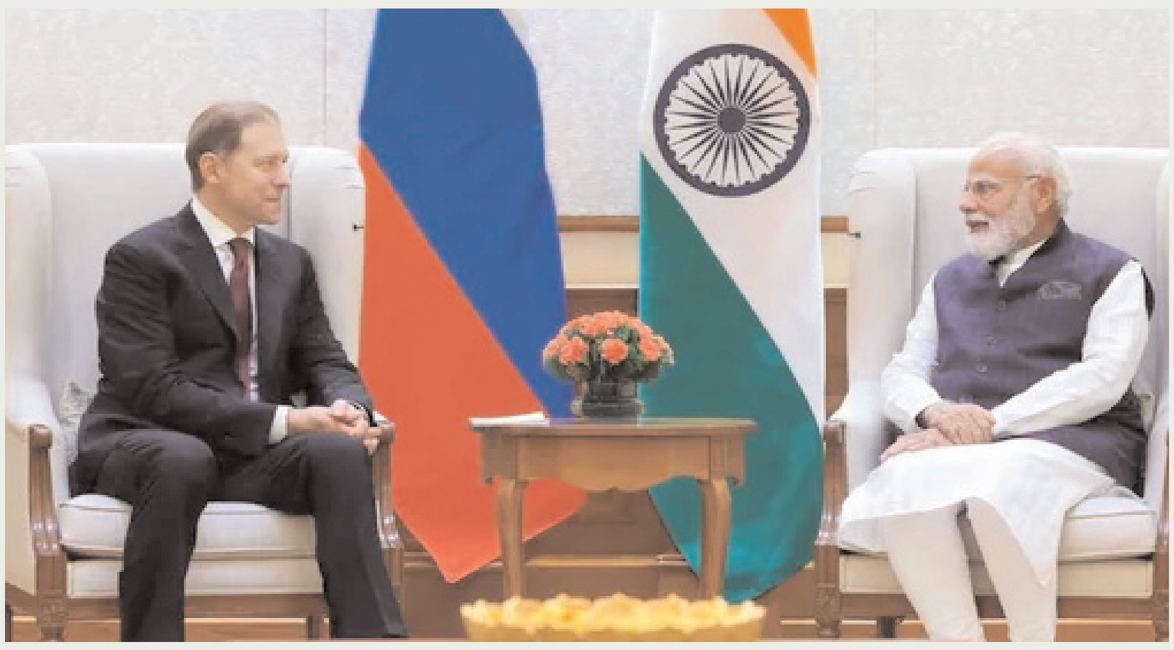

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। ऐसे में रूस ने भारत को कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बढ़ाने का आश्वासन दिया है।

रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांटुरोव की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान ऊर्जा सहयोग चर्चा का प्रमुख मुद्दा रहा। 2 अप्रैल 2026 को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।

सूत्रों ने बताया है कि रूस भारत के लिए सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बनने जा रहा है। मांटुरोव की यात्रा के बाद रूस की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक मांटुरोव ने पुष्टि की है कि रूसी कंपनियां भारतीय बाजार में तेल और एलएनजी की आपूर्ति को लगातार बढ़ाने की क्षमता रखती हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर भी सहमति जताई। रूसी पक्ष ने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक के दौरान तेल और गैस क्षेत्र में सहयोग को विशेष प्राथमिकता दी।

मांटुरोव की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात

मांटुरोव की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात में भुगतान संबंधी मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों ने रूसी तेल और गैस की आपूर्ति के भुगतान को सुविधाजनक बनाने के तरीकों पर विमर्श किया। मांटुरोव की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। सनद रहे कि होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल और एलएनजी का लगभग 20 प्रतिशत व्यापार होता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आयात करता है, इसलिए यह संकट भारत के लिए गंभीर चुनौती बन गया है।

देखते ही गोली मार दो, ईरान का ऐलान

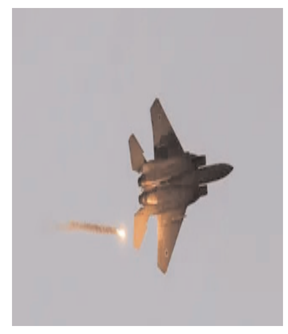

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को दावा किया कि उसके रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों को मार गिराया है, जिनमें एक एफ-15ई भी शामिल है, और बताया कि उसका पायलट दक्षिण-पश्चिमी ईरान के ऊपर विमान से बाहर निकल गया था। पायलट के बारे में ईरानी सरकारी टेलीविजन के स्थानीय चैनल के एंकर ने कहा कि जो भी उन्हें पकड़ेगा उसे इनाम मिलेगा। एंकर ने कहा कि अगर आप दुश्मन पायलट या पायलटों को जिंदा पकड़कर पुलिस के हवाले कर देते हैं, तो आपको एक कीमती इनाम मिलेगा। इसके अलावा, स्क्रीन पर एक अलग संदेश दिखाया गया जिसमें नागरिकों से अगर आप उन्हें देखें तो गोली मार दें का आह्वान किया गया था। यह संदेश सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो के संदर्भ में था जिसमें कथित तौर पर उस इलाके में अमेरिकी विमान दिखाई दे रहे थे, जैसा कि एसोसिएटेड प्रेस ने बताया। हालांकि, चैनल ने घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

भूकंप के झटकों से कांपी दिल्ली-एनसीआर की धरती, तीव्रता 5.9 आंकी गई; अफगानिस्तान था केंद्र

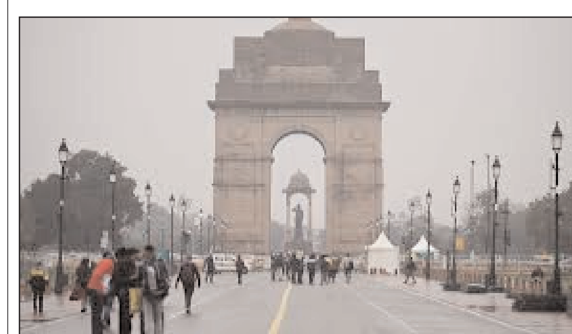

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार देर शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 आंकी गई। इसका केंद्र अफगानिस्तान में था। भूकंप तकरीबन 9 बजकर 42 मिनट पर आया।

जैसे ही भूकंप के झटके महसूस हुए, लोग डर से अपने-अपने घरों से बाहर आ गए। दफ्तरों से लोग बाहर आ गए। हालांकि कहीं से कोई जनहानि की खबर नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की गहराई 175 किमी नीचे थी। इस कारण कहीं से जान-माल की क्षति की खबर नहीं मिली।

खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं: राघव चड्ढा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी ही पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें जनता से जुड़े मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। हाल ही में पार्टी द्वारा उन्हें राज्यसभा में उपनेता (डिप्टी लीडर) पद से हटाए जाने के बाद यह बयान और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राघव चड्ढा पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और उनका कार्यकाल 2022 से 2028 तक है।

उन्होंने अपने संदेश में कहा, 'खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वह आम आदमी के मुद्दों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में चड्ढा ने बताया कि उन्होंने हमेशा आम जनता से जुड़े मुद्दों को संसद में प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर महंगे खाने का मुद्दा हो, या फिर ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जैसे स्विग्गी और जोमैटो के डिलीवरी कर्मचारियों से जुड़ी समस्याएं- इन सभी विषयों को उन्होंने गंभीरता से उठाया। इसके अलावा बैंकिंग सेक्टर में आ रही दिक्कतें और टोल प्लाजा पर आम लोगों को हो रही परेशानियों को भी उन्होंने संसद में बार-बार उठाया।

राघव चड्ढा का आरोप है कि अब उनकी ही पार्टी उन्हें इन मुद्दों को उठाने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि यह समझ से परे है कि आम आदमी के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी आखिर क्यों जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। उनका यह भी दावा है कि पार्टी की ओर से संसद में निर्देश दिए गए हैं कि उन्हें सवाल उठाने का मौका न दिया जाए और बोलने से रोका जाए।

राजनीतिक गलियारों में इस बयान के बाद हलचल तेज हो गई है। 'आप' के भीतर यह घटनाक्रम पार्टी के आंतरिक मतभेदों की ओर इशारा कर रहा है। हालांकि, इस मामले में पार्टी नेतृत्व की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पाकिस्तानी व्यक्ति को जिंदा दफनाने के मामले में पांच गिरफ्तार

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर। पुलिस ने अभनपुर के पास खदान क्षेत्र में कुछ दिन पहले 29 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने युवक को बुरी तरह पीटने के बाद जिंदा ही खदान में दफना दिया था।

पीड़ित पाकिस्तान का नागरिक था और नागरिकता की उम्मीद में रायपुर में रह रहा था। पांच दिन बाद उसने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। बताया गया कि उसके मुंह और श्वासनली (सांस की नली) में मिट्टी भर जाने से उसकी हालत बिगड़ गई थी। एक जांच अधिकारी ने बताया, 'एक आरोपी अभी भी फरार है।' मृतक नितेश बत्रा, रायपुर के सदानी दरबार का रहने वाला था। वह भारतीय नागरिक नहीं था और शहर में काम करता था। मुख्य आरोपी श्याम सुंदर सोनी, जो सब्जी की दुकान चलाता है, कथित तौर पर एक महिला के साथ संबंध में था। 16 मार्च की रात नितेश श्याम के घर गया, जहां दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसक हो गई। श्याम और उसके दो कर्मचारियों ने नितेश को डंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई। पुलिस के अनुसार, अर्धचेतन हालत में नितेश को एक ऑटो-रिक्शा में डालकर करीब 40 किलोमीटर दूर पारसुलीडीह और फिलगाभाठा गांव (मध्य प्रदेश सीमा के पास) के बीच एक सुनसान खदान क्षेत्र में ले जाया गया।

पेज 2

नौसेना में शामिल हुआ युद्धपोत तारागिरी, दुश्मन पर हमला और दोस्तों की करेगा मदद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना में शुक्रवार को एक नवीनतम स्टील्थ युद्धपोत, 'तारागिरी' शामिल किया गया है। इस युद्धपोत को विशाखापत्तनम में 3 अप्रैल की दोपहर नौसेना में कमीशन किया गया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। 'तारागिरी' नामक यह युद्धपोत सुपरसोनिक मिसाइलों से लैस है।

ये मिसाइल सतह से सतह पर मार कर सकती हैं। इसमें मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली भी है। अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली व घातक हथियारों से लैस यह युद्धपोत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'तारागिरी' को एक स्टेट ऑफ द आर्ट वॉरशिप करार दिया। उन्होंने कहा कि तारागिरी की कमीशनिंग, भारत की बढ़ती हुई सामुद्रिक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस तारागिरी की कमीशनिंग , भारतीय नौसेना की ताकत में, मूल्यों में, तथा प्रतिबद्धता में और वृद्धि करेगी। गौरतलब है कि मानवीय मूल्यों के प्रति सजग भारतीय नौसेना आपदा के दौरान देश ही नहीं विदेशों में भी आपदा राहत के कार्य में शामिल होती है।

पेज 2

दवाओं पर ट्रंप ने लगाया 100 प्रतिशत टेरिफ

वाशिगंटन । ट्रंप के इस फैसले का सीधा असर उन फार्मा कंपनियों पर पड़ेगा जो कंपनी दवाइयां अमेरिका के बाहर बनाती हैं। इस आदेश के साथ ही ट्रंप ने साफ कर दिया है कि इन दवा कंपनियों को ना सिर्फ अपनी कीमतें कम करनी होंगी बल्कि उनका उत्पादन भी अमेरिका के अंदर ही करना होगा।

ईरान जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर घूम फिर कर टेरिफ पर आ गए हैं। इस बार ट्रंप ने 100% तक भारी भरकम टेरिफ लगाने का आदेश दिया है। ट्रंप ने अपनी पॉलिसी में बड़ा फेरबदल करते हुए विदेशी ब्रांडेड दवाओं पर 100% तक टेरिफ ठोकने की बात कही है। ट्रंप के इस फैसले का सीधा असर उन फार्मा कंपनियों पर पड़ेगा जो कंपनी दवाइयां अमेरिका के बाहर बनाती हैं। इस आदेश के साथ ही ट्रंप ने साफ कर दिया है कि इन दवा कंपनियों को ना सिर्फ अपनी कीमतें कम करनी होंगी बल्कि उनका उत्पादन भी अमेरिका के अंदर ही करना होगा।

नए नियमों के मुताबिक जो कंपनियां आंशिक रूप से अपना उत्पादन अमेरिका शिफ्ट कर देंगी उन्हें 20% टैक्स देना होगा। वहीं आदेश का पालन ना करने वाली कंपनियों से 100% टेरिफ वसूला जाएगा। ट्रंप का दावा है कि इस फैसले से ना सिर्फ दवाइयां सस्ती होंगी बल्कि देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरियों के अवसर भी पैदा होंगे। इतना ही नहीं ट्रंप ने स्टील, एलुमिनियम और तांबे जैसे मेटल उत्पादन के नियमों में भी बड़ा बदलाव किया है। जिसमें कई सामानों पर टेरिफ घटा दिया गया और टैक्स वसूलने के नियमों में भी बदलाव किया गया। ट्रंप प्रशासन ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 232 के तहत स्टील, एलुमिनियम और तांबे के आयात पर 50% शुल्क बरकरार रखा है।

पेज 2

खेलो इंडियाः मैरी कॉम और भूटिया की सलाह, बच्चों को मोबाइल से दूर करें

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दौरान देश के दो बड़े खेल सितारों ने साफा संदेश दिया। अगर चैंपियन बनना है तो बच्चों को मोबाइल से दूर मैदान में जाना होगा। एमसी मैरी कॉम और बाइचुंग भूटिया ने कहा कि आज के बच्चों की स्क्रीन में उलझते जा रहे हैं, जबकि रियल ग्रोथ प्लेस में है। उन्होंने परिवार से अपील की कि बच्चों को अलग-अलग खेल का मौका दिया जाए। भूटिया ने कहा कि साइबेरिया में कोई कमी नहीं है, विशेष रूप से आदिवासियों में, लेकिन उन्हें सही मंच और समर्थन की जरूरत है। उनका मानना था कि सिर्फ बड़े स्तर पर फोकस करने से काम नहीं चलेगा, जमीनी स्तर पर निवेश जरूरी है। वहीं मैरी कॉम ने कहा कि अब हालात बदल रहे हैं। सरकार की ओर से बच्चों को मौका मिल रहा है, लेकिन सफलता के लिए मेहनत, अनुशासन और जिम्मेदारी जरूरी है। उन्होंने साफ कहा कि माशा मिल रहे हैं, अब युवा खुद आगे बढ़ेंगे और अपना खर्च स्वयं वहन कर सके।

पुडुचेरी चुनाव से पहले पीएम मोदी का भव्य रोड शो

एजेंसी ■ पुडुचेरी

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक भव्य रोड शो कर नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के चुनाव अभियान को और तेज कर दिया। इस हाई-प्रोफाइल रोड शो के दौरान शहर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, वहीं सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे।

पुडुचेरी में एनडीए गठबंधन, जिसमें भारतीय जनता पार्टी, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस, एआईएडीएमके और अन्य क्षेत्रीय सहयोगी दल शामिल हैं, आगामी चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है ।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को विशेष विमान से नई दिल्ली से चेन्नई पहुंचे। इसके बाद वे चेन्नई एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर के जरिए पुडुचेरी रवाना हुए, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि भाजपा नेतृत्व इस चुनाव को कितना महत्व दे रहा है।

पुडुचेरी एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री रंगासामी, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह स्वागत कार्यक्रम एक सुव्यवस्थित चुनावी रणनीति का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरना और अनिर्णीत मतदाताओं को आकर्षित करना था।

पेज 2

सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद किया, 2027 में होगा सफायाः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर दिया है और प्रदेश में भ्रष्टाचार व लूट का माहौल बना दिया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार 'मनविधान' से चल रही है और लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा रही है।

शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में युवा संगठनों की बैठक को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नौजवानों की बड़ी जिम्मेदारी है कि वे 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें।

उन्होंने कहा कि छात्रसभा, युवजन सभा, लोहिया वाहिनी और मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह 'सौदागर की तरह' काम कर रही है और सरकारी संपत्तियों को बेचने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुनाफाखोरी की नीति के चलते महंगाई और भ्रष्टाचार दोनों बढ़े हैं, जबकि पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है।

सपा प्रमुख ने कहा कि निवेश के बड़े दावे किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस परिणाम नहीं दिखा। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इन क्षेत्रों को पूरी तरह से चौपट कर दिया है। प्राइमरी शिक्षा कमजोर हो रही है और स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती गांव और सेक्टर स्तर पर मनाई जाएगी और संविधान पर मंडरा रहे खतरे को जनता के बीच उजागर किया जाएगा। उन्होंने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के एकजुट होने पर जोर देते हुए कहा कि इसी सामाजिक समीकरण के सहारे 2027 में भाजपा को हराया जाएगा। समाजवादी सरकार बनने पर सामाजिक न्याय की स्थापना होगी और सभी वर्गों को हक व सम्मान मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सकारात्मक और प्रगतिशील तरीके से जनता के बीच जाने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा की नकारात्मक राजनीति का जवाब संगठन की ताकत से दिया जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई योजनाएं—जैसे एंबुलेंस सेवा, डायल 100, मेट्रो और गोमती रिवर फ्रंट—विकास के प्रतीक थीं, जिन्हें वर्तमान सरकार ने नुकसान पहुंचाया।

ऊर्जा मंत्री ने मऊ में हनुमान सेतु का किया लोकार्पण, करीब 30 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ

मऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ जनपद के भ्रमण के दौरान तमसा नदी स्थित हनुमान घाट पर निर्मित हनुमान सेतु (पीपा पुल) का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में आमजन की मौजूदगी ने कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह पीपा पुल केवल अस्थायी व्यवस्था नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास की दिशा में एक मजबूत शुरुआत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार की योजना यहां जल्द ही एक स्थायी और मजबूत पक्का पुल बनाने की है, जिससे क्षेत्र के लोगों को दीर्घकालिक सुविधा मिल सके।

मंत्री के मुताबिक, इस पुल के निर्माण से करीब 30 हजार से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए अब आवागमन पहले की तुलना में काफी आसान और सुगम हो जाएगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। इसी क्रम में क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति और बेहतर प्रकाश व्यवस्था को भी सुनिश्चित किया गया है। नगर विकास विभाग द्वारा लगाई गई आधुनिक स्ट्रीट लाइटों की सराहना भी की गई, जो कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता को दर्शाती है।

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि जिन क्षेत्रों में अब तक विकास कार्य नहीं पहुंच पाए थे, वहां भी तेजी से काम किया जा रहा है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को हर नागरिक तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में विकास की नई लहर देखने को मिल रही है।

अगर मध्य पूर्व में तनाव 40 दिन से अधिक बढ़ता है तो वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की कीमतों में आ सकती है तेजी : एफएओ

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने से ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि के कारण मार्च में लगातार दूसरे महीने वैश्विक स्तर पर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है।

एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक, जो वैश्विक स्तर पर कारोबार की जाने वाली खाद्य वस्तुओं की एक बास्केट की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में मासिक परिवर्तनों पर नजर रखता है, मार्च में औसतन 128.5 अंक रहा, जो फरवरी से 2.4 प्रतिशत और एक वर्ष पहले के स्तर से 1.0 प्रतिशत अधिक है।

एफएओ के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा, 'संघर्ष शुरू होने के बाद से कीमतों में वृद्धि मामूली रही है, जिसका मुख्य कारण तेल की ऊंची कीमतें हैं और वैश्विक अनाज की पर्याप्त आपूर्ति ने इसे कुछ हद तक संतुलित किया है।

टोरेरो ने आगे कहा, 'लेकिन अगर संघर्ष 40 दिनों से अधिक समय तक चलता है और मौजूदा कम मुनाफे के साथ लागत अधिक रहती है, तो किसानों को कम संसाधनों के साथ उतनी ही खेती करना, कम फसल बोना, या कम उर्वरक वाली फसलों की ओर रुख करना में से किसी एक को चुनना होगा। इन विकल्पों का असर भविष्य की पैदावार पर पड़ेगा और इस साल के बाकी बचे समय और अगले पूरे साल के लिए हमारी खाद्य आपूर्ति और वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा।

एफएओ अनाज मूल्य सूचकांक में पिछले महीने की तुलना में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर गेहूं की कीमतों में वृद्धि थी। अमेरिका में सूखे से फसल के अनुमानों में आई गिरावट और ऑस्ट्रेलिया में उर्वरक की बढ़ती लागत के कारण कम बुवाई की आशंका के चलते गेहूं की कीमतों में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वैश्विक स्तर पर मक्का की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई, क्योंकि पर्याप्त वैश्विक उपलब्धता ने उर्वरक की वहनीयता को लेकर चिंताओं को कम कर दिया और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से जुड़ी इथेनॉल की बढ़ती मांग की संभावनाओं से अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन मिला।

कटाई के समय, आयात मांग में कमी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मुद्रा के अवमूल्यन के कारण मार्च में एफएओ चावल मूल्य सूचकांक में 3.0 प्रतिशत की गिरावट आई।

फरवरी से एफएओ वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह पिछले वर्ष की तुलना में 13.2 प्रतिशत अधिक हो गया। ताड़, सोया, सूरजमुखी और रेपसीड तेल के अंतरराष्ट्रीय भावों में वृद्धि हुई, जो कच्चे तेल की कीमतों में हुई तीव्र वृद्धि के सकारात्मक प्रभावों को दर्शाती है। इस वृद्धि ने जैव ईंधन की मजबूत मांग की उम्मीदों को बल दिया।

एआईएमपीएलबी ने उत्तराखंड और गुजरात में यूसीसी को 'असंवैधानिक' बताते हुए विरोध किया

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने शुक्रवार को उत्तराखंड और गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की पहल का कड़ा विरोध किया। बोर्ड ने इन पहलों को संवैधानिक रूप से त्रुटिपूर्ण, कानूनी रूप से अस्थिर और धार्मिक स्वतंत्रता तथा नागरिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि गुजरात विधानसभा द्वारा पारित यूसीसी बिल, जिसे अभी राज्यपाल की मंजूरी का इंतजार है, ने गंभीर संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक चिंताएं खड़ी कर दी हैं। उन्होंने उत्तराखंड में पहले से लागू यूसीसी के प्रति भी अपने विरोध को दोहराया।

बोर्ड ने तर्क दिया कि यह कानून, जिसे 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' (समान नागरिक संहिता) बताया जा रहा है, संवैधानिक भावना के विपरीत है और संविधान के भाग 'तीन' के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है; इनमें समानता, धार्मिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार शामिल हैं।

बोर्ड ने कहा कि यूसीसी का जिक्र संविधान के भाग 'चार' के अनुच्छेद 44 में 'राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत' के तौर पर किया गया है, जिसे मौलिक अधिकारों की तरह लागू नहीं किया जा सकता। बोर्ड ने कहा कि ऐसा कोई भी कोड पूरे देश में एक समान रूप से लागू होना चाहिए। हालांकि, बोर्ड ने यह भी बताया कि गुजरात के इस कानून की न तो पूरे देश में कोई प्रयोज्यता है और न ही यह राज्य के भीतर एकरूपता सुनिश्चित करता है, क्योंकि अनुसूचित जनजातियों और अन्य संरक्षित समूहों को इससे छूट दी गई है। बोर्ड ने कहा, 'इसे एक सच्चा यूनिफॉर्म सिविल कोड नहीं कहा जा सकता। इसका नाम ही भ्रामक है।

संविधान सभा की बहसों का हवाला देते हुए, एआईएमपीएलबी ने कहा कि डॉ बी.आर. अंबेडकर ने आश्वासन दिया था कि ऐसा कोई भी कानून जनता की सहमति के बिना थोपा नहीं जाएगा। बोर्ड ने आगे कहा कि 21वें विधि आयोग ने पहले ही यह राय दी थी कि मौजूदा परिस्थितियों में यूसीसी 'न तो जरूरी है और न ही वांछनीय'।

बोर्ड ने गुजरात सरकार द्वारा अपनाई गई परामर्श प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर भी चिंता जताई, और कहा कि जनता की राय जानने के लिए गठित समिति की रिपोर्ट को, व्यापक विरोध के बावजूद, अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

रामपुर में कई स्पा सेंटर्स पर छापेमारी, अनियमितताएं पाए जाने पर एक्शन

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में कथित अनैतिक गतिविधियों और लाइसेंस नियमों के उल्लंघन की शिकायतों के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कई स्पा सेंटरों पर छापेमारी की।

एसपी सोमेंद्र मीणा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई, जिसमें पुलिस और नगर प्रशासन की संयुक्त टीम ने समन्वय के साथ काम किया।

इस जांच अभियान में सिटी मजिस्ट्रेट, नगर पालिका परिषद के अधिकारी, फायर सर्विस, मिशन शक्ति टीम और सिविल लाइंस थाने की पुलिस शामिल थी। टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी ओमकार सिंह कर रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई का उद्देश्य नियमों के पालन की जांच करना और स्पा व मसाज सेवाओं की आड़ में चल रही संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतों की जांच करना था। छापेमारी के दौरान कई स्पा सेंटरों की जांच की गई, कर्मचारियों से पूछताछ की गई और दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि कई स्पा सेंटर बिना जरूरी अनुमति के चल रहे थे। इनमें नगर पालिका और फायर विभाग से एनओसी और अन्य जरूरी लाइसेंस शामिल थे। इन उल्लंघनों को देखते हुए कई स्पा सेंटरों को तुरंत बंद करने का आदेश दिया गया और उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान जिन स्पा सेंटरों की पहचान की गई, उनमें गन्ना सोसायटी का रोज थेरेपी स्पा सेंटर, आवास विकास का गोल्ड क्लासिक स्पा एंड सैलून, फ्रेंड्स कॉलोनी और शौकत अली रोड का गोल्डन हैंड्स स्पा सेंटर, शौकत अली रोड का मैंगो स्पा सेंटर और एलआईसी रोड का प्रियंका लीफ स्पा पार्लर सेंटर शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कोई आपत्तिजनक सामग्री या अवैध गतिविधियों में शामिल व्यक्ति नहीं मिला। हालांकि, सभी स्पा सेंटरों को निगरानी में रखा गया है और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए जांच जारी है।

इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं। चर्चा है कि छापेमारी की सूचना पहले ही लीक हो गई थी, जिसके कारण मौके पर कोई गड़बड़ी नहीं मिली।

दक्षिण मुंबई में असुरक्षित एलआईसी भवनों की समस्या को लेकर मंगल प्रभात लोढ़ा ने वित्त मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। दक्षिण मुंबई में जर्जर और असुरक्षित एलआईसी भवनों के पुनर्विकास का लंबे समय से लंबित मुद्दा जल्द ही हल हो सकता है, क्योंकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस समस्या को जल्द से जल्द सुलझाने का आश्वासन किया है। यह जानकारी महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने शुक्रवार को दी।

राष्ट्रीय राजधानी में वित्त मंत्री सीतारमण के साथ मुलाकात में लोढ़ा ने एलआईसी किरायेदार एवं अधिवासी कल्याण संघ की ओर से ज्ञापन प्रस्तुत किया।

लोढ़ा ने बताया कि दक्षिण मुंबई में एलआईसी और देना बैंक से संबंधित कई पुरानी और जर्जर इमारतें स्थित हैं। सैकड़ों किरायेदार इन इमारतों में असुरक्षित परिस्थितियों में रह रहे हैं। इनमें से कई इमारतें लगभग 90 साल पुरानी हैं। एमएचएडीए द्वारा जारी नोटिस के बाद, कई किरायेदारों ने पहले ही इन परिसरों को खाली कर दिया है।

वित्त मंत्री के साथ मुलाकात में उन्होंने किरायेदारों की चिंताओं को उजागर किया। किरायेदार संघ के अनुसार, पुनर्विकास प्रक्रिया में काफी देरी हुई है, विशेष रूप से परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) की नियुक्ति में, जो अभी तक पूरी नहीं हुई है।

एलआईसी के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि इस प्रक्रिया में दो साल तक लग सकते हैं। मानसून के आगमन के साथ, इस देरी से किरायेदारों में भय और असुरक्षा का भाव पैदा हो रहा है। इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, सीतारमण ने आश्वासन दिया है कि अगले तीन महीनों के भीतर सकारात्मक समाधान प्राप्त कर लिया जाएगा।

इस संबंध में, संघ ने कई प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें पीएमसी नियुक्ति प्रक्रिया को तत्काल पूरा करना, एमएचएडीए मानदंडों के अनुसार किरायेदारों को अंतरिम वैकल्पिक आवास प्रदान करना, पुनर्विकास के लिए अनुभवी डेवलपर्स के चयन में किरायेदारों की भागीदारी सुनिश्चित करना, खाली किए गए भवनों के लिए किराए का अस्थायी निलंबन और किरायेदारों पर कोई अतिरिक्त वित्तीय या कानूनी बोझ न डालना शामिल है।

शेष पेज - 01

नौसेना में शामिल हुआ युद्धपोत तारागिरी, ...

नौसेना का यह नया युद्धपोत तारागिरी भी मानवीय संकट व आपदा के दौरान राहत पहुँचाने में बड़ी मदद कर सकता है।

इसकी अनुकूल मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले युद्ध के साथ साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत के लिए एक आदर्श समुद्री जहाज बनाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'तारागिरी' हमारे राष्ट्रीय गौरव और सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जब यह जहाज समुद्र की लहरों को चीरते हुए आगे बढ़ेगा, तो यह पूरी दुनिया को यह संदेश देगा कि भारत की ताकत भारत के लोगों में है, उनकी मेहनत में है, उनकी क्षमता में है और उनके अटूट संकल्प में है।इस युद्धपोत का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा किया गया है। यह युद्धपोत अपने पूर्ववर्ती युद्धपोतों के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत विकास का प्रतिनिधित्व करता है। इसके निर्माण में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इस अवसर पर रक्षामंत्री ने मझगांव डॉक शिपयार्ड लिमिटेड और भारतीय नौसेना समेत सभी देशवासियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड की भूमिका, इसमें बहुत महत्वपूर्ण रही है। दशकों से यह संस्थान, देश के लिए एडवांस नौसैनिक प्लेटफार्म तैयार कर रहा है। कुशल वर्कफोर्स, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता ने, इसे एक विश्वसनीय नाम बना दिया है। गौरतलब है कि भारत में बड़े स्तर पर स्वदेशी रक्षा उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। इसके चलते देश का रक्षा निर्यात भी बढ़ा है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्शाता है। हथियार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, गोला-बारूद, जहाज बनाने और अन्य सैन्य उपकरणों पर बड़ा खर्च किया गया। सेना, वायु सेना और नौसेना के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम हुआ, जैसे मल्टी रोल फाइटर विमान, लंबे समय तक उड़ान भरने वाले ड्रोन, नौसेना के खास जहाज और मिसाइल सिस्टम।

दवाओं पर ट्रंप ने लगाया 100 प्रतिशत टेरिफ...

वहीं कुछ मेटल्स पर टेरिफ 25% कर दिया गया। इसके अलावा जिन उत्पादों में मेटल की मात्रा 15% से कम है, उन्हें टैक्स से पूरी तरह से छूट दी गई है। हालांकि इसके टैक्स वसूलने के तरीके में थोड़ा बदलाव जरूर हुआ है। अब यह शुल्क आयातित वस्तु के उस मूल्य पर लगेगा जो अमेरिकी ग्राहक भुगतान करते हैं। ना कि केवल धातु की मात्रा पर। अब यह समझिए कि ट्रंप के 100% टेरिफ के पीछे की वजह क्या है? दरअसल एक साल पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुक्ति दिवस के नाम पर एक खास कानून आईईपीए यानी इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट के तहत पूरी दुनिया पर भारीभरकम टैक्स लगा चुके थे। जिससे दुनिया के कई देश भड़क गए और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। जिसके बाद इस साल फरवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उन पुराने टैक्सों को अवैध और गैरकानूनी करार दिया। जिसका असर यह हुआ कि ट्रंप सरकार को 166 अरब डॉलर उन लोगों को वापस करने पड़ रहे हैं जिनसे यह टैक्स वसूला गया था। अब ट्रंप इसी भारीभरकम नुकसान की भरपाई करने और अपनी बात ऊपर रखने के लिए यह नियम लेकर आए हैं। घोषणा में स्पष्ट किए गए अनुसार, जेनेरिक दवाओं को छूट मिलने से भारत को काफी फायदा होगा। जेनेरिक दवाओं के वैश्विक बाज़ार में भारतीय कंपनियों का दबदबा है। इसलिए, अल्पावधि में जेनेरिक दवाओं को छूट मिलने से एक सुरक्षा कवच मिलेगा और कम लागत वाली दवाओं के निर्यात में आसानी होगी, जो अमेरिका के साथ भारत के दवा व्यापार की रीढ़ हैं। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया,जेनेरिक दवाएं, जो भारतीय फार्मा निर्यात का अधिकांश हिस्सा हैं, टैरिफ से मुक्त हैं, लेकिन वाणिज्य विभाग जेनेरिक दवाओं की रीशॉर्डिंग की स्थिति का मूल्यांकन करेगा और तदनुसार टैरिफ का पुनर्मूल्यांकन करेगा।

पुडुचेरी चुनाव से पहले पीएम मोदी का भव्य रोड शो ...

एयरपोर्ट से पीएम मोदी कार द्वारा अजंता सिग्नल जंक्शन पहुंचे, जहां से उन्होंने ओपन-टॉप वाहन में अपने रोड शो की शुरुआत की। यह रोड शो राज थिएटर तक चला और पूरे मार्ग पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों ने फूलों की वर्षा की, पार्टी के झंडे लहराए और नारे लगाए। प्रधानमंत्री ने भी वाहन के ऊपर से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। पूरे रास्ते का माहौल उत्सव जैसा रहा, जिसमें भाजपा और उसके सहयोगी दलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

यह रोड शो मतदान से कुछ दिन पहले एनडीए के लिए एक अहम चुनावी अभियान के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य पार्टी के पक्ष में माहौल बनाना और समर्थन जुटाना है।

प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रशासन ने पूरे पुडुचेरी में पांच स्तरीय कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की। रोड शो के पूरे मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और किसी भी तरह की सुरक्षा चूक से बचने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई, ताकि आयोजन शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

रोड शो समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के शाम को हेलीकॉप्टर से वापस चेन्नई लौटने का कार्यक्रम है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में उनका यह दौरा एनडीए गठबंधन के लिए काफी अहम माना जा रहा है और इससे 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले गठबंधन को महत्वपूर्ण बढ़त मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पाकिस्तानी व्यक्ति को जिंदा दफनाने के मामले में पांच गिरफ्तार

वहां आरोपियों ने उसे फिर पीटा, गमछे से गला घोंटने की कोशिश की और अंत में उसे जिंदा दफना दिया। बताया जा रहा है कि यह ऑटो चार थानों 'मौधापारा, माना, टिकरापारा और अभनपुर' के क्षेत्रों से होकर गुजरा, जिससे पुलिस की सतर्कता पर सवाल उठ रहे हैं। 21 मार्च को भरवगभाठा के पास सड़क किनारे गड्ढे में शव मिला, जिसमें उसका एक हाथ और पैर बाहर दिख रहा था। पोस्टमार्टम में पुष्टि हुई कि उसे जिंदा दफनाया गया था।

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने गिनाई रायपुर मंडल की उपलब्धियां

रायपुर । रायपुर मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने रायपुर रेल मंडल में वित्तीय वर्ष 2025 26 की उपलब्धियां गिनाई उन्होंने बताया कि रायपुर मंडल में आधारभूत संरचना माल लदान एवं यात्री परिवहन और सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर विशेष ध्यान दिया गया है मीडिया से चर्चा करते हुए दयानंद ने बताया कि रायपुर मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व, संरक्षण, तकनीकी नवाचार और पर्यटक पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई उपलब्धियां दीं, जिससे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आदर्श रेल के रूप में अपनी पहचान स्थापित की गई। यह सूचना मंडल मंडल रेल प्रबंधक दयानंद वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक अविष्कार कुमार मित्र ने संयुक्त वार्ता में मीडिया के माध्यम से साझा की। दयानंद ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में रायपुर रेल मंडल ने राजस्व, संरक्षण, तकनीकी नवाचार और पर्यटक सुविधाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय रेल को एक आदर्श के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। मालदाना में रायपुर रेल मंडल ने 4 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कॉमर्शियल मैनेजर अविनाश सचिवालय कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 03.87 प्रतिशत (लगभग 04 प्रतिशत) की वृद्धि हासिल हुई है और 46.44 मिलियन टन लादेन कर 4983 करोड़ का राजस्व

प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रायपुर मंडल को 46.33 मिलियन टन लादान का लक्ष्य दिया गया था। रायपुर मंडल ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024 -25 में 44.73 मिलियन टन लादान कर 4818 करोड़ पाउंड का राजस्व प्राप्त किया था। इस उपलब्धि के पीछे आधुनिक ड्राइविंग अवसंरचना, ग्राहक-केंद्रित नीतियाँ, डिजिटल पहल और विभिन्न संभावनाओं के समन्वित प्रयास की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रायपुर रेल मंडल द्वारा कोल, स्टील प्लांट के लिए रॉ-मटेरियल, पिग एयरन, फिनिश्ड स्टील, आयरन ओर, लैंडस्ट्री, फूड ग्रेन फर्टिलजिगर, अन्य का माल लादान किया गया है। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद बताया कि रायपुर मंडल नए अवसर बनाने में सफल रहा है साथ ही रायपुर मंडल भारतीय रेल के प्रमुख शीर्ष मंडलों में 9 वें स्थान पर रहा हैं। वित्तीय वर्ष 2025 -26 अवधि के दौरान रायपुर मंडल ने माल यातायात के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को सर्वोपरि रखा है। त्योहारों, छुट्टियों एवं विशेष अवसरों पर होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को अधिकाधिक आरक्षित बर्थ एवं सीट उपलब्ध कराने हेतु 195 ट्रिप के लिए 19 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का सफलतापूर्वक परिचालन के साथ एवं 12 भारत गौरव ट्रेनों का भी परिचालन किया है। एवं विभिन्न श्रेणी के 60 अतिरिक्त कोच को ट्रेनों में जोड़ा गया है। यात्री यातायात, माल ढुलाई, विविध आय, गैर-किराया राजस्व, पार्किंग आय, खानपान से होने वाली आय सभी में बढोत्तरी हासिल की है । यात्री यातायात एवं राजस्व:- 26.6 मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुचाया यात्री यातायात से 631.35करोड़ राजस्व प्राप्त किया, वाणिज्य विभाग ने यात्री यातायात में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में यात्रियों की 7.30% वृद्धि दर्ज की है । इसी प्रकार, यात्री राजस्व में पिछले वर्ष की तुलना में 3.85% की वृद्धि हुई है। विविध आय वाणिज्य विभाग ने कुल विविध आय ?25.18 करोड़ अर्जित की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18.27% अधिक है।

महिला की सिर कुचलकर हत्या

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक अधेड़ महिला की सिर कुचलकर हत्या हुई है। मृतका के प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल मिली, जिससे आशंका जताई जा रही है कि रेप के बाद किसी ने उसे मार डाला। शुक्रवार सुबह रिंग रोड किनारे मिले शव को पुलिस कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। शव में गले में धारदार हथियार के निशान और चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था। हालांकि अब तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। जांच में ष्टष्टञ्जङ्क में महिला किसी अन्य के साथ आते दिखी है, जिसकी जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शहर के महामाया प्रवेश द्वार के पास रिंग रोड किनारे स्थित झोपड़ीनुमा मटन की दुकान है। जहां शुक्रवार (3 अप्रैल) सुबह एक अधेड़ उम्र की महिला का शव खून से लथपथ पड़ा था। स्थानीय लोगों ने देखा तो थाने में सूचना दी।

सूचना मिलते ही एसएसपी राजेश अग्रवाल, एएसपी अमोलक सिंह, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। जहां देखा गया कि महिला के गले में धारदार हथियार के निशान थे, वहीं उसका सिर भी कुचला हुआ था। घटनास्थल पर काफी मात्रा में खून फैला हुआ था।

जांच के दौरान महिला के प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल मिली है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसके साथ दरिंदगी के बाद हत्या की गई। पहचान छिपाने के लिए उसके चेहरे को भी बुरी तरह कुचल दिया गया है।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर मां-बेटी ने ठगे 15 लाख

बिलासपुर। रेलवे में एक सेवानिवृत्त कर्मचारी से 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में तोरवा थाना पुलिस ने तेनिटी इंद्राणी और उसकी बेटी वलिवेटी वेंकट नागा कीर्ति के खिलाफ धारा 3(5), 318(4) और 336(3) बी सीजियन के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी एन. वैंकट सूर्यप्रताप (68 वर्ष) निवासी साई लैंड तोरवा, बिलासपुर, निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने पुलिस को दिए गए आवेदन में बताया कि साल अगस्त 2020 में पालतू महिला टेनिटी इंद्राणी ने अपने बेटे एन को फोन किया था। विजय किशन विर्च को रेलवे में नौकरी दिलाने का दावा किया गया। शुरुआत में 6 लाख रुपए की बिजनेस प्लानिंग की शुरुआत की, बाद में 4 लाख रुपए की बात तय हुई। प्रार्थी ने बेटे के दस्तावेज, फोटो और अन्य प्रमाण पत्र दस्तावेज द्वारा हस्ताक्षरित ई-मेल पर नीचे दिए गए पते पर भेजे। इसके बाद मां-बेटी के कागजात में अलग-अलग किश्तों की संपत्ति रखी जा रही है। शिकायत के मुताबिक, पहले 4 लाख 50 हजार रुपये जमा किए गए, फिर समय-समय पर और अतिरिक्त सुविधा रही। किसानों ने कभी कोविड, कभी चुनाव, तो कभी मंत्री कोटा, साक्षात्कार और मेडिकल टेस्ट का मूल्यांकन प्रक्रिया में देरी की घोषणा की। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि चार ने रेल मंत्रालय के नाम से एक फर्जी प्रस्ताव पत्र भी ई-मेल के माध्यम से भेजा था। पीड़ित परिवार को विश्वास हो गया कि नौकरी की तलाश है। बाद में वर्ष 2024-25 के दौरान ग्राहकों ने लैपटॉप और नकदी की मांग की, जिसके बाद पीड़ित ने यूपीआई, फोनपे, इंटरनेट और एनई डिजिटल माध्यम से कई बार भुगतान किया। प्रार्थी के अनुसार, 18 बार लेन-डेन के माध्यम से कुल 15 लाख रुपये दिए गए।

फ़र्ज़ीवाड़े में कोई सहयोगी गुट तो नहीं.. ?

पीड़ित ने पुलिस को डिजिटल भुगतान की रसीदें, बैंक ट्रांजेक्शन डिटेल, ई-मेल, व्हाट्सएप चैट और कथित ऑफर लेटर भी बेचे हैं। औज़ार तोरवा पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस को यह भी पता चला है कि कहीं भी यह कोई भी अमेरिकी नौकरीपेशा गिरोह नहीं है।

श्री मां योग योगेश्वरी यती जी 7 दिवसीय छत्तीसगढ प्रवास पर

रायपुर। अनंतश्री विभूषित, परम पूज्या महामंडलेश्वर 'माँ योग योगेश्वरी यती जी का दिनांक 8 अप्रेल को 7 दिवसीय छत्तीसगढ प्रवास पर रायपुर शुभागमन हो रहा है। वे सनातन परंपरा की एक तेजस्विनी साधिका, दिव्य हीलर और आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं, इन्होंने अपने जीवन के प्रारंभ से ही माँ काली को अपनी आराध्य मानकर साधना की और माँ काली की प्रेरणा से भगवान शिव की उपासना में स्वयं को समर्पित किया, माँ योगेश्वरी जी ने लगातार 12 वर्षों तक अखंड धूना जलाकर महामृत्युंजय मंत्र की हवनात्मक साधना की, वर्षों तक मौन व्रत रखा, और गंगा-यमुना के पावन तटों पर गहन तपस्या की, हिमालय की दिव्य ऊर्जा को आत्मसात करते हुए उन्होने केदारनाथ, बद्रीनाथ और लेह से आगे दक्षिण दिशा में स्थित न्योमा-हानले जैसे अत्यंत कठिन और उच्च आध्यात्मिक क्षेत्रों में

रहकर साधना की। आपने कैलाश मानसरोवर की पवित्र यात्रा भी पूर्ण की, जहाँ शिव चेतना का दिव्य अनुभव प्राप्त होता है। माँ योगेश्वरी यती जी अपनी दिव्य दृष्टि और शक्तिपात के माध्यम से लोगों के जीवन में मानसिक शांति, ऊर्जा संतुलन और नई दिशा प्रदान करती हैं, साथ ही ज्योतिष एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन द्वारा जीवन को सरल और सफल बनाने का मार्ग दिखाती हैं विशेष रूप से— माँ ने गौसेवा को अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य बनाया है, जहाँ वे सेवा, संरक्षण और करुणा के माध्यम से सनातन संस्कृति के मूल भाव को जीवंत कर रही हैं। डॉ. ओमप्रकाश देवांगन ने बताया कि श्री मां के छत्तीसगढ प्रवास के दौरान पूर्ण समय संघ प्रचारक विजय देवांगन जी भी साथ रहेंगे , रायपुर शुभागमन पर 8 अप्रेल को सुबह 10 बजे सनातनियों द्वारा स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया जाएगा , राजीव लोचन श्रीवास्तव के संयोजन में गौसेवा आयोग और योग आयोग के तत्वाधान में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में श्री मां योग योगेश्वरी यती जी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा , तत्पश्चात श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन कर संध्या आरती में शामिल होंगी , वहां से योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा जी के निवास में रात्रि भोजन आयोजित है, 9 अप्रेल को सुबह बिलासपुर , अमरकंटक सहित प्रदेश के विभिन्न स्थलों के प्रवास हेतु प्रस्थान करेंगी ।

जंगल में मिला नक्सली जखीरा

जगदलपुर। बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। सीआरपीएफ की 85वीं बटालियन ने एंटी-नक्सल अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए नक्सलियों के दो डंप बरामद किए हैं। यह ऑपरेशन गंगालूर थाना क्षेत्र के पेद्दाजोजेर और लेण्ड्रा के घने जंगलों में चलाया गया, जहां संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों की छुपाई गई सामग्री को खोज निकाला।

बरामद किए गए डंप में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री शामिल है, जिसमें .303 राइफल, स्टेन गन, बीजीएल राउंड, डेटोनेटर, जिलेटिन और वायर जैसे उपकरण शामिल हैं। सुरक्षा बलों के अनुसार, यह सामग्री नक्सलियों द्वारा बड़ी वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से छुपाकर रखी गई थी, जिसे समय रहते जब्त कर लिया गया। इस कार्रवाई को क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे उनकी गतिविधियों पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स: 23 स्वर्ण के साथ कर्नाटक बना चैंपियन

रायपुर । कर्नाटक ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में 23 स्वर्ण पदक जीतकर समग्र चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जबकि अंतिम दिन झारखंड की पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन कोमालिका बारी का रिकर्व महिला तीरंदाजी में स्वर्ण पदक मुख्य आकर्षण रहा।

ओडिशा के अर्जुन खारा ने रिकर्व पुरुष वर्ग में जीत दर्ज की, लेकिन यह प्रदर्शन भी कर्नाटक को पदक तालिका में शीर्ष स्थान से हटाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। इस खेलों के पहले संस्करण में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें करीब 3800 प्रतिभागियों ने नौ खेल विधाओं में हिस्सा लिया। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जबकि मल्लखंभ और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया

गया।कर्नाटक ने 23 स्वर्ण के अलावा आठ रजत और सात कांस्य पदक जीतकर कुल मिलाकर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। ओडिशा 21 स्वर्ण, 15 रजत और 21 कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ओडिशा एकमात्र ऐसा दल रहा जिसने 50 से अधिक पदक जीते और कुल 57 पदकों के साथ समाप्त किया। झारखंड 16 स्वर्ण, आठ रजत और 11 कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान छत्तीसगढ़ ने भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदकों के साथ नौवां स्थान हासिल किया।

समग्र चैंपियन कर्नाटक ने पहले दिन से ही पदक तालिका में बढ़त बनाए रखी। उन्होंने तैराकी में दबदबा कायम रखते हुए 15 स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक जीते। इसके अलावा एथलेटिक्स में पांच और कुश्ती में तीन स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने सुनिश्चित किया कि ओडिशा और झारखंड उनसे आगे न निकल सकें। कर्नाटक के मणिकांता एल खेलों के सबसे सफल खिलाड़ी रहे, जिन्होंने आठ स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। वहीं उनके साथी धोनिश एन ने तैराकी में पांच स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। महिला खिलाड़ियों में ओडिशा की तैराक अंजलि मुंडा ने पांच स्वर्ण पदक जीते, जबकि कर्नाटक की मेघांजलि ने चार स्वर्ण और दो कांस्य पदक हासिल किए। ओडिशा एकमात्र ऐसा दल रहा जिसने सभी छह खेल विधाओं में कम से कम एक स्वर्ण पदक जीता, जिसमें एथलेटिक्स में आठ और तैराकी में सात स्वर्ण शामिल हैं। कुल 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पदक तालिका में स्थान बनाया, जिनमें से 20 ने कम से कम एक स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र छह स्वर्ण, 10 रजत और चार कांस्य के साथ चौथे स्थान पर रहा, जबकि अरुणाचल प्रदेश छह स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य के साथ शीर्ष पांच में शामिल रहा।

हनुमान जयंती पर प्रदर्शन में काली माँ बनी महिला आग से झुलसी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में हनुमान जयंती कार्यक्रम के दौरान करतब दिखाते समय एक महिला आग की चपेट में आ गई। महिला को बचाने आए दो साथी भी आग में झुलस गए थे। घटना का वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मामला रजगामार चौकी इलाके के मेन क्लब एरिया का है। वायरल वीडियो के मुताबिक, मुंह से पेट्रोल फूंककर आग की लपट बनाकर कलाकार करतब दिखा रहे थे, इसी दौरान नीचे बैठी महिला के बाल में अचनाक आग भड़क उठी। तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भिलाई रेफर किया गया है।

दरअसल, हनुमान सेवा समिति की ओर से गुरुवार (2 अप्रैल) को मेन क्लब एरिया में हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा था। दिन में भंडारे और पूजा-पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलोनी, बस्ती और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे।

वहीं, शाम को समिति की ओर से शोभायात्रा निकाली जा रही थी। इस शोभायात्रा में दुर्ग से आए कलाकार करतब दिखा रहे थे। लगभग 6-7 कलाकार अलग-अलग देवी-देवताओं जैसे शंकर जी, हनुमान जी, दुर्गा माता और काली माता का रूप धारण कर प्रदर्शन कर रहे थे।

करतब के दौरान कलाकार मुंह में ज्वलनशील पदार्थ लेकर आग के साथ प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान काली मां बनी एक महिला अचानक आग की चपेट में आ गई। आग लगते ही वह खुद को बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगी। उसे बचाने के प्रयास में उसके दो अन्य साथी भी आगे आए, वे भी आग की चपेट में आ गए।

स्थानीय लोगों ने तुरंत आग पर काबू पाया और तीनों घायलों को जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। सभी कलाकार दुर्ग के रहने वाले थे।

बाघ गणना 2026: छत्तीसगढ़ में वैज्ञानिक पद्धति और आधुनिक तकनीक से सर्वे पूरा

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा प्रबंधित जगदलपुर के औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल में 'अखिल भारतीय बाघ आंकलन 2026' के तहत फील्ड-स्तर का सर्वे कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी ।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार, इस बीट-स्तरीय अभियान के तहत निगम के निर्धारित वन क्षेत्रों में वन्यजीवों की उपस्थिति की सघन निगरानी की गई।

सर्वेक्षकों ने वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग करते हुए ट्रेल और लाइन ट्रांसेक्ट सर्वे किए। लाइन ट्रांसेक्ट आकलन में शाकाहारी जीवों की आबादी, घनत्व और उनके निवास क्षेत्र की गुणवत्ता को दर्ज करने के लिए निर्धारित मार्गों पर पैदल चलना शामिल था। ट्रेल सर्वे मुख्य रूप से पगमार्क, मल और पेड़ों पर खरोंच के निशानों के अवलोकन के माध्यम से जल

स्रोतों और पगडंडियों के पास बाघ और तेंदुए जैसे मांसाहारी जीवों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष साक्ष्यों को खोजने पर केंद्रित था।

डेटा संग्रहण की इस पूरी प्रक्रिया में डिजिटल उपकरणों का प्रमुखता से उपयोग किया गया। मैदानी टीमों ने सर्वे के दौरान पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने के लिए M-STrIPES एप्लिकेशन का उपयोग करके रीयल-टाइम में सभी जानकारी दर्ज की।

अधिकारियों के अनुसार, वाणिज्यिक सागौन बागानों के बीच वन्यजीवों की आवाजाही का यह डेटा भविष्य की संरक्षण और प्रबंधन योजनाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। यह सर्वे दर्शाता है कि वन विकास निगम के अधीन ये क्षेत्र अपने व्यावसायिक कार्यों के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय जैव विविधता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

सभी संकलित फील्ड डेटा को अब अंतिम विश्लेषण के लिए भेजा जा रहा है, जिसके आधार पर जगदलपुर क्षेत्र में वन्यजीवों की संख्या और विविधता के सटीक आंकड़े स्पष्ट हो सकेंगे।

पूर्व विधायक मनीष कुंजाम का बड़ा बयान, कहा- नक्सलियों को विदेशों से मिलता था सोना

जगदलपुर। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने नक्सलियों के डंप से बरामद सोने को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि नक्सलियों तक विदेश से सोने की आपूर्ति होती रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कथित नेटवर्क का संबंध स्विट्जरलैंड से हो सकता है और इसकी जांच की जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि यह तथ्य सही होता है तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला हो सकता है।

मनीष कुंजाम का कहना है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर बस्तर में सक्रिय संगठनों की फंडिंग के स्रोतों की जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाहरी आर्थिक सहायता से नक्सली गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है।उन्होंने

आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को लेकर भी बयान दिया। उनके अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले लोगों ने जल, जंगल और जमीन से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका नहीं निभाई।

कुंजाम ने आरोप लगाया कि कई मामलों में नक्सली पहले खदानों के विरोध में आंदोलन खड़ा करते थे, लेकिन बाद में कथित तौर पर बड़ी 'डील' होने के बाद उनका विरोध अचानक खत्म हो जाता था। इसके बाद खदान परियोजनाओं का रास्ता साफ हो जाता था और काम शुरू हो जाता था। उन्होंने इसे आदिवासी समुदाय के साथ विश्वासघात बताते हुए कहा कि इन घटनाओं से स्थानीय लोगों को नुकसान उठाना पड़ा है और उनकी जमीन तथा संसाधनों को गंवाना पड़ा।

मनीष कुंजाम ने आरोप लगाया कि हाल में आत्मसमर्पण करने वाले कुछ लोगों ने यह कदम किसी सरकारी नीति के बजाय अन्य कारणों से उठाया है। उन्होंने कहा कि इन मामलों की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले कुछ नक्सलियों को घोषित इनाम के अतिरिक्त राशि मिलने की बात भी ।

अयोध्या केवल तीर्थ नहीं, हमारी जड़ें और राष्ट्र की प्रेरणा : एलजी मनोज सिन्हा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित 8वें अयोध्या पर्व में भाग लिया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में श्री अयोध्या न्यास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने प्रभु श्री राम की चेतना और अयोध्या के शाश्वत महत्व पर गहन विचार रखे।

उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि अयोध्या महज एक शहर या तीर्थस्थल नहीं है, बल्कि सभ्यता का उद्गम स्थल और मानव चेतना का शाश्वत स्रोत है। उन्होंने कहा, 'जब हम अयोध्या का आह्वान करते हैं, तो हम उसी चेतना को जगाते हैं जो प्रभु श्री राम का आशीर्वाद है और जिसने मानव सभ्यता को अर्थ प्रदान किया है। अयोध्या को समझना किसी भूगोल को समझना नहीं, बल्कि स्वयं को समझना है।'

मनोज सिन्हा ने अयोध्या को वर्तमान की जीवंत चेतना और भविष्य की दिशा-निर्देशक बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अयोध्या हमारी जड़ें हैं और राष्ट्र की गतिशील प्रेरणा है। उन्होंने कहा, 'अयोध्या हमें अपनी आंतरिक चेतना जगाने का आह्वान कर रही है। यह विश्वास दिलाती है कि बाधाएं कितनी भी बड़ी हों या समय कितना भी बदल जाए, यदि आस्था और जागरूकता जीवित रहे तो परंपरा कभी समाप्त नहीं होती।

उपराज्यपाल ने अयोध्या को नैतिक मूल्यों, सिद्धांतों और संतुलन

का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि अयोध्या हमें याद दिलाती है कि प्रगति का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। उन्होंने कहा, 'जीवन केवल गति के बारे में नहीं, बल्कि सही दिशा के बारे में भी है। आज के वैश्विक परिदृश्य में अयोध्या एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा रही है।

मनोज सिन्हा ने विश्व को भगवान राम के सदाचार, धर्म, कर्तव्य और त्याग के आदर्शों से सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि राम का जीवन साबित करता है कि सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वालों की अंततः विजय होती है। अयोध्या कर्तव्य, गरिमा, करुणा, त्याग और संतुलन को जीने का प्रतीक है, जहां शक्ति और संवेदनशीलता साथ चलती हैं।

उन्होंने अयोध्या को भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक शक्ति और सांस्कृतिक निरंतरता का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उपराज्यपाल ने जोर दिया कि अयोध्या भारत की 'सॉफ्ट पावर' का केंद्र बन सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अयोध्या को सभ्यतागत केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रों की असली ताकत उनकी सांस्कृतिक गहराई और सभ्यतागत जड़ों में होती है। अयोध्या का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में महसूस किया जा सकता है।

कार्यक्रम में श्री मणिराम दास छावनी के महंत कमल नयन दास, आईजीएनसीए अध्यक्ष राम बहादुर राय, आरएसएस नेता सुरेश भैयाजी जोशी, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, पूर्व सांसद अशोक बाजपेयी, लल्लू सिंह और आईजीएनसीए सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपराज्यपाल के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर भी इस कार्यक्रम की जानकारी साझा की और अयोध्या की शाश्वत ज्योति को आगे बढ़ाने पर बल दिया।

पीएनजी कनेक्शन में तेजी, 3.42 लाख नए कनेक्शन गैसीफाइड

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के विस्तार में तेजी आई है। मार्च 2026 से अब तक 3.42 लाख नए पीएनजी कनेक्शन गैसीफाइड किए जा चुके हैं, जबकि 3.7 लाख नए रजिस्ट्रेशन भी दर्ज किए गए हैं।

मंत्रालय ने राज्यों को घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे घबराहट में ईंधन की खरीद या एलपीजी की अनावश्यक बुकिंग न करें। एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने और बिना जरूरत गैस एजेंसी पर न जाने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने घरों से पीएनजी, इंडक्शन और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की है। साथ ही वर्तमान परिस्थितियों में ऊर्जा की बचत पर भी जोर दिया गया है। सरकार ने लोगों को अफवाहों से सावधान रहने और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करने की सलाह दी है।

ईरान युद्ध के कारण आपूर्ति में आई चुनौतियों के बीच सरकार ने घरेलू एलपीजी और पीएनजी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जबकि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को भी उच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

आपूर्ति और मांग दोनों पक्षों पर कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में एलपीजी बुकिंग अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना शामिल है।

एलपीजी की मांग को कम करने के लिए केरोसिन और कोयला जैसे वैकल्पिक ईंधन भी उपलब्ध कराए गए हैं। कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया और सिंगरेनी कोलियरिज को राज्यों को अधिक कोयला आवंटित करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने राज्यों को स्थानीय जरूरत के अनुसार 5 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों के लक्षित वितरण पर भी विचार करने को कहा है। 23 मार्च से अब तक 5 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं, जिनमें से 67,000 से अधिक गुरुवार को ही बिके। पेट्रोलियम सचिव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर ईंधन आपूर्ति की समीक्षा की और आवश्यक सेवाओं के लिए एलपीजी वितरण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही जमाखोरी, डायवर्जन और गलत जानकारी पर कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है।

प्रवासी श्रमिकों को एलपीजी आपूर्ति में किसी तरह की बाधा की खबरों को खारिज करते हुए राज्यों ने कहा कि आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और स्थिर है।

'फार्मर रजिस्ट्री' ने पकड़ी रफ्तार, 24.63 लाख किसानों का पंजीकरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसानों को सरकारी योजनाओं का पारदर्शी और सीधा लाभ सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा 'फार्मर रजिस्ट्री' अभियान तेजी से गति पकड़ रहा है। राज्य में अब तक 24.63 लाख से अधिक किसानों का पंजीकरण पूरा हो चुका है, जबकि 1.62 करोड़ से अधिक गाटों का डिजिटल मिलान कर कृषि व्यवस्था को तकनीकी आधार पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है।

राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल के तहत 3 अप्रैल की शाम 5 बजे तक कुल 24,63,678 किसानों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया जा चुका है। इसके साथ ही 1,62,49,634 गाटों (प्लॉट) का विवरण 'फार्मर रजिस्ट्री' पोर्टल पर दर्ज किया गया है, जो प्रदेश में कृषि क्षेत्र के डिजिटलीकरण को नई दिशा दे रहा है।

जनपदवार प्रगति की बात करें तो लखीमपुर खीरी 88,141 किसानों के पंजीकरण के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर बना हुआ है। इसके बाद हरदोई (84,657), सीतापुर (77,532), प्रयागराज (68,918) और बहराइच (66,220) का स्थान है। वहीं आजमगढ़ (63,892), जौनपुर (63,330) और गोरखपुर (58,359) जैसे जनपदों में भी पंजीकरण अभियान ने उल्लेखनीय गति पकड़ी है।गाटों के डिजिटल मिलान में भी लखीमपुर खीरी 6,70,307 गाटों के साथ शीर्ष पर है।

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि 'फार्मर रजिस्ट्री' का उद्देश्य प्रत्येक किसान को एक विशिष्ट पहचान (आईडी) प्रदान करना है, जिससे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा और बीज-उर्वरक अनुदान जैसी योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक बिना किसी बिचौलिए के पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे शिविरों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से शेष किसानों का पंजीकरण शीघ्र पूर्ण कराएं, ताकि कोई भी पात्र किसान इस डिजिटल व्यवस्था से वंचित न रह जाए।

दो अधिकारियों के घर छापेमारी, 24 लाख कैश और कीमती सामान बरामद

हैदराबाद। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) ने वारंगल के सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के दो अधिकारियों के घरों में छापेमारी के दौरान 24 लाख रुपए नकद, सोने और चांदी के आभूषण और 30 लाख रुपए के फिक्स्ड डिपॉजिट बरामद किए।एसीबी अधिकारियों ने हनुमाकोंडा जिले के वारंगल में सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में जांच की। इसमें कई अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पाया गया कि कार्यालय में 20 बिना अनुमति वाले एजेंट/दस्तावेज मौजूद थे। अधिकारियों ने 47,450 रुपए की बिना हिसाब की नकदी और 70 बिना रजिस्टर्ड दस्तावेज जब्त किए। दस्तावेज की जांच में सामने आया कि एसआरओ-1 जमालपुरम रमनारसिंह राव और एसआरओ-2 दवुलुरी आनंद के बीच व्हाट्सएप चैट्स में फोनपे के जरिए पिछले एक साल में लगभग 42,03,125 रुपए के लेन-देन हुए थे। इसके अलावा, अधिकारियों के पास 204 अवितरित रजिस्टर्ड दस्तावेज भी पाए गए।

बाद में एसआरओ-1 और एसआरओ-2 के घर पर भी छापेमारी की गई, जिसमें

24,61,540 रुपए नकद, 819.5 ग्राम सोने के आभूषण, 2.6 किलोग्राम चांदी के आभूषण और 30.10 लाख रुपए के फिक्स्ड डिपॉजिट बरामद किए गए।

एसीबी ने कहा कि जांच के दौरान कई अन्य अनियमितताएं भी सामने आईं। इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट सरकार को आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत की जाएगी। इसके अलावा, 1 अप्रैल को एसीबी ने ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के प्रशासनिक भवन के पे बिल सेक्शन में जूनियर असिस्टेंट के. रमेश (48) को 13,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। एसीबी ने बताया कि रमेश ने यह राशि अपने और सीनियर असिस्टेंट अरविंद के लिए ली, जो शिकायतकर्ता की मां के पेंशन की फाइल को आगे बढ़ाने के बदले में दिया गया था।

असम में बोले सीएम योगी- कांग्रेस घुसपैठ व दंगा कराती थी, भाजपा ऐसा करने वालों को निकाल बाहर करती है

सोनितपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा घुसपैठ व दंगा कराने का काम किया, लेकिन भाजपा ऐसा करने वालों को निकाल बाहर करती है। पहले नौजवानों के हक पर घुसपैठिए काबिज होते थे, असम के लोगों का राशन डकार जाते थे, लेकिन अब डबल इंजन सरकार असम के हर नागरिक को उसका हक दिलाने की गारंटी ले रही है। सीएम योगी शुक्रवार को असम विधानसभा चुनाव में बरछला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ऋतु बरन सरमा के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनता से 9 अप्रैल को कमल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने की अपील की।

सीएम योगी ने कहा कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाली, किसानों का संरक्षण और विदेशी आक्रांताओं को धूल धूसरित करने वाली इस पावन धरा के सामने कांग्रेस ने यूडीएफ के साथ मिलकर पहचान का संकट खड़ा किया। यह संकट किसी एक क्षेत्र में नहीं था। कांग्रेस व यूडीएफ के अघोषित समझौते के कारण असमिया जाति, माटी व बेटी के सामने पहचान का संकट हुआ था। इन्होंने तुष्टिकरण की नीति पर चलकर असमिया पहचान को समाप्त करने का प्रयास किया। यहां की माटी में घुसपैठियों को घुसाकर असम के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। असम के नागरिकों, बहनों के हक पर घुसपैठियों के जरिये डकैती डलवाई। असमिया संस्कृति मिटाने की साजिश रची, लेकिन जब पीएम मोदी के नेतृत्व में दिल्ली और असम में पहले सर्वानंद सोनोवाल, फिर हिमंत बिस्व सरमा के

नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी तो असम चाय के साथ अब चिप उत्पादन का नया केंद्र भी बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि डबल इंजन सरकार असम की पहचान को संरक्षित कर रही है। असमिया संगीत-संस्कृति, महापुरुषों, महानायकों, योद्धाओं को सम्मान दे रही है। अब असम में विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय दिख रहा है। मां कामाख्या, श्रीमंत शंकर देव कॉरिडोर व भूमि संरक्षण का कार्य नए सिरे से प्रारंभ हुआ है। 10 साल में डबल इंजन सरकार ने बिना भेदभाव गरीबों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। पहले गरीबों का राशन विदेशी घुसपैठिए खा जाते थे, अब असम के लोगों को राशन, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्कीम के तहत हर गरीब को पांच लाख रुपए की स्वास्थ्य सुविधा, प्रधानमंत्री आवास, नौजवानों को रोजगार-नौकरी मिल रही है। अब चाय बागान में काम करने वाली बहनों, कारीगरों, नौजवानों के लिए स्पेशल पैकेज की व्यवस्था है। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि असम के लोगों का संरक्षण होगा और एक-एक घुसपैठिए को निकाल बाहर करेंगे। कांग्रेस घुसपैठ-दंगा कराती थी और भाजपा ऐसा करने वालों को निकाल बाहर करती है। भाजपा सरकार दंगा-कर्फ्यू मुक्त असम के निर्माण के लिए कार्य कर रही है। जहां भी भाजपा सरकार आई है, वहां शांति-सुरक्षा, समृद्धि लाई है। उत्तर प्रदेश में पहले हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा व कर्फ्यू लगता था। यूपी की आबादी 25 करोड़ है, लेकिन वहां 9 वर्ष में नो कर्फ्यू, नो दंगा है, सब चंगा है। 500 वर्ष में जो काम नहीं हो पाया, वह काम भी अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण के रूप में हो गया।

उन्होंने कहा कि यूपी में उग्रवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद नहीं है, वहां सड़कों पर नमाज भी नहीं पढ़ी जाती है। भाजपा की डबल इंजन सरकार लव जेहाद, लैंड जेहाद का सफाया करने को संकल्पित है। कांग्रेस व यूडीएफ को घुसपैठियों का वोट चाहिए, वे सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकतीं। इन पार्टियों को देश की कीमत पर वोट चाहिए। ये नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर देश की सुरक्षा में सेंध लगाने और अफवाह फैलाकर गुमराह करने वाले लोग हैं। वहीं पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जो कहा, वो कर के दिखाया। पीएम मोदी जितनी बार पूर्वोत्तर भारत में आए हैं, 60 साल के कांग्रेस के शासनकाल में इतनी बार कोई प्रधानमंत्री नहीं आया। पीएम मोदी ने 11 साल में पूर्वोत्तर भारत की 78 और असम की 36 यात्राएं की हैं, तब शांति, सुरक्षा व सुशासन का माहौल तैयार हुआ है।

पाकिस्तानी रॉकेट हमलों से अफगानिस्तान के कुनार में 9,000 से अधिक परिवार विस्थापित

काबुल। अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में पाकिस्तान की ओर से ड्यूरंड लाइन के पास किए गए रॉकेट हमलों के कारण 9,000 से अधिक परिवारों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है।

कुनार के सूचना एवं संस्कृति निदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित परिवारों का सर्वेक्षण किया जा रहा है, जिसमें अब तक लगभग 3,500 परिवारों का पंजीकरण किया जा चुका है। अफगानिस्तान स्थित समाचार आउटलेट एटलस प्रेस ने यह रिपोर्ट दी है।

कुनार के सूचना एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख नजीबुल्लाह हनीफ ने बताया कि क्षेत्र में झड़पें

लगातार जारी हैं और सुरक्षा कारणों से कई परिवारों को अपने घरों से पलायन करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण टीमें प्रभावित इलाकों में विस्थापित लोगों की पहचान के लिए लगातार काम कर रही हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों ने बताया कि गांव और सड़कें लगभग खाली हो चुकी हैं और केवल कुछ लोग ही अपनी संपत्ति की रक्षा के लिए वहां रुके हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गोलाबारी के डर से बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं और कई लोग मस्जिदों में जाने से भी बच रहे हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि मौजूदा स्थिति का बच्चों और वयस्कों दोनों पर गंभीर मनोवैज्ञानिक असर पड़ा है, जिससे उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लगातार हमलों के डर ने परिवारों की मानसिक शांति को पूरी तरह खत्म कर दिया है। पिछले कुछ महीनों में इस्लामाबाद और काबुल के बीच तनाव काफी बढ़ गया है, खासकर पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों के कारण, जिनमें युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में कई लोगों की मौत हो चुकी है।

गुरुवार को अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत के तानी जिले के निवासियों ने आरोप लगाया कि सीमा पर जारी संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों ने नागरिक घरों को निशाना बनाया।

सूत्रों के अनुसार, हिंसा से बचने के लिए कई स्थानीय लोग अपने घर छोड़कर पलायन कर रहे हैं और क्षेत्र में हताहतों की भी खबर है। अफगानिस्तान की प्रमुख समाचार एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि खोस्त के गुरबुज़ जिले में भी झड़पों की सूचना मिली है।

पश्चिम बंगाल का मालदा बांग्लादेशी घुसपैठ का गढ़ : दिलीप जायसवाल

अररिया। बिहार सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल ने पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना को लेकर टीएमसी सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मालदा बांग्लादेशी घुसपैठ का गढ़ माना जाता रहा है।

मालदा में हुई हिंसा को दिलीप जायसवाल ने निंदनीय बताते हुए इसे राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों का केंद्र बताया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी को सभी ने देखा है।

दिलीप जायसवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी बंगाल की टीएमसी सरकार को लताड़ा है। लेकिन, ममता बनर्जी को इस सबसे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

उन्होंने कहा कि आज से नहीं काफी समय से मालदा को घुसपैठ का गढ़ माना जाता रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठ का गढ़ भी मालदा को ही माना जाता रहा है। मालदा में जो कुछ हुआ है, वह इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि देश विरोधी ताकतें मालदा के रास्ते ही पूरे देश में जाती है।

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच भारत की स्थिति का जिक्र करते हुए दिलीप जायसवाल ने कहा कि भारत दुनिया का पहला देश है, जहां युद्ध के बावजूद स्थिति सामान्य है। भारत किसी भी तरह की परिस्थिति से जूझने के लिए तैयार है।

दूसरी ओर, मंत्री दिलीप जायसवाल ने अररिया जिला में विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि अररिया के घुरना में पथ प्रमंडल अंतर्गत जयनगर से घुरना सड़क (भारत-नेपाल सीमा तक) का शुभारंभ किया। यह महत्वपूर्ण पथ भारत-नेपाल सीमा से सीधी संपर्कता प्रदान करता है, जो सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ क्षेत्रीय आवागमन, व्यापार एवं जनसुविधा के लिए भी एक सशक्त आधार सिद्ध होगा।

एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास, आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण तथा आमजन को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सरकार की प्रतिबद्धता को साझा किया। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि राज्य के हर क्षेत्र को सशक्त सड़क नेटवर्क से जोड़ते हुए विकास की गति को तीव्र किया जाए।

कुख्यात सोनू दरियापुर गैंग का वांछित बदमाश आर्यन गिरफ्तार, पिस्टल-कारतूस बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के आउटर नॉर्थ जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात सोनू दरियापुर गैंग के एक वांछित बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस की मुस्तैदी और खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई नरेला-अलीपुर रोड स्थित जीत फार्म के पास की गई, जहां से आरोपी को दबोचा गया।

गिरफ्तार किए गए बदमाश की पहचान आर्यन पुत्र सतीश कुमार, निवासी प्रह्लादपुर बांगर, दिल्ली के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 22 वर्ष बताई गई है।

पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, आर्यन थाना सुल्तानपुरी इलाके में हुई फायरिंग की घटना में 19 मार्च 2026 से फरार चल रहा था और लगातार गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा था। आउटर नॉर्थ जिले की एएटीएस को 30 मार्च को इस संबंध में गुप्त सूचना मिली थी कि सोनू दरियापुर गैंग का एक सक्रिय सदस्य इलाके में छिपा हुआ है। इसके बाद इंस्पेक्टर आनंद कुमार झा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें एसआई डिंपी गुलिया, हेड कांस्टेबल आशाराम और कांस्टेबल सचिन शामिल थे। इस पूरी कार्रवाई की निगरानी एसीपी ऑपरेशंस और डीसीपी आउटर नॉर्थ द्वारा की जा रही थी, जबकि समग्र नेतृत्व संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह के पास था।

टीम ने तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रैक की और उसे जीत फार्म के पास घेरकर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से .32 बोर की एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके बाद थाना नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी आर्म्स एक्ट के दो मामलों में शामिल रह चुका है। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि उसने हाल ही में अपने प्रतिद्वंदी अरुण दिल्ली गैंग के सदस्यों पर सुल्तानपुरी इलाके में फायरिंग की थी।

संपादकीय

देशभक्ति की आवाज थे माखनलाल चतुर्वेदी

महेन्द्र तिवारी

भारतीय साहित्य के आकाश में माखनलाल चतुर्वेदी एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र हैं, जिनकी आभा ने न केवल हिंदी काव्य जगत को आलोकित किया, बल्कि स्वाधीनता संग्राम की वेदी पर अपनी लेखनी को समिधा बनाकर अर्पित कर दिया। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व राष्ट्रीयता, त्याग और अदम्य साहस का एक अनूठा संगम है, जिसने गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत की सोई हुई चेतना को झकझोरने का ऐतिहासिक कार्य किया। 4 अप्रैल 1889 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के बाबई गाँव में जन्मे माखनलाल जी का जीवन संघर्षों की एक ऐसी गाथा है, जहाँ शब्द केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं थे, बल्कि वे शत्रु के विरुद्ध एक सशक्त अस्त्र बनकर उभरे। उनके भीतर देशभक्ति की लौ बचपन से ही प्रज्वलित थी, जो समय के साथ एक प्रचंड अग्नि में परिवर्तित हो गई। मात्र सोलह वर्ष की कोमल आयु में उन्होंने शिक्षक के रूप में अपनी जीविका प्रारंभ की, किंतु उनके भीतर का क्रांतिकारी मन कक्षाओं की चारदीवारी में अधिक समय तक नहीं टिक सका। उनके समय का भारत पराधीनता के काले बादलों से घिरा था और एक संवेदनशील कवि हृदय के लिए यह असह्य था कि वह केवल श्रृंगारिक या पारंपरिक कविताएँ लिखकर संतुष्ट हो जाए। यही वह समय था जब उन्होंने पत्रकारिता को अपने विचारों का वाहक बनाया और 'प्रभा', 'प्रताप' तथा विशेष रूप से 'कर्मवीर' के माध्यम से ब्रिटिश हुकूमत की चूलें हिला दीं।

माखनलाल चतुर्वेदी जी को 'एक भारतीय आत्मा' के उपनाम से जाना जाता है और यह संज्ञा उनके व्यक्तित्व पर पूर्णतः खरी उतरती है क्योंकि उनके काव्य का कण-कण भारतीय मिट्टी की सोंधी सुगंध और यहाँ के जन-मानस की पीड़ा से ओतप्रोत है। उनकी पत्रकारिता कोई साधारण पेशा नहीं थी, बल्कि वह एक 'मिशन' था। उन्होंने गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे महान क्रांतिकारियों के सानिध्य में अपनी लेखनी को पैना किया। जब उन्होंने 'कर्मवीर' का संपादन संभाला, तो उनके संपादकीय लेख अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों पर तीखे प्रहार करते थे। इसी का परिणाम था कि उन्हें अनेक बार जेल की कालकोठरी में दिन बिताने पड़े, परंतु जेल की उन सीलन भरी दीवारों ने उनके उत्साह को कम करने के बजाय और अधिक प्रखर बना दिया। जेल में बिताए गए उन कठिन क्षणों ने ही हिंदी साहित्य को वह अमर कृतियाँ दीं जो आज भी हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक हैं। उनकी एक अत्यंत प्रसिद्ध रचना 'कैदी और कोकिला' उस समय की जेल की यंत्रणाओं और स्वाधीनता की तड़प का सजीव चित्रण करती है। उन्होंने कोयल को संबोधित करते हुए लिखा था कि 'क्या देख न सकती जंजीरों का गहना? हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश राज का गहना, कोल्हू का चर्रक चूँ— जीवन की तान, गिट्टी पर अंगुलियों ने लिखे गान!' ये पंक्तियाँ यह स्पष्ट करती हैं कि एक सच्चे देशभक्त के लिए बेड़ियाँ भी आभूषण के समान होती हैं यदि वे मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए पहनी गई हों।

चतुर्वेदी जी की कविताओं में छायावाद की सूक्ष्मता और रहस्यवाद की गहराई तो है ही, किंतु उनका मूल स्वर सदैव ओज और राष्ट्रप्रेम का रहा। उनकी सबसे कालजयी और लोकप्रिय रचना 'पुष्प की अभिलाषा' को माना जाता है, जो आज भी भारत के हर विद्यालय और सैन्य छावनी में प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। इस कविता में उन्होंने एक तुच्छ फूल के माध्यम से आत्मोत्सर्ग की जो भावना व्यक्त की, वह अद्वितीय है। फूल किसी वनमाली से कहता है कि

'चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।
मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक।

इन पंक्तियों में निहित त्याग की पराकाष्ठा पाठक के भीतर एक बिजली जैसी कौंध उत्पन्न कर देती है। यहाँ फूल न तो सुंदरता का प्रतीक है और न ही विलासिता का, बल्कि वह देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले गुमनाम शहीदों के सम्मान में स्वयं को समर्पित करने की कामना करता है। यह कविता उस कालखंड में भारतीय युवाओं के लिए मंत्र बन गई थी।

माखनलाल जी का राष्ट्रप्रेम केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था, बल्कि वे एक ऐसे समाज का स्वप्न देखते थे जहाँ मानवता सर्वोपरि हो। उनकी कविताओं में प्रकृति का मानवीकरण बहुत सुंदर ढंग से मिलता है। वे पहाड़ों, नदियों और बादलों को भी देशभक्ति के प्रतीकों के रूप में प्रस्तुत करते थे। उनकी एक और महत्वपूर्ण कृति 'हिम तरंगिणी' है, जिस पर उन्हें 1955 में हिंदी साहित्य का पहला साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनकी काव्य शैली में शब्दों का चयन अत्यंत प्रभावशाली होता था, जहाँ 'ओज' और 'करुणा' का ऐसा संगम मिलता है जो विरल है। वे मानते थे कि साहित्यकार का धर्म केवल कला की साधना नहीं, बल्कि युग की पुकार को सुनना और उसे वाणी देना है। इसी कारण उन्हें 'युग चारण' भी कहा गया।

मोबाइल: 9989703240, ईमेल: mahendratone@gmail.com

भय से विश्वास तक: एक युगांतकारी परिवर्तन

बृजमोहन अग्रवाल

छह दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुँच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है, जिसमें स्पष्ट नीति, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्र-राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाधान किया है।

नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततः लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया— इसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है, जिसने अंततः इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया।

इस ऐतिहासिक क्षण पर मैं उन सभी वीर जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ—केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और स्थानीय सुरक्षाबलों के उन रणबाँकुरों को—जिन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से इस संघर्ष को निर्णायक मुकाम तक पहुँचाया। यह विजय उनके अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण की अमिट गाथा है।

नक्सलबाड़ी से रेड कॉरिडोर तक: एक वैचारिक आंदोलन का हिंसक विस्तार

भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने 'सॉफ्ट टारगेट्स' की तलाश शुरू की— ऐसे क्षेत्र जहाँ शासन की पहुँच सीमित हो, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ अधिक हों और जनजागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित 'रेड कॉरिडोर' विकसित हुआ, जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया।तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़, जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पड़ोसी राज्यों से अपनी गतिविधियाँ सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया।

विचारधारा से विचलन: माओवाद से मनीवाद तक

समय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहाँ तथाकथित 'जन अदालतों' के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया। छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें, विद्युत परियोजनाएँ, तेंदूपत्ता व्यापार— सभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, ठेकेदारों और यहाँ तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी । यह उगाही धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुँचने की चर्चा होने लगी। सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया, लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नक्सलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया।

नक्सलवाद के वैचारिक समर्थन की राजनीतिक पृष्ठभूमि

दुर्भाग्य से, कांग्रेस-नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं। सत्ता के लिए वामपंथ के साथ कांग्रेस की राजनीतिक निकटता का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार करने की बजाय इसे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर वैधता प्रदान करने की नीति हावी हो गई। उस दौर में प्रशासनिक तंत्र के भीतर भी यह वैचारिक भ्रम दिखाई देता था। नक्सलवाद को सामाजिक समता पाने का वर्ग संघर्ष ठहराने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किए गए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नीतियाँ भी नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर होने के बजाय सहानुभूतिपूर्ण हो गई थीं।

इस ढुलमुल नीति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों के लगभग 180 जिलों में फैल गया और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से ही प्रदेश के समग्र विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन गया।

राष्ट्रीय चेतना का उदय: मेरे प्रारंभिक अनुभव

छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहते हुए मुझे बस्तर क्षेत्र में काम करने का अवसर मिला जहां नक्सलवाद रूपी दैत्य से मेरा प्रथम साक्षात्कार हुआ और यह आभास भी हुआ कि दंडकारण्य में इस दैत्य का दमन केवल हथियारों से नहीं किया जा सकता। नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष की भूमि तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में वैचारिक जनजागरण की नितांत आवश्यकता थी और इसलिए जनजातीय समाज के बीच राष्ट्रीयता का अलख जगाने के प्रकल्प में मैंने भी अपनी भागीदारी निभाई। 1990 के दशक में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में रायपुर के पुराने कमिश्नर कार्यालय के बीटीआई कम्युनिटी परिसर में आयोजित बैठक में पहली बार यह निर्णय लिया गया कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष को राष्ट्रीयता के व्यापक संदर्भ में लड़ा जाएगा। यही वह निर्णायक मोड़ था जब नक्सलवाद की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के परिप्रेक्ष्य में देखा गया।

जब हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा की गोपनीय बैठक

वर्ष 2003 से 2006 के बीच, जब मुझे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह जी की सरकार में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व मिला, तब प्रदेश में पहली बार नक्सलवाद के विरुद्ध एक ठोस, नीतिगत और समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। 'ज्वाइंट एफर्ट, ज्वाइंट कमांड और ज्वाइंट पॉलिसी' के सिद्धांत पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए।

तात्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटील जी के साथ इस विषय पर मेरी कई गंभीर और विस्तृत मंत्रणाएँ हुई थीं।

उस दौर में इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए देश के इतिहास में पहली बार विधानसभा में गोपनीय बैठकों का आयोजन किया गया, ताकि लोग बिना किसी भय के खुलकर अपनी बात रख सकें। तात्कालीन स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय जी की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली इन बैठकों से अधिकारियों और पत्रकार साथियों को भी दूर रखना जरूरी हो गया था। इन मंत्रणाओं के परिणामस्वरूप बनी रणनीति के तहत तात्कालीन डीजीपी ओपी राठौड़ के नेतृत्व में कई अभियान चलाए गए और इसी क्रम में सलवा जुडूम जैसे जनअभियान की शुरुआत हुई।

सलवा जुडूम: जनभागीदारी का ऐतिहासिक अध्याय

हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा, अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का एक बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर-घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया। इस अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों से जुड़े राष्ट्रवादी विचारकों और छात्रों का भी सहयोग लिया गया।

जनजातीय समाज को यह समझाया गया कि नक्सल नेतृत्व में स्थानीय छत्तीसगढ़ी आदिवासियों की भागीदारी शून्य है। जल जंगल जमीन के नारों की आड़ में हमारे भोले-भाले आदिवासियों का उपयोग केवल एक साधन के रूप में किया जा रहा था। यह भी सामने आया कि नक्सलियों के द्वारा आदिवासी युवतियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था, उन्हें शोषण का शिकार बनाया जाता था, उन्हें विवाह तक नहीं करने दिया जाता और सामान्य सामाजिक जीवन जीने तक से वंचित रखा जाता था। इन सभी कड़वी सच्चाइयों के उजागर होने से आई जनजागृति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद को मिलने वाला सामाजिक समर्थन कमजोर पड़ने लगा।

जब नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा बने सलवा जुडूम के अगुआ 'सलवा जुडूम' केवल एक सरकारी पहल नहीं थी, बल्कि आदिवासी समाज के भीतर से उठा एक स्वाभाविक जनआंदोलन था, जिसने पहली बार सही मायने में नक्सलवाद को चुनौती दी। तात्कालीन नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा जी ने न केवल इस अभियान को पुरजोर समर्थन दिया बल्कि इसे जमीन पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। इस संघर्ष से जुड़े रहने के कारण अंततः उन्हें अपने प्राणों की आहुति तक देनी पड़ी—जो इस आंदोलन की गंभीरता और बलिदान की पराकाष्ठा का साक्षात प्रमाण है। नक्सलवाद ने हमें झीरम जैसे दंश दिए जिसमें प्रदेश के अग्रणी नेता काल कलवित हो गए।

सलवा जुडूम जनआंदोलन को अगर व्यापक संस्थागत समर्थन मिला होता, तो निश्चित ही नक्सलवाद का उन्मूलन उसी दौर में हो जाता, पर वैधानिक संस्थानों में काम करने वाले कई लोगों की सलवा जुडूम के खिलाफ लामबंदी, अर्बन नक्सली बुद्धिजीवियों के वैचारिक विरोध और केंद्र सरकार के नीतिगत असमंजस के कारण यह अवसर पूर्ण रूप से साकार नहीं हो सका।

समन्वित नेतृत्व से निर्णायक परिवर्तन

वास्तविक परिवर्तन तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में नक्सलवाद के विरुद्ध स्पष्ट, कठोर और समन्वित नीति अपनाई गई। नक्सलवाद को महज कानून-व्यवस्था की समस्या न मानकर, राष्ट्र की एकता, विकास और लोकतांत्रिक ढांचे के लिए गंभीर चुनौती मानते हुए नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समयबद्ध रणनीति तैयार की गई।

केंद्र और राज्य सरकारों के सशक्त समन्वय के परिणामस्वरूप दिसंबर 2023 से मार्च 2026 के बीच सुरक्षा बलों ने लगातार सटीक और प्रभावी कार्रवाई करते हुए सैकड़ों कुख्यात नक्सलियों को निष्क्रिय किया, हजारों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया और बड़ी संख्या में गिरफ्तारियाँ सुनिश्चित कीं। लैंड माइंस का व्यापक निष्क्रियकरण हुआ और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए। केंद्र और राज्य के समन्वित दृष्टिकोण और साझे प्रयासों से छह दशक पुराने नक्सलवाद के नासूर को जड़ से समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त हुआ

नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की बुनियाद पर विकसित छत्तीसगढ़ गढ़ने का संकल्प

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए अब हमें नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ में गढ़ने के लिए दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा।

जिस प्रकार आर्टिकल 370 के उन्मूलन से जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति और राष्ट्रीय एकीकरण का आधार बना, उसी प्रकार नक्सलवाद का समापन छत्तीसगढ़ के लिए एक नए युग का द्वार खोल रहा है।

जिन क्षेत्रों में कभी शासन की पहुँच सीमित थी, वहाँ अब सड़कों का जाल बिछ रहा है, मोबाइल नेटवर्क स्थापित हो रहे हैं, बैंकिंग सेवाएँ सुलभ हो रही हैं और शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधाएँ तेजी से विस्तार पा रही हैं। बस्तर और आसपास के क्षेत्रों में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह केवल भौतिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक भी है। जहाँ कभी गनतंत्र का साया था, वहाँ आज जनतंत्र विश्वास और विकास के साथ स्थापित हो रहा है।

अब चुनौती इस सफलता को स्थायी बनाने की है—ऐसी सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक संरचना खड़ी करने की, जहाँ किसी भी प्रकार की हिंसक विचारधारा को पनपने का अवसर ही न मिले। आत्मसमर्पण करने वाले युवाओं के पुनर्वास, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को प्राथमिकता देना आवश्यक है, ताकि वे पुनः हिंसा के रास्ते पर न लौटें।

बुलेट पर बैलेट की निर्णायक विजय

नक्सलवाद पर यह विजय केवल एक आंतरिक सुरक्षा अभियान की सफलता नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। यह उस निर्णायक परिवर्तन का संकेत है, जहाँ भय की राजनीति को विश्वास की शक्ति ने प्रतिस्थापित किया है और जहाँ बंदूक के साये में जी रहे समाज ने विकास और सहभागिता के मार्ग को अपनाया है।

जो लोग बंदूक और गोलियों के दम पर भय के माध्यम से छत्तीसगढ़ में छद्म राज्य की कल्पना करते थे उनका अंत हुआ और लोकतंत्र की विजय हुई। बुलेट पर बैलेट की जीत हुई। देश की जनता, छत्तीसगढ़ की जनता और विशेषकर बस्तर की जनता को इस ऐतिहासिक विजय की हृदय से शुभकामनाएं।

(लेखक बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री एवं वर्तमान में रायपुर लोकसभा से सांसद हैं)

बोध कथा-पाप की बिक्री

एक बार कवि कालिदास बाजार में घूमने निकले। वहां उन्होंने एक स्त्री को एक घड़ा और कुछ कटोरियां लिए ग्रहकों के इंतजार में बैठे देखा। कालिदास यह देखकर परेशानी में पड़ गए। वह उस स्त्री के पास गए। उन्होंने वहां जाकर पूछा किबहन तुम क्या बेचती हो। उस स्त्री ने कहा मैं पाप बेचती हूं। मैं स्वयं लोगों से कहती हूं कि मेरे पास पाप हैं, मर्जी हो तो ले लो। लोग रुचि से ले जाते हैं। इस जबाव को सुनकर कालिदास उलझन में पढ़ गए। उन्होंने पूछा कि घड़े में कैसे पाप हो सकता है? स्त्री बोली, हां होता है, जरूर होता है। देखो , मेरे आठ घड़े में आठ पाप भरे हैं। बुद्धिमान, पागलपन, लड़ाई-झगड़े, बेहोशी, विवेक का नाश, सदगुण का नाश, सुखों का अंत औ नर्क में ले जाने वाला दुष्कर्म। और भी हैरानी में पड़ते हुए कालिदास ने पूछा, अरे बहन। इतने सारे पाप बताती हैं आप, तो आखिर इन घड़ों में है क्या? स्त्री बोली, शराब, वह शराब ही उन सभी पापों की जननी है। जो शराब पीता है, वह व्यक्ति इन आठ पापों का शिकार हो जाता है। कालिदास उस स्त्री की चतुराई को देखकर दंग रह गए।

सागर कुमार---

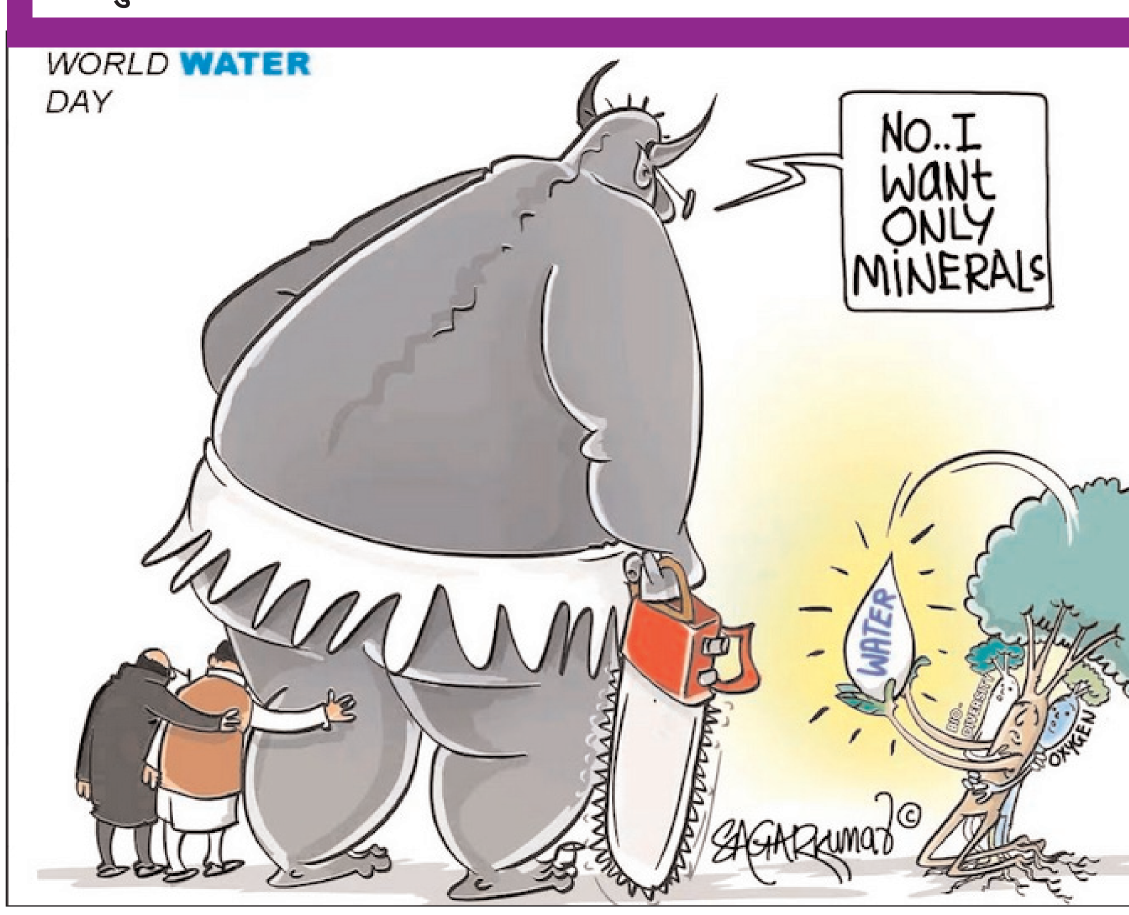

गम गलत करने की दवाई

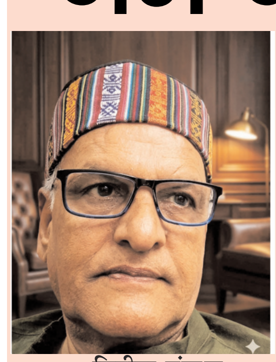

गिरीश पंकज

एक बार फिर चुनाव हार चुके थे। हम हमेशा की तरह सांत्वना देने पहुंच गये। पिछली बार भी पहुंचे थे । हम हर बार पहुंचते हैं । पड़ोसी होने का धर्म निभाना ही पड़ता है। हमें देखते ही वे समझ गए कि मैं कुछ- न- कुछ सवाल दागने वाला हूँ। हम जो सोच कर आए थे,अपना सवाल वह पूछते ही कि 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ ', चिरकुटलाल जी फौरन से पेश्तर हाथ लहराकर बोल उठे, 'हुआ तो हुआ. बनी रहे आपकी दुआ.आप तो खाओ मालपुआ.

मैंने कहा,' लेकिन कुछ तो कहिए कि क्या हुआ, कैसे हुआ, क्यों हुआ ? कब हुआ. कुछ डिटेल में बताइए न। समाज को आप का कुछ संदेश तो मिले। लोगों को प्रेरणा मिले।

मेरी बात सुनकर वे आकाश को निहारने लगे, गोया वहां से कोई उनके कान में उत्तर फूँकेगा। कुछ देर तक वे आकाश को टकटकी लगाकर निहारते रहे, फिर कुछ देर बाद वे ठुड्डी पकड़कर कर बोले, यह क्या हुआ, ये न पूछो। फिर उन्हें सहसा पुराना फिल्मी गीत याद आ गया और वे गुनगुनाने लगे, 'हम क्यों करें शिकवा कोई झूठा/ क्या हुआ जो दिल टूटा/' लगता है भाग्य का हमारा घड़ा दुबारा फिर फूटा। हम भी यही सोच रहे हैं कि ये क्या हुआ । खैर, जो हुआ, सो हुआ। बस हमारे लिए करते रहो दुआ कि दोबारा ऐसा न हो।

मैंने कहा, 'दोबारा-तिबारा भी ऐसा हो सकता है।इसलिए अब तो सुधर जाइए।

मेरी बात सुनकर वे हँसते हुए बोले,' अरे भोले,लेकिन हम तो वो फ़िल्म देख चुके हैं न,हम नहीं सुधरेंगे। इसलिए हमसे सुधरने की उम्मीद न करो

मैंने चौंकते हुए पूछा, 'यह क्या कह रहे हैं आप, बाप रे बाप ? वे मुस्कुरा कर कहने लगे, 'दरअसल हम नेताओं की आदत बड़ी ख़राब हो चुकी है। सियासत में रहने के कारण यह सहज संभाव्य है भाई ।हमारा जीवन पाखंड-मैया की गोद में इस तरह पलता है कि हम जीवन भर उसी में मगन रहते हैं । जनता को लल्लू समझ कर उल्लू बनाते हैं और कभी-कभी भी जीत जाते हैं। लेकिन जब हारते भी हैं तो दिल को बहलाने के लिए मिर्ज़ा ग़ालिब की पंक्तियों का सहारा ले लेते है। यानी 'दिल को बहलाने के लिए ग़ालिब ये ख्याल अच्छा है' की तर्ज पर सन्तुष्ट हो लेते हैं। इसलिए हमारा तकियाकलाम है, जो हुआ सो हुआ। क्या करेगी अब अपनी बुआ।

मैंने कहा, ' बाप रे बाप ! बड़े भारी सत्यवादी हैं आप।

हमारी बात सुनकर चिरकुट लालजी जोर से हँसे, जैसे मैंने कोई चुटकुला सुना दिया।

बोले, 'हमारे तन पर है खादी इसीलिए हम हैं सत्यवादी!

फिर वे अभी आया कहकर अंदर चले गये और थोड़ी देर बाद लगभग 'टुन्न'-अवस्था में बाहर निकले और लड़खड़ाते हुए बोले, 'हुआ सो हुआ, अब हमारे लिए कर रहो दुआ।' हम समझ गए कि गम गलत करने के लिए कभी-कभी ऐसी लोकतान्त्रिक 'दवाई' भी जरूरी हो जाती है।

केंद्र सरकार ने दीनदयाल पोर्ट पर आरओबी प्रोजेक्ट के लिए मंजूर किए 132.51 करोड़ रुपए

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को गुजरात के दीनदयाल पोर्ट पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के लिए 132.51 करोड़ रुपए मंजूर किए।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, 'यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आधुनिक, कुशल और निर्बाध बंदरगाह-आधारित कनेक्टिविटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दीनदयाल पोर्ट पर बनने वाला आरओबी महत्वपूर्ण बाधाओं को दूर करेगा, माल ढुलाई में सुधार करेगा और भारत की लॉजिस्टिक्स दक्षता को मजबूत करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा,सागरमाला कार्यक्रम और प्रधानमंत्री गति शक्ति के अनुरूप, 'हम एक एकीकृत इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहे हैं जो व्यापार को गति प्रदान करती है, सुरक्षा बढ़ाती है और आर्थिक विकास को समर्थन देती है। यह विश्व स्तरीय पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और वैश्विक समुद्री केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

यह प्रोजेक्ट सागरमाला कार्यक्रम का अभिन्न अंग है और प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में बहु-मार्गीय संपर्क और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना है। वर्तमान में इसका निर्माण कार्य पश्चिमी रेलवे द्वारा अग्रिम भुगतान के आधार पर किया जा रहा है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मं मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में हाल ही में डेलीगेटेड इन्वेस्टमेंट बोर्ड (डीआईबी) द्वारा इस प्रस्ताव का मूल्यांकन किया गया।

आधुनिक सुरक्षा मानकों और तकनीकी विशिष्टताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए परियोजना की संशोधित लागत की जांच की गई।

प्रस्तावित आरओबी पोर्ट पर मौजूदा लॉजिस्टिक्स संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए डिजइन किया गया एक महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर है।

रेल क्रॉसिंग पर सुगम आवागमन को सक्षम बनाकर, यह परियोजना बाधाओं को दूर करेगी, बंदरगाह की ओर जाने वाले माल के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करेगी और दीनदयाल पोर्ट पर परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार करेगी।

मंत्रालय ने कहा कि इसके पूरा होने पर, भीड़ कम होने, माल की निकासी में तेजी आने और देश की समग्र समुद्री रसद श्रृंखला को मजबूत करने की उम्मीद है।

फरवरी के अंत से रुपए में आई गिरावट अन्य मुद्राओं के अनुरूप : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय रुपए में 27 फरवरी के बाद आई गिरावट अन्य मुद्राओं के अनुरूप है और यह उन मुद्राओं से बेहतर है जो इससे पहले की अवधि (2 अप्रैल, 2025 से 27 फरवरी, 2026) में मजबूत हुई थी, यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि वैश्विक अनिश्चितता ने रुपए के अवमूल्यन को लिमिट करने का काम किया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि 2 अप्रैल, 2025 से लेकर 27 फरवरी, 2026 के बीच रुपए में 6.4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। ठीक इसी दौरान डॉलर इंडेक्स भी 6 प्रतिशत घटा था। रिपोर्ट के अनुसार, यह वह समय था जब अधिकांश मुद्राएं डॉलर के मुकाबले मजबूत हो रही थीं, लेकिन रुपया नहीं और इसलिए रुपए को झटकों को सहने वाले माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने का तर्क शायद बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकों की ओपन पॉजिशन को तर्कसंगत बनाने का प्रयास उपयोगी तो है, लेकिन इससे ऑनशोर और ऑफशोर बाजारों में महत्वपूर्ण अंतर पैदा होने की संभावना है। भारतीय बैंक (सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और निजी क्षेत्र के बैंक दोनों) आम तौर पर ऑनशोर बाजार में लॉन्ग और ऑफशोर बाजार में शॉर्ट पॉजिशन रखते हैं, जबकि विदेशी बैंक इसके विपरीत प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं।

इस अतिरिक्त, भारत का 700 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार सट्टेबाजी को रोकने और भारतीय रिजर्व बैंक को रुपए को स्थिर करने के लिए हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर है और अल्पकालिक ऋण, भंडार के 20 प्रतिशत से कम है, जिससे रुपए को मजबूत करने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करने का अवसर और समय मिलता है। हालांकि, शोध फर्म ने चेतावनी दी है कि अस्थिर पूंजी प्रवाह और तेल की ऊंची कीमतें निकट भविष्य के दृष्टिकोण के लिए जोखिम पैदा करती हैं और तेल विपणन कंपनियों के लिए 250-300 मिलियन डॉलर की दैनिक मांग को पूरा करने के लिए एक विशेष डॉलर विंडो सहित कई नीतिगत उपायों का आग्रह किया है।

बाजार की पाठशाला: पीपीएफ में 5 अप्रैल से पहले निवेश से मिल सकता है लाखों का अतिरिक्त फायदा - समझें मुनाफे का गणित

नई दिल्ली । पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ आज भी लंबी अवधि में सुरक्षित और टैक्स-फ्री रिटर्न देने वाले सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 15 साल की लॉक-इन अवधि (जिसे आगे 5-5 साल के ब्लॉक में बढ़ाया जा सकता है) के साथ यह योजना निवेशकों को स्थिर और जोखिम-मुक्त रिटर्न देती है। फिलहाल सरकार इस योजना पर अप्रैल-जून 2026 तिमाही के लिए 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज दे रही है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि अगर निवेशक अपने रिटर्न को अधिकतम करना चाहते हैं, तो उन्हें 5 अप्रैल से पहले पीपीएफ में निवेश करना चाहिए। वित्तीय वर्ष की शुरुआत में उठाया गया यह छोटा-सा कदम लंबे समय में लाखों रुपए का अतिरिक्त फायदा दे सकता है।

दरअसल, पीपीएफ में ब्याज की गणना हर महीने की 5 तारीख और महीने के अंत के बीच के न्यूनतम बैलेंस पर की जाती है। इसका मतलब यह है कि अगर आप 1 अप्रैल से 5 अप्रैल के बीच पैसा जमा करते हैं, तो उस राशि पर पूरे साल का ब्याज मिलता है। लेकिन यदि आप 5 अप्रैल के बाद निवेश करते हैं, तो उस महीने का ब्याज नहीं मिलता और हर साल एक महीने का ब्याज कम हो जाता है।

उदाहरण के तौर पर, यदि कोई निवेशक 5 अप्रैल से पहले अधिकतम 1.5 लाख रुपए निवेश करता है, तो उसे पूरे 12 महीनों का ब्याज मिलता है, जो लगभग 10,650 रुपए होता है। वहीं, अगर यही रकम 6 अप्रैल को जमा की जाए, तो ब्याज घटकर करीब 9,763 रुपए रह जाता है। यानी एक साल में करीब 887 रुपए का अंतर आ जाता है, जो समय के साथ कंपाउंडिंग के कारण काफी बड़ा हो जाता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, लंबी अवधि में इस अंतर का असर और भी ज्यादा दिखाई देता है। अगर कोई निवेशक हर साल 1.5 लाख रुपए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में जमा करता है, तो 15 साल में उसका कुल निवेश 22.5 लाख रुपए से बढ़कर करीब 40.68 लाख रुपए हो सकता है, जिसमें लगभग 18.18 लाख रुपए ब्याज के रूप में मिलते हैं। वहीं, अगर यही निवेश हर साल देर से किया जाए, तो मैच्योरिटी वैल्यू घटकर लगभग 37.80 लाख रुपए रह सकती है और ब्याज करीब 15.31 लाख रुपए ही मिलेगा।

यानी सिर्फ समय पर निवेश न करने की वजह से लगभग 2.9 लाख रुपए तक का नुकसान हो सकता है। ऐसे में, पीपीएफ में निवेश करते समय सिर्फ रकम ही नहीं, बल्कि सही समय भी बेहद महत्वपूर्ण होता है।

मारुति सुजुकी का सर्विस नेटवर्क बढ़कर 5,926 टचपॉइंट तक पहुंचा

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 26 में कंपनी ने कुल 502 नए सर्विस टचपॉइंट जोड़े हैं और यह किसी एक वर्ष में कंपनी द्वारा सर्विस टचपॉइंट जोड़ने का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

इससे भारत में मारुति सुजुकी के सर्विस टचपॉइंट की संख्या बढ़कर 5,926 हो गई है, जो देश के कुल 3,000 शहरों और कस्बों में मौजूद हैं।

नए जोड़े गए टचपॉइंट्स में एरिना और नेक्सा वर्कशॉप, मारुति सुजुकी सेल्स एंड सर्विस पॉइंट्स (एमएसएसपी) और सर्विस-ऑन-व्हील्स शामिल हैं, जो महानगरों, छोटे शहरों और दूरदराज के ग्रामीण बाजारों में ग्राहकों को समान रूप से सेवा प्रदान करने के कंपनी के प्रयास को दर्शाते हैं।

मारुति सुजुकी इंडिया के एमडी और सीईओ, हिसाशी ताकेउची ने कहा, 'चाहे ग्राहक वर्कशॉप जाना चाहें, घर पर ही सर्विस का विकल्प चुनें, अपने वाहन की सर्विस उन स्थानों पर करवाएं जहां वे अकसर जाते हैं या सड़क यात्रा के दौरान सर्विस सहायता की आवश्यकता हो, मारुति सुजुकी का सर्विस पॉइंट हमेशा उनकी पहुंच में है।

ताकेउची ने आगे कहा कि कंपनी का इरादा वित्त वर्ष 2030-31 तक अपने नेटवर्क को लगभग 8,000 टचपॉइंट तक विस्तारित करने का है।

वर्तमान विस्तार का पैमाना कंपनी की पिछली विकास गति से बिल्कुल विपरीत है।

कंपनी ने 1983 में अपनी पहली सर्विस वर्कशॉप का उद्घाटन किया था और 1997 तक 1,000 टचपॉइंट तक पहुंचने में लगभग 14 वर्ष लगे थे। इसके अलावा, ऑटो कंपनी ने मार्च में अपनी खुदरा बिक्री में 5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है, जबकि वित्त वर्ष 2026 के पूरे वर्ष की बिक्री पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत बढ़ी है।

इस महीने के दौरान, कंपनी ने कुल 2,25,251 यूनिट बेचीं - जो पिछले वर्ष के इसी महीने में बेची गई 1,92,984 यूनिट्स से अधिक है।

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 1,69,428 यूनिट्स रही, जबकि निर्यात बढ़कर 47,040 यूनिट्स हो गया और अन्य ओईएम को बिक्री 8,783 यूनिट्स तक पहुंच गई। मारुति सुजुकी के शेयर गुरुवार को बीएसई पर 1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12,632 रुपए पर बंद हुए।

भारत में ऑटो सेक्टर में लागत से जुड़े जोखिमों को कम करके आंका रहा बाजार : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कंपनियों पर लागत के दबाव को बाजार ऐसे समय पर कम करके आंक रहा है, जब निवेशकों का भारत को लेकर नजरिया सर्तक हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

बीएनपी पारिबास के एक विश्लेषण में बताया गया कि निवेशक बाजार पर कोई स्पष्ट रुख अपनाने से हिचकिचा रहे हैं और कई फंड सक्रिय रूप से अपना कुल जोखिम कम कर रहे हैं। विश्लेषण में कहा गया है कि पिछले साल अमेरिकी टैरिफ व्यापार में आए तीव्र बदलाव ने निवेशकों को मौजूदा ऊर्जा संकट को अल्पकालिक मानने के लिए प्रेरित किया है। भारत के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अधिक नकारात्मक हो गया है। इसकी एक प्रमुख वजह एलएनजी की उपलब्धता को लेकर चिंता होना है; निवेशकों को डर है कि यह भारत के लिए एक दीर्घकालिक समस्या साबित हो सकती है, जो तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से अलग प्रकृति की होगी कच्चे तेल के विपरीत, जिसे छोटी अवधि का प्राइस शॉक माना जा रहा है। एलएनजी आपूर्ति में व्यवधान को कंपनियों की आय पर दीर्घकालिक प्रभाव डालने वाला माना जाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि हांगकांग स्थित निवेशक सिंगापुर स्थित निवेशकों की तुलना में भारत के प्रति कुछ कम निराशावादी है ।

वैश्विक तनावों के बीच अगले सप्ताह रेपो रेट या आरबीआई एमपीसी के रुख में बदलाव की संभावना नहीं : विशेषज्ञ

नई दिल्ली। अर्थशास्त्रियों ने शुक्रवार को कहा कि भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अगले हफ्ते होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में इस बार रेपो रेट या पॉलिसी रुख में किसी भी बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसकी वजह मौजूदा वैश्विक तनाव और अनिश्चितता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, आरबीआई का रुख इस बार सतर्क रहेगा और मौजूदा अनिश्चितता के बीच सबसे ज्यादा ध्यान जीडीपी और महंगाई के अनुमान पर होगा, जो मौजूदा हालात में काफी अहम हैं बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनाविस ने कहा, 'हम लिक्विडिटी या करेंसी मैनेजमेंट को लेकर किसी नए कदम की उम्मीद नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आरबीआई जरूरत पड़ने पर पहले भी ऐसे कदम उठाता रहा है।

तीन दिन की यह पॉलिसी बैठक 6 अप्रैल से 8 अप्रैल तक चलेगी। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा संकट बढ़ा है और मार्च में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत करीब 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। बैंक के अनुसार, अगर महंगाई 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा को पार करती है, तो साल के अंत तक ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना बन सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'युद्ध का असर आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर अगले 3-4 महीनों में साफ होगा। इसके बाद आरबीआई ब्याज दरों की दिशा पर फैसला करेगा। एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च के अनुसार, इस बार एमपीसी की बैठक पूरी तरह से तेल की कीमतों में आए अचानक झटके को लेकर फैली चिंता को दूर करने के लिए संचार पर केंद्रित होगी। एचएसबीसी के अर्थशास्त्रियों का कहना है, 'हमें उम्मीद है कि आरबीआई अलग-अलग संभावित स्थितियों, संवेदनशीलता और अपनी प्रतिक्रिया पद्धति के व्यापक सिद्धांतों की रूपरेखा प्रस्तुत करेगा। तेल कीमतों में उछाल के बावजूद निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम है, क्योंकि आरबीआई एक साल आगे की महंगाई को ज्यादा महत्व देता है।

ईरान युद्ध के बीच कुकिंग गैस पर निर्भरता घटाने की तैयारी, सरकार घरेलू इंडक्शन हीटर उत्पादन बढ़ाने पर कर रही फोकस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कुकिंग गैस की खपत कम करने के लिए अब इंडक्शन हीटर और उससे जुड़े उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रही है। इस दिशा में शुक्रवार को उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव, विद्युत सचिव और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के महानिदेशक सहित शीर्ष अधिकारियों ने एक उच्चस्तरीय बैठक की।

इस बैठक में ईरान युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं को देखते हुए इंडक्शन हीटर और कुकिंग उपकरणों के उत्पादन को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई, ताकि कुकिंग गैस की खपत कम की जा सके।

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से इंडक्शन हीटर और अन्य इलेक्ट्रिक उत्पादों की मांग में काफी बढ़ोतरी देखी गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अगर यह युद्ध लंबे समय तक चलता है, तो भारत को संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब सरकार लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की संभावना को देखते हुए आयात पर पड़ने वाले असर का आकलन कर रही है। खासतौर पर तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात में बाधा को लेकर चिंता जताई जा रही है।

सरकार पहले ही कई पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर आयात शुल्क कम कर चुकी है, ताकि सप्लाई बनी रहे और लागत का दबाव कम किया जा सके।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मुख्य फोकस जरूरी उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आयात पर निर्भरता कम करना है। कतर में एक बड़े लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) प्लांट को नुकसान पहुंचने के बाद मध्य पूर्व से तेल और गैस की सप्लाई को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद होने की स्थिति में है, जहां से दुनिया की करीब 20 प्रतिशत ऊर्जा सप्लाई गुजरती है। भारत ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपने तेल आयात स्रोतों में विविधता लाई है और अब रूस के साथ-साथ नाइजीरिया और अंगोला जैसे अफ्रीकी देशों से ज्यादा कच्चा तेल खरीद रहा है। इसके अलावा भारतीय कंपनियां अमेरिका से भी गैस की आपूर्ति ले रही हैं।

इस बीच, पश्चिम एशिया में संघर्ष को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने संबोधन में कहा कि अमेरिकी सेना अगले 2-3 हफ्तों तक ईरान पर 'बेहद कड़ा प्रहार' करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ईरान को 'स्टोन एजेज यानी पाषाण युग' (उनकी पुरानी स्थिति जहां वे असल में थे) में पहुंचा देगा।

इसके कुछ घंटों बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'उस समय मध्य पूर्व में न तेल था और न ही गैस का उत्पादन होता था।

ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय दोहराई है जब यह संघर्ष दूसरे महीने में प्रवेश कर चुका है और क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती जारी है। वहीं ईरान ने युद्धविराम और 15-सूत्रीय शांति योजना से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए इसे 'बेहद एकतरफा और अव्यवहारिक' बताया है।

एचपीसीएल का सख्त एक्शन: सरकार की सख्ती के बीच एलपीजी से संबंधित अनियमितताओं के चलते 10 डिस्ट्रीब्यूटर को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने कथित अनियमितताओं के चलते 10 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर को सस्पेंड कर दिया है। कंपनी ने अपने वितरण नेटवर्क में अनियमितताओं के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति को दोहराया है।

कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि जिन 10 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर को गड़बड़ी में शामिल पाया गया, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है।

कंपनी ने अपने बयान में कहा, 'जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत हम जवाबदेही सुनिश्चित कर रहे हैं और जहां जरूरत है, वहां समय पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर रहे हैं।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सरकार एलपीजी की उपलब्धता और वितरण से जुड़ी अनियमितताओं और अफवाहों पर काबू पाने के लिए सक्रिय हो गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा था कि वे अफवाहों और गलत जानकारी को रोकने के लिए सक्रिय रूप से सही जानकारी साझा करें, क्योंकि कुछ इलाकों में इन अफवाहों के कारण घबराहट में खरीदारी और जमाखोरी देखने को मिली है।

मंत्रालय ने अपने संदेश में कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों, खासकर एलपीजी की उपलब्धता और कीमतों को लेकर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी और फेक न्यूज काफी बढ़ गई है, जिससे वितरण व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

इसलिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे रोजाना वरिष्ठ स्तर पर प्रेस ब्रीफिंग करें और सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए सही जानकारी समय पर लोगों तक पहुंचाएं।

सैम मानेकशॉः 1971 की भारत-पाक जंग में 'सैम बहादुर' ने दिलावाई थी जीत

नई दिल्ली। भारत के पहले फील्ड मार्शल कहे जाने वाले सैम मानेकशॉ की आज 112वीं जयंती है। सैम मानेकशॉ का जन्म आज ही के दिन 03 अप्रैल, 1914 को हुआ था। वह भारत के पहले ऐसे प्रमुख सैन्य अधिकारी थे, जिसकी बदादुरी के किस्से न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर थे।

उनके बुलंद हौसले, देश के प्रति निष्ठा व समर्पण और बहादुरी के लिए उन्हें साल 1968 में भारत सरकार की ओर से पद्म भूषण और 1972 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। सैम मानेकशॉ एक ऐसे कुशल सैन्य अधिकारी थे, जिन्होंने साल 1971 के भारत-पाक युद्ध में न केवल महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि महज 13 दिनों के भीतर भारत को पाकिस्तान पर जीत भी दिलवाई। सैम मानेकशॉ का व्यक्तित्व जितना अधिक प्रभावशाली था। वह उतने ही बेबाक और हंसमुख स्वभाव के थे। यही वजह है कि सेना के अधिकारी उन्हें प्यार से 'सैम बहादुर' कहकर पुकारते थे।

सैम मानेकशॉ का जन्म आज ही के दिन 03 अप्रैल, 1914 में अमृतसर के एक पारसी परिवार में हुआ था। उनका पूरा नाम सैम हॉर्मुसजी फ्रामजी मानेकशॉ है। सैम के पिता डॉक्टर थे और वह चाहते थे कि उनका बेटा भी बड़ा होकर डॉक्टर ही बनें। लेकिन सैम के भीतर देशभक्ति की भावना थी। इसलिए उन्होंने देश सेवा का मार्ग चुना और भारतीय सेना में शामिल हो गए।

सैनिक प्यार से कहते थे 'सैम बहादुर'

सैम मानेकशा एक प्रभावशाली व्यक्ति के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज और हंसमुख स्वभाव के लिए भी जाने जाते थे। सेना के अधिकारी उन्हें प्यार से 'सैम बहादुर' कहकर पुकारते थे। बता दें, सैम मानेकशॉ ने भारतीय सैन्य अधिकारी, देहरादून के पहले बैच से प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

मिलिट्री क्रॉस से सम्मानित

सैम मानेकशॉ ने द्वितीय विश्व युद्ध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस दौरान म्यांमार के मोर्चे पर जापानी सेना के खिलाफ लड़ी थी। इसी समय वह बहुत ज्यादा घायल भी हो गए थे। लेकिन उनके इसी साहस और बहादुरी को देखते हुए उन्हें मिलिट्री क्रॉस से सम्मानित किया गया।

रणनीति बनाने में माहिर

सैम एक बहादुर सेना अधिकारी के साथ-साथ एक महान रणनीतिकार भी थे। वह कभी भी कोई निर्णय किसी दबाव व जल्दबाजी में नहीं लेते थे। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान भी उन पर राजनीतिक दबाव आया। लेकिन उन्होंने दबाव के बावजूद भी कोई निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया और सैना की तैयारी के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। इसके बाद सेना की सही ढंग से तैयारी के बाद उन्होंने युद्ध का सुव्यवस्थित ढंग से संचालन किया और भारत को महज 13 दिनों के भीतर निर्णायक जीत भी दिलावाई।

सैम की याद में विजय दिवस

सैम मानेकशा का निधन 28 जून, 2008 में हुआ था। बता दें, सेना में सेवा करने के बाद उन्होंने कई बड़ी कंपनियों के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक और अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। इसके अलावा, साल 1971 में सैम के बदौलत भारत को मिली निर्णायक जीत की याद में हर साल भारत में 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

नौकरी में होना चाहते हैं सफल, तो गांठ बांध लें चाणक्य की ये बातें, मिल जाएगी सफलता

आचार्य चाणक्य की नीतियां सदियों पुरानी होने के बावजूद आज के कॉर्पोरेट जगत और प्रोफेशनल लाइफ में उतनी ही सटीक बैठती हैं जितनी उस समय थीं। अगर आप अपने करियर की सीढ़ी तेजी से चढ़ना चाहते हैं, तो चाणक्य की इन 5 बातों को अपनी वर्क लाइफ का हिस्सा बना लें। यहां हम उनके प्रेरक विचार लेकर आए हैं जो आपको सफल बनाने में मदद करेगी।

चाणक्य के अनुसार, 'अपनी गुप्त बातें और आगामी योजनाओं को कभी भी किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए।' * प्रोफेशनल लाइफ में अपनी अगली चाल, सैलरी हाइक की बात या दूसरी कंपनी में इंटरव्यू की खबर तब तक गुप्त रखें जब तक काम पूरा न हो जाए। कार्यस्थल पर अत्यधिक भरोसा अक्सर नुकसान का कारण बनता है।

सफलता का सीधा रास्ता अनुशासन से होकर गुजरता है। जो व्यक्ति समय की कद्र नहीं करता, समय उसकी कद्र नहीं करता। ऑफिस के कार्यों को डेडलाइन से पहले पूरा करने की आदत डालें। अनुशासन आपकी छवि एक भरोसेमंद कर्मचारी के रूप में बनाता है।

चाणक्य कहते हैं कि कड़वा बोलने वाले व्यक्ति के पास लक्ष्मी और सफलता कभी नहीं रुकती। प्रोफेशनल लाइफ में अपने सहकर्मियों और बॉस के साथ हमेशा विनम्र रहें। आपकी योग्यता आपको नौकरी दिला सकती है, लेकिन आपका व्यवहार आपको प्रमोशन और सम्मान दिलाता है।

किसी भी व्यक्ति को अपनी कमजोरियों का ढिंढोरा नहीं पीटना चाहिए। यदि आपको कोई काम नहीं आता, तो उसे चुपचाप सीखें। अपनी कमियों को सबके सामने स्वीकार करने से आपके प्रतिस्पर्धी उसका फायदा उठा सकते हैं। खुद को हमेशा एक 'कॉन्फिडेंट' लीडर की तरह पेश करें।

चाणक्य के अनुसार, 'बहुत सीधा होना भी ठीक नहीं है, क्योंकि जंगल में सबसे पहले सीधे पेड़ ही काटे जाते हैं।' काम के प्रति ईमानदार रहें, लेकिन इतने भोले न बनें कि दूसरे आपके काम का क्रेडिट ले जाएं। अपनी मेहनत का हिसाब रखना और सही समय पर उसे प्रेजेंट करना भी सफलता के लिए जरूरी है।

दुनिया का पहला 'डायनासोर लेदर' हैंडबैग लैब में तैयार किए गए कोलेजन से बनाया गया

वैज्ञानिकों और डिजाइनरों ने एक ऐसे हैंडबैग का अनावरण किया है, जिसे वे दुनिया का पहला लैब में तैयार किए गए कोलेजन से बना बैग बता रहे हैं, जो टायरानोसॉरस रेक्स (ज्ञ. ह्द्ग×) के जीवाश्मों से प्राप्त प्रोटीन पर आधारित है। इस परियोजना का उद्देश्य टिकाऊ (सस्टेनेबल) लेदर के भविष्य को प्रदर्शित करना है। हरे-नीले (टील) रंग का यह बैग एम्स्टर्डम के आर्ट जू म्यूज़ियम में एक टी-रेक्स कंकाल की प्रतिकृति के नीचे 11 मई तक प्रदर्शित किया जाएगा, जिसके बाद इसे नीलाम किया जाएगा। इसकी शुरुआती कीमत 5 लाख डॉलर से अधिक बताई जा रही है।

इस परियोजना में तीन कंपनियों ने मिलकर काम किया— द ऑर्गेनॉइड कंपनी, जीनोमिक इंजीनियरिंग फर्म ऑर्गेनॉइड और क्रिएटिव एजेंसी वीएमएल। इन संस्थाओं ने पहले 2023 में ऊनी मैमथ के डीएनए और भेड़ की कोशिकाओं को मिलाकर एक विशाल मीटबॉल भी तैयार किया था। इस नए प्रोजेक्ट में टीम ने डायनासोर अवशेषों से प्राचीन प्रोटीन के अंश निकाले और उन्हें एक अज्ञात जानवर की कोशिकाओं में डालकर कोलेजन तैयार किया, जिसे बाद में लेदर में बदला गया।

द ऑर्गेनॉइड कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थॉमस मिशेल ने इस परियोजना की जटिलता को स्वीकार करते हुए कहा, 'इसमें कई तकनीकी चुनौतियां थीं।

लैब-ग्रोन लेदर लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चे कॉनन, जिन्होंने इस इंजीनियर्ड कोलेजन से लेदर तैयार किया, ने कहा कि टी-रेक्स से जुड़ाव इस सामग्री को सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल विकल्प से आगे ले जाता है। उन्होंने कहा, 'यह केवल लेदर का हरित विकल्प नहीं है, बल्कि एक तकनीकी उन्नयन भी है।'

हालांकि, सभी वैज्ञानिक इस दावे से सहमत नहीं हैं। परियोजना से बाहर के कुछ विशेषज्ञों ने सवाल उठाया है कि क्या इस बैग को वास्तव में 'डायनासोर लेदर' कहा जा सकता है। व्रीजे यूनिवर्सिटेट एम्स्टर्डम की डच कशेरुकी जीवाश्म विज्ञानी मेलानी ड्यूरिंग का कहना है कि डायनासोर की हड्डियों में कोलेजन केवल टूटे हुए अंशों के रूप में ही बचता है, जिससे टी-रेक्स की त्वचा को दोबारा बनाना संभव नहीं है। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के जीवाश्म विज्ञानी थॉमस आर. होल्ट्ज जूनियर ने कहा कि भले ही प्रोटीन पूरी तरह मेल खा जाएं, फिर भी उनमें वह रेशेदार संरचना नहीं होगी जो असली पशु लेदर को उसकी विशेषता देती है।

मिशेल ने इस आलोचना का स्वागत करते हुए कहा, 'जब आप पहली बार कुछ नया करते हैं, तो आलोचना होना स्वाभाविक है। यही वैज्ञानिक खोज की नींव है।' उन्होंने जोड़ा कि यह परियोजना अब तक की सबसे नजदीकी कोशिश है, जिसे वास्तव में टी-रेक्स सामग्री कहा जा सकता है।

कच्चे तेल का इतिहासः 175 साल पहले जमीन के नीचे मिला क्रूड ऑयल, चिड़िया और व्हेल ने कैसे मिटाया दुनिया का अंधेरा?

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से वैश्विक ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर प्रतिबंध लगाने की वजह से दुनियाभर में लोग पेट्रोल-डीजल की भारी कीमतों का सामना कर रहे हैं।

आज के समय में पेट्रोल-डीजल से लेकर सभी जीवाश्म ईंधनों पर लोगों की निर्भरता काफी ज्यादा है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब दुनिया में इस कच्चे तेल का इजात ही नहीं हुआ था, तब लोग कैसे जीते थे।

आज से करीब 175 साल पहले तक लोगों को पेट्रोल-डीजल तो क्या केरोसिन ऑयल के बारे में भी कुछ नहीं पता था। लोग अंधेरे में अपना जीवन बिता रहे थे।

रात होते ही लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल था। अंधेरा होते ही लोग घरों में कैद हो जाते थे। आज के समय में ऐसे हालात के बारे में सोचना काफी खौफनाक लग सकता है, लेकिन पहले के समय में ये बात बहुत आम थी।

चिड़िया जलाकर रोशनी करते थे लोग

1700 से पहले के समय में लोग रात में यात्रा करने से कतराते थे। लेकिन जब कभी उन्हें जरूरत पड़ती थी, तब उन्होंने इसके लिए भी विकल्प तलाश रखे थे।

क्रूड ऑयल की खोज से पहले लोग एक विशेष तरह की 'पेट्रेल' नाम की चिड़िया का शिकार करते थे और उसे कई दिन तक घर में सुखाते थे।

लोगों को रात में रोशनी करने की जब कभी जरूरत पड़ती थी, तब उस चिड़िया को एक लोहे के स्टैंड पर रखकर जलाते थे। 'सेल्मन फिश' का भी लोग इसी तरह इस्तेमाल करते थे। सेल्मन फिश या पेट्रेल चिड़िया को जलाने से घंटों तक सड़कों पर रोशनी रहती थी।

1700 से 1850 के समय में लोगों ने रोशनी करने के लिए नई तकनीकों का इजात कर लिया। लोगों ने बड़ी संख्या में व्हेल मछली का शिकार करना शुरू कर दिया और इसके तेल से लैंप जलाना शुरू किया।

अमेरिका ने व्हेल मछली का तेल निकालकर दुनिया को बेचा और इस कारोबार में महारथ हासिल कर ली। लेकिन व्हेल मछली का शिकार करना कई लोगों को पसंद नहीं था, इसके लिए लोगों ने नए विकल्पों की तलाश शुरू की।

केरोसीन ऑयल की खोज ने मिटाया अंधेरा

साल 1846 में वो समय आया, जब दुनिया को केरोसीन तेल मिला। कनाडा के आविष्कारक अब्राहम पाइनियो गेस्नर ने दुनिया से अंधेरा मिटा दिया। अब्राहम पाइनियो गेस्नर ने कोयला, कोलतार और ऑयल शेल को रिफाइन करके केरोसिन ऑयल यानी मिट्टी का तेल बनाया।

केरोसिन ऑयल काफी ज्यादा सस्ता था। व्हेल से बनने वाले तेल की तुलना में केरोसीन ऑयल की कीमत आधी थी। इस तेल को गरीब से लेकर अमीर तक हर कोई खरीद सकता था।

कच्चे तेल की खोज ने बदली दुनिया

केरोसिन ऑयल की खोज के बाद भी बेहतर फ्यूल की तलाश जारी रही। साल 1858 में अमेरिका के डार्टमाउथ कॉलेज के एक प्रोफेसर जॉर्ज बिसेल यूनाइटेड स्टेट्स के ही पेंसिल्वेनिया राज्य के कुछ ग्रामीण इलाकों में पहुंचे। यहां उन्हें चिकना-सा पदार्थ मिला, जिसका सैंपल वो अपने कॉलेज लेकर चले गए।

प्रोफेसर जॉर्ज बिसेल ने इस पदार्थ को रिफाइन कर लिया और पता लगाया कि इस पदार्थ का इस्तेमाल लैम्प जलाने में किया जा सकता है। बिसेल को ये अंदाजा हो गया कि पेंसिल्वेनिया के इलाकों में जमीन के नीचे ऐसा तरल पदार्थ भारी मात्रा में मौजूद हो सकता है।

बिसेल ने एडविन ड्रेक की मदद से विलियम स्मिथ नाम के शख्स को हायर किया और इन सभी ने मिलकर जमीन के नीचे सालों से छिपे तेल की खोज शुरू की। विलियम स्मिथ को अंकल बिली के नाम से भी जाना जाता था। ये घरों में पानी के नल लगाने का काम करते थे। बिसेल, एडविन ड्रेक और विलियम स्मिथ जब जमीन में तेल खोज रहे थे, तब लोग उनका मजाक उड़ाते थे। उस दौरान लोगों का बस यही मानना था कि जमीन के नीचे केवल पानी मिल सकता है, तेल नहीं।

टाइटसविले इलाके में बड़ी मशक्कत के बाद 60 फीट तक ड्रिलिंग होने के बाद एडविन ड्रेक और अंकल बिली उम्मीद हार गए थे कि उन्हें तेल कभी मिल भी पाएगा। उन्होंने काम को रोकने के लिए बिसेल से बात करने के बारे में सोचा।

फलों पर लगे स्टीकर का क्या मतलब होता है? खरीदने से पहले जान लें इसपर लिखे नंबरों का मतलब

जब कभी भी बाजार से फल खरीदने जाते हैं तो दूर से ताजे फल की पहचान हो जाती है। चमचमाते और साफ फल दूर से ही लोगों को पसंद आ जाते हैं और वो फटाफट झोले में भर लेते हैं। लेकिन क्या कभी आपने गौर किया है कि फलों के ऊपर स्टीकर लगा होता है, उसका मतलब क्या होता है। ज्यादातर लोग इस स्टीकर को बिना पढ़े उसे निकालकर फेंक देते हैं और फल खा लेते हैं। लेकिन इस बार जब भी आप फल खरीदें तो स्टीकर को हटाएं नहीं, फल को काटने से पहले उसे जरूर चेक करें। दरअसल फलों पर लगे इन छोटे स्टिकर्स को कोड कहा जाता है। ये सिर्फ कीमत बताने के लिए नहीं होते, बल्कि यह फल कैसे उगाया गया है उसके बारे में भी बताते हैं। यहां इस आर्टिक में हम आपको बताने जा रहे हैं कि फलों पर लगे स्टीकर का मतलब क्या होता है।

अगर स्टीकर पर सिर्फ 4 अंक हैं और इसकी शुरुआत 3 या 4 से होती है, तो इसका मतलब है यह फल पारंपरिक तरीके से उगाया गया है। इसे उगाने में कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों का उपयोग किया गया है। इन्हें खाने से पहले बहुत अच्छी तरह धोना जरूरी है।

अगर कोड 5 अंकों का है और पहला अंक 9 है, तो यह सबसे अच्छी क्वालिटी का संकेत है। इसका मतलब है कि यह फल पूरी तरह से प्राकृतिक तरीके से उगाया गया है। इसमें किसी भी तरह के हानिकारक केमिकल या कीटनाशक का प्रयोग नहीं किया गया है। यह आपकी सेहत के लिए सबसे सुरक्षित है। अगर कोड 5 अंकों का है और पहला अंक 8 है, तो आपको थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि इसका मतलब है कि यह फल जीनेटिकली मॉडिफाइड है। इसका मतलब है कि फल के बीजों में लैब के अंदर बदलाव किए गए हैं ताकि वे बड़े दिखें या जल्दी न खराब हों। हालांकि ये बाजार में कम दिखते हैं, लेकिन इन्हें 'नेचुरल' नहीं माना जाता।

वैज्ञानिकों ने एक मेडिकल सफलता के तहत तंबाकू के पौधे को 5 साइकेडेलिक यौगिक बनाने के लिए तैयार किया

हजारों वर्षों से साइकेडेलिक पदार्थ दुनिया भर की स्वदेशी संस्कृतियों का एक अभिन्न अंग रहे हैं। अब, वैज्ञानिकों ने एक पौधे को इस तरह से तैयार करने में सफलता प्राप्त की है कि वह उन पांच शक्तिशाली साइकेडेलिक यौगिकों का उत्पादन कर सके जो आमतौर पर पौधों, कवक और जानवरों में पाए जाते हैं। इज़राइल के वीज़मैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के शोधकर्ताओं ने अलग-अलग ट्रिप्टामाइन-आधारित साइकेडेलिक्स का उत्पादन करने के लिए तंबाकू के एक पौधे (निकोशियाना बेंथैमियाना) को संशोधित किया है, जिससे भविष्य की दवाओं के उत्पादन और उनके चिकित्सीय उपयोगों पर शोध करना आसान हो जाएगा।

यह एकल जैव-इंजीनियर्ड पौधा अब सिलोसिन और सिलोसाइबिन (जो आमतौर पर मशरूम में मिलते हैं), डीएमटी (जो विभिन्न पौधों में मिलता है), और बुफ़ोटेनिन एवं 5-मेथॉक्सी-डीएमटी दोनों का उत्पादन कर सकता है, जिन्हें कोलोराडो रिवर टोड स्वाभाविक रूप से स्त्रावित करता है। प्रत्येक यौगिक की उत्पादन मात्रा इतनी पर्याप्त थी जिससे यह संकेत मिलता है कि थोड़े और सुधार के साथ यह प्रणाली एक जैविक ट्रिप्टामाइन कारखाने के रूप में कार्य कर सकती है।

साइंस एडवांसेज में प्रकाशित इस अध्ययन में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह कार्य साइकोएक्टिव इंडोलेथाइलामाइन के सह-जैवसंश्लेषण और विविधीकरण के लिए एक बहुमुखी मंच स्थापित करता है, जो पौधों में उनके उत्पादन का मार्ग प्रशस्त करता है। शोध के अनुसार, उनकी रणनीति ने पांच प्रमुख चिकित्सीय रूप से मूल्यवान यौगिकों, उनके डेरिवेटिव और गैर-प्राकृतिक पादप एनालॉग्स के उत्पादन के लिए एक विषम पादप प्रणाली स्थापित की है, जो पौधों में इनके व्यावसायिक उत्पादन के लिए एक शुरुआती बिंदु प्रदान करती है।

इस पौधे को विकसित करने के पीछे एक ठोस कारण है। हाल के वर्षों में साइकेडेलिक यौगिकों का चिकित्सा में उपयोग काफी लोकप्रिय हुआ है, लेकिन उन्हें प्राकृतिक स्त्रोतों से इकट्ठा करने से उनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो सकते हैं और उनका अत्यधिक दोहन हो सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि पारंपरिक रूप से साइकेडेलिक्स की आपूर्ति पौधों, कवक और सोनोरन डेजर्ट टोड जैसे प्राकृतिक उत्पादकों पर निर्भर करती है। उनके साइकोएक्टिव यौगिकों के लिए इन जीवों का शिकार करना पारिस्थितिक और नैतिक चिंताएं पैदा करता है क्योंकि आवास के नुकसान और अत्यधिक दोहन से उन पर खतरा बढ़ रहा है।

ऐसी स्थिति से बचने के लिए शोधकर्ताओं ने इन यौगिकों के पीछे के जैविक मार्गों को फिर से बनाने का लक्ष्य रखा। तंबाकू के पौधे को इसलिए चुना गया क्योंकि यह पौधों की प्रजातियों के लिए एक 'लैब रैट' की तरह काम करता है और इसमें ट्रिप्टोफैन प्रचुर मात्रा में होता है। हालांकि तंबाकू के पौधों द्वारा फार्मास्युटिकल गुणवत्ता वाले साइकेडेलिक्स बनाने से पहले अभी बहुत काम किया जाना बाकी है, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि यह शोध डीएमटी और अन्य यौगिकों के जैव-संश्लेषण की व्यवहार्यता को सफलतापूर्वक सिद्ध करता है।

फैशन की दुनिया में नाम कमाना चाहती थीं सिमरन, लेकिन एक शो ने बदली किस्मत

मुंबई। साउथ इंडियन सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन ऋषि बग्गा आज भी अपनी शानदार एक्टिंग और डांस के लिए याद की जाती हैं। उन्होंने तमिल, तेलुगू, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई। बहुत कम लोग जानते हैं कि सिमरन का सपना फिल्मों में आने का नहीं था। वह फैशन डिजाइनर बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था।

सिमरन का असली नाम ऋषिबाला नवल है। उनका जन्म 4 अप्रैल 1976 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई भी मुंबई में ही की। सिमरन एक साधारण परिवार से थीं, लेकिन उनके अंदर कुछ अलग करने का जुनून था। बचपन से ही उन्हें फैशन और डिजाइनिंग में दिलचस्पी थी। वह इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती थीं। लेकिन जिंदगी ने उनके लिए अलग रास्ता चुना।

उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट तब आया, जब उन्होंने टीवी के म्यूजिक शो 'सुपहिट मुकाबला' में एंकरिंग शुरू की। इसी दौरान फिल्ममेकर्स की नजर उन पर पड़ी और उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। शुरुआत में उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'तेरे मेरे सपने' में काम किया, जिससे उन्हें पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने साउथ फिल्मों की ओर रुख किया और यहीं से उनका असली स्टारडम शुरू हुआ।

सिमरन ने 1997 में तमिल फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और बहुत कम समय में टॉप एक्ट्रेस बन गईं। उनकी फिल्में 'थुल्लथा मनामुम थुल्लुम' और 'वाली' ने उन्हें जबरदस्त सफलता दिलाई। इन फिल्मों में उनकी एक्टिंग को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया और इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बना ली।

साल 2002 उनके करियर का बेहद खास साल रहा, जब उन्होंने कमल हासन के साथ 'पम्मल के. सांबंदम' और 'पंचतंत्रम' सुपरहिट फिल्मों में काम किया। इसी दौरान उनकी फिल्म 'कन्नथिल मुथामित्तल' के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। उन्होंने सिर्फ रोमांटिक रोल ही नहीं, बल्कि हर तरह के किरदार निभाकर अपनी प्रतिभा साबित की।

हालांकि, शादी के बाद सिमरन ने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने 2003 में दीपक बग्गा से शादी की और अपने परिवार पर ध्यान देने लगीं, लेकिन उनका फिल्मों से प्यार खत्म नहीं हुआ और उन्होंने 2008 में फिल्म 'वारनम आयिरम' से शानदार वापसी की। इस फिल्म में उन्होंने मां का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया और उन्हें अवॉर्ड भी मिला।

सिमरन के करियर की बात करें तो उन्होंने अपने लंबे सफर में कई बड़े अवॉर्ड जीते हैं, जिनमें तीन फिल्मफेयर अवार्ड्स साउथ, एक तमिलनाडु स्टेट फिल्म अवार्ड और कई अन्य सम्मान शामिल हैं।

आज भी सिमरन फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और समय-समय पर फिल्मों और वेब प्रोजेक्ट्स में नजर आती रहती हैं।

गुरमीत चौधरी ने बेटी लियाना को बताया अपनी 'किस्मत', बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटो की शेयर

मुंबई । टीवी एक्टर गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी की बड़ी बेटी लियाना का चौथा जन्मदिन शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। यह खुशी का पल परिवार वालों के लिए खास रहा। दोनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर कर बेटी को जन्मदिन की बधाई दी।

अभिनेत्री देबिना बनर्जी ने कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इसमें वे लियाना और परिवार के साथ खुशी के पल समेटती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में मां बनने के अनुभव को गहराई से बयां किया। उन्होंने बड़ी बेटी को अपनी ताकत और खुशी का स्रोत बताया।

देबिना बनर्जी ने लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे मजबूत, भावुक और सुंदर अनुभव रहा है। मेरी लियाना में मैं ताकत, चमक और अपना पूरा संसार देखती हूं। हमारी लड़कियों की गैंग अभी तो शुरुआत कर रही हैं। मेरी लियाना, तुम मेरे दिल का हिस्सा हो। हैप्पी बर्थडे मेरी जान। मम्मा तुमसे बहुत प्यार करती है।

वहीं, गुरमीत ने भी इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। एक तस्वीर में गुरमीत लियाना को गोद में लिए हुए प्यार कर रहे हैं, तो दूसरी में पूरा परिवार नजर आ रहा है, जिसमें गुरमीत, लियाना, छोटी बेटी दिविशा और देबिना नजर आ रही हैं।

गुरमीत ने लिखा, 'मेरी नन्ही परी लियाना को चौथे जन्मदिन की अनंत बधाई। तुम मेरी सबसे बड़ी किस्मत और प्यारी खुशी हो। मेरी प्यारी बच्ची, मैं तुम्हें हमेशा प्यार करूंगा और आप सभी का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने उसे इतना प्यार और शुभकामनाएं दीं। यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी टीवी जगत के जाने-माने नाम हैं।

उनकी पहली बेटी लियाना 3 अप्रैल 2022 को पैदा हुई थी। अब वह चार साल की हो गई है। उनके घर में छोटी बेटी दिविशा भी है। दोनों बेटियां परिवार की खुशी बढ़ाती हैं।

'चुम्मा लेला राजा जी' के रिहर्सल में अक्षरा सिंह ने बहाया पसीना, इस तरह तैयार हुआ डांस

मुंबई । भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह का नया गाना 'चुम्मा लेला राजा जी' हाल ही में रिलीज हुआ, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गाने की सफलता के पीछे सिर्फ म्यूजिक और लिरिक्स ही नहीं, बल्कि अक्षरा सिंह की मेहनत और परफॉर्मेंस भी एक बड़ी वजह है। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में अक्षरा ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। वीडियो में अक्षरा सिंह डांस प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं। क्लिप में पूरा सेटअप दिखाई दे रहा है, जिसमें उनकी पूरी टीम मौजूद है और हर कोई डांस के मूव्स को परफेक्ट बनाने में जुटा हुआ है। वीडियो में अक्षरा शूट से पहले रिहर्सल करती दिख रही है, वह हर स्टेप को शानदार तरीके से कर रही हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ' 'तैयारी से परफेक्शन तक, ग्लो अप कैसा लगा? 'चुम्मा लेला राजा जी' गाने की बात करें तो यह एक रोमांटिक गाना है। इसमें अक्षरा सिंह और सनम जौहर की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। अक्षरा सिंह के एक्सप्रेशन्स गाने को और भी खास बनाते हैं। गाने के लिरिक्स यादव राज ने लिखे हैं, और म्यूजिक विनय विनायक ने कंपोज किया है। इसे निर्देशक मोहित सरीन ने डायरेक्ट किया है।

अब अक्षरा सिंह की बात करें तो, उनका जन्म बिहार में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2010 में एक्शन ड्रामा फिल्म 'सत्येमव जयते' से की थी, जिसमें उन्होंने रवि किशन के साथ मुख्य भूमिका निभाई। इसके बाद 2011 में उन्होंने 'प्राण जाए पर वचन न जाए' में काम किया। उन्होंने 2016 में रोमांटिक ड्रामा 'ए बलमा बिहार वाला' में खेसारी लाल यादव के साथ और 2017 में एक्शन ड्रामा 'सत्या', तबादला' और 'मां तुझे सलमा' में पवन सिंह के साथ अभिनय किया।

अक्षरा ने 2015 में हिंदी टेलीविजन में 'काला टीका'' और 'सर्विस वाली बहू' से शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने ऐतिहासिक धारावाहिकों 'सूर्यपुत्र कर्ण' में गांधारी और 'पोरस' में महारानी कादिका की भूमिका निभाई। उनके फिल्मी सफर में 'सौगंध गंगा मईया की', 'दिलेर', 'साथिया', 'धड़कन', 'सरकार राज', 'लव मैरिज', और 2025 में 'रूद्र-शक्ति' जैसी फिल्में शामिल हैं। वह 'बिग बॉस ओटीटी' की कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं।

बेटे को गले लगाकर मुस्कुराते नजर आए अल्लू अर्जुन, इंस्टाग्राम पर शेयर की क्यूट तस्वीर

नई दिल्ली । दक्षिण भारत के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपने बेटे अयान के जन्मदिन पर एक बेहद प्यारा पोस्ट शेयर की, जिसने फैंस का दिल जीत लिया।

अल्लू अर्जुन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह मारून कलर का पारंपरिक कुर्ता पहने हुए नजर आ रहे है। वह अपने बेटे को गले लगाकर मुस्कुरा रहे हैं, और उनके चेहरे पर पिता का गर्व साफ झलक रहा है। वहीं अयान भी पारंपरिक आउटफिट में नजर आ रहे है और क्यूट पोज दे रहे है।

पोस्ट के कैप्शन में अल्लू अर्जुन ने लिखा, 'मेरी जिंदगी के प्यार को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। हैप्पी बर्थडे... मेरे चिन्नी बाबू।'

फैंस ने अल्लू अर्जुन के इस पोस्ट पर जमकर प्यार बरसाया और कमेंट्स में बेटे और पिता की जोड़ी की खूब तारीफ की।

अल्लू अयान, अल्लू अर्जुन और उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी के बड़े बेटे हैं। उनका जन्म 3 अप्रैल 2014 को हुआ था और इस साल वह 12वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। अयान अक्सर अपने पिता के सोशल मीडिया पोस्ट में नजर आते रहते हैं । उनकी मासूमियत और प्यारे अंदाज ने सोशल मीडिया पर उनकी लोकप्रियता को बढ़ा दिया है।

अल्लू अर्जुन और स्नेहा रेड्डी की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों की पहली मुलाकात एक दोस्त की शादी में हुई थी, जहां पहली ही नजर में अल्लू अर्जुन स्नेहा को दिल दे बैठे थे। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे से बातचीत शुरू की और नंबर एक्सचेंज किए, जिसके बाद उनका रिश्ता धीरे-धीरे दोस्ती से आगे बढ़कर प्यार में बदल गया। उस समय स्नेहा अपनी पढ़ाई पूरी करके अमेरिका से लौटी थीं, जबकि अल्लू अर्जुन तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुके थे।

हालांकि, उनकी प्रेम कहानी में मुश्किलें भी कम नहीं थीं। जब शादी की बात आई, तो स्नेहा के पिता ने इस रिश्ते को मंजूरी देने से इनकार कर दिया, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी किसी अभिनेता से शादी करे। इसके बावजूद, अल्लू अर्जुन ने हार नहीं मानी और अपने रिश्ते के लिए डटे रहे। उनके परिवार और दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी ने भी स्नेहा के परिवार को मनाने में अहम भूमिका निभाई। काफी प्रयास के बाद आखिरकार दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए राजी हो गए।

इसके बाद 6 मार्च 2011 को अल्लू अर्जुन और स्नेहा रेड्डी ने शादी कर ली। आज यह जोड़ी दो बच्चों बेटा अल्लू अयान और बेटी अल्लू अरहा के माता-पिता है।

मां बबिता को याद कर करिश्मा कपूर के छलके आंसू, बोलीं- 'मैं जो भी हूं, उनकी वजह से हूं'

मुंबई। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में लगातार कई हिट फिल्में दीं और खुद को टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल किया। कपूर खानदान से होने के बावजूद उनका सफर आसान नहीं था, उनके सामने इंडस्ट्री की चुनौतियां थीं। लेकिन मां के साथ की वजह से वह हर चुनौती को पार कर गई, और आज वह अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपनी मां बबीता को देती हैं।

उन्होंने खुलकर बताया कि कैसे उनकी मां ने हर मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया और उन्हें मजबूत बनाया। करिश्मा कपूर हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के एक खास एपिसोड में नजर आईं। इस दौरान शो के होस्ट आदित्य नारायण ने उनकी मां बबिता का जिक्र करते हुए कहा कि करिश्मा के करियर में उनका काफी सपोर्ट रहा है। उनकी मां ही असली सुपरस्टार हैं। यह सुनकर करिश्मा इमोशनल हो गई।

भावुक होते हुए करिश्मा ने कहा, ' 'मेरी मां मेरे लिए भगवान जैसी हैं। मैं जो भी हूं, मां की वजह से हूं। यूं तो परिवार के सभी लोगों ने मेरा साथ दिया, लेकिन मेरी मां ने मुझे जो आत्मविश्वास और संस्कार दिए, वही मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत बने। आज मैं जो कुछ भी हूं, उसका पूरा श्रेय मैं अपनी मां को देती हूं।

करिश्मा कपूर ने इस दौरान अपनी मां के फिल्मी करियर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया, ' 'मां ने हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय के लिए काम किया, लेकिन उस छोटे से करियर में भी उन्होंने कई सफल फिल्में दीं। यह उनकी प्रतिभा और मेहनत का सबूत है कि कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली थी।

उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उस दौर के बड़े और दिग्गज कलाकारों जैसे राजेश खन्ना, जितेंद्र, मनोज कुमार और धर्मेंद्र के साथ काम किया। इसके अलावा, उन्होंने कपूर परिवार के मशहूर अभिनेताओं शम्मी कपूर और शशि कपूर के साथ भी स्क्रीन शेयर की। हालांकि, उस समय कपूर परिवार में एक परंपरा थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दवाइयों पर शुल्क लगाने के मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत से किया इनकार

कैनबरा । ऑस्ट्रेलियाई सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के दबाव के बावजूद दवाओं के लिए अपनी सब्सिडी योजना में कोई बदलाव नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने शुक्रवार को सरकार का पक्ष रखा।

बटलर ने सेवन नेटवर्क को बताया कि ऑस्ट्रेलिया अमेरिकी प्रशासन के साथ फार्मास्युटिकल बेनेफिट्स स्कीम (पीबीएस) के 'मूलभूत सिद्धांतों' पर कोई बातचीत नहीं करेगा। इस योजना के तहत केंद्रीय सरकार प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतों में सब्सिडी देती है। बटलर ने कहा, 'हम अमेरिका को यह सबसे स्पष्ट संदेश लगातार भेज रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि वहां बड़ी दवा कंपनियां अपने दबाव में हमारे पीबीएस और दुनिया के अन्य देशों की समान योजनाओं को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। हम इन मूलभूत सिद्धांतों पर बातचीत नहीं कर रहे हैं। बटलर यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कुछ पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद दे रहे थे।

मार्च के अंत में ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापारिक शिकायतों की अद्यतन सूची में अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि पीबीएस अमेरिकी नवाचार का मूल्य कम करके दिखाता है और अनुचित दवा मूल्य निर्धारण प्रथाओं के माध्यम से अमेरिकी उद्योग को प्रभावित करता है।

भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 54.91 अरब डॉलर पहुंचा, टॉप घाटे वाले देशों की सूची में शामिल

वाशिंगटन । सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 12 महीनों में अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में 54.91 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। इस बड़े घाटे की वजह से भारत अब उन देशों में शामिल हो गया है जिनसे अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापारिक घाटा (नुकसान) होता है। वहीं, फरवरी के महीने में दुनिया भर के दूसरे देशों के साथ भी अमेरिका का कुल व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ा है।

महीने के आंकड़ों से पता चला कि फरवरी में अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़कर 57.35 बिलियन डॉलर हो गया, जो जनवरी से 2.67 बिलियन डॉलर ज्यादा है, हालांकि यह अभी भी 12 महीने के एवरेज से 11 फसदी कम है।

यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा तेजी से बढ़ा। महीने के दौरान कुल एक्सपोर्ट 314.8 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इम्पोर्ट 372.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

वस्तु व्यापार में अमेरिका को 84.60 अरब डॉलर का घाटा हुआ, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में 27.26 अरब डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया। जनवरी की तुलना में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ा, जबकि सेवाओं का अधिशेष घट गया।

भारत अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में बना रहा। केवल फरवरी में ही अमेरिका ने भारत के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार घाटा दर्ज किया। फरवरी 2026 तक 12 महीने के समय में, भारत का अमेरिका के कुल सामान व्यापार घाटा में लगभग 5.01 फीसदी हिस्सा था, जो दोनों देशों के बीच लगातार ट्रेड फ्लो को दिखाता है।

भारत अमेरिकी इंपोर्ट के बड़े सोर्स में भी शामिल था। इसी समय में भारत से कुल 101.97 बिलियन डॉलर का सामान इंपोर्ट हुआ, जो अमेरिकी मार्केट में फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग गुड्स और दूसरे प्रोडक्ट्स की सप्लाई में इसकी भूमिका को दिखाता है।

वहीं, भारत से इंपोर्ट से अमेरिकी कस्टम ड्यूटी में 12.34 बिलियन डॉलर आए, जिसका एवरेज टैरिफ दर 12.12 फीसदी था। अमेरिका के समग्र व्यापार परिदृश्य में मेक्सिको, वियतनाम और चीन के साथ बड़े असंतुलन देखने के लिए मिले, जो वस्तु व्यापार घाटे में सबसे अधिक योगदान देने वाले देश बने रहे।

फरवरी में एक्सपोर्ट बढ़ा, क्योंकि इंडस्ट्रियल सप्लाई और मटीरियल की शिपमेंट ज्यादा हुई, जिसमें नॉन-मॉनेटरी सोना और नैचुरल गैस शामिल हैं। सर्विसेज एक्सपोर्ट भी थोड़ा बढ़ा।

हालांकि, कैपिटल गुड्स, कंप्यूटर, सेमीकंडक्टर, क्रूड ऑयल और फार्मास्यूटिकल तैयारियों की डिमांड की वजह से इंपोर्ट ज्यादा तेजी से बढ़ा।

पिछले साल ट्रेड किए गए सामानों में, सिविलियन एयरक्राफ्ट, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट और नॉन-मॉनेटरी सोना अमेरिका के मुख्य एक्सपोर्ट थे। इंपोर्ट की बात करें तो, फार्मास्यूटिकल्स, कंप्यूटर और पैसेंजर गाड़ियों का दबदबा रहा।

महीने में बढ़ोतरी के बावजूद, लंबे समय के ट्रेंड से व्यापार असंतुलन में कुछ कमी दिख रही है। साल-दर-साल के डेटा से पता चला है कि पिछले साल इसी समय की तुलना में घाटा कम हुआ है, जिसमें एक्सपोर्ट बढ़ा है और इंपोर्ट सालाना आधार पर घटा है।

फरवरी में, अमेरिका ने इंपोर्ट ड्यूटी के तौर पर 21.24 बिलियन डॉलर इकट्ठा किए, जो 12 महीने के एवरेज से लगभग 13 फीसदी कम है।

पाकिस्तान के खैबर पखतूनख्वा में पुलिस स्टेशन पर आत्मघाती हमला, पांच की मौत

नई दिल्ली। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में एक आत्मघाती हमले की घटना सामने आई है। शुक्रवार को बन्नू के डोमेल पुलिस स्टेशन पर एक सुसाइड कार बम धमाका हुआ। इस धमाके में हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक पुलिसवाले समेत 13 लोग घायल हो गए। डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑफिसर बख्तुल्लाह वजीर ने इसकी पुष्टि की।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में एक ही परिवार के पति, पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। धमाका तब हुआ, जब विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी पुलिस स्टेशन के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ और फिर गोलीबारी शुरू हो गई।

शुरुआती रिपोर्ट में पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज मीलों दूर तक सुनी गई। धमाके में पुलिस स्टेशन की संतरी पोस्ट पूरी तरह से तबाह हो गई, जबकि बिल्डिंग का एक बड़ा हिस्सा मलबे में बदल गया।

धमाके से आसपास के रिहायशी इलाकों को भी बहुत नुकसान हुआ, कई घर गिर गए और कई लोग मलबे में फंस गए। रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑफिसर बख्तुल्लाह वजीर ने कहा कि धमाके के बाद सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जब तक इलाका पूरी तरह से साफ नहीं हो जाता, तब तक ऑपरेशन जारी रहेगा।

अमेरिकी लॉमेकर्स ने ताइवान केबल्स को सुरक्षित करने के लिए पेश किया बिल

वाशिंगटन,। चीन लंबे समय से ताइवान पर कड़ी नजर रखे हुए है। इसी बीच, अमेरिकी सीनेटरों के एक द्विदलीय समूह ने चीन से बढ़ते खतरे का हवाला देते हुए ताइवान के समुद्र के नीचे बिछे केबल और अहम बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए एक विधेयक लाने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक संचार और आर्थिक स्थिरता पर संभावित असर को लेकर चेतावनी भी दी।

प्रस्तावित क्रिटिकल अंडरसी इंफ्रास्ट्रक्चर रेजिलिएंस इनिशिएटिव एक्ट का मकसद ताइवान को दुनिया से जोड़ने वाले जरूरी नेटवर्क की सुरक्षा के लिए मॉनिटरिंग, रिस्पॉन्स और इंटरनेशनल कोऑर्डिनेशन को मजबूत करना है।

यह बिल हाउस में रिप्रेजेंटेटिव माइक लॉलर, डेव मिन और ग्रेग स्टैंटन ने पेश किया। इसके अलावा सीनेट में सीनेटर जॉन कर्टिस और जैकी रोसेन ने भी इसे पेश किया। सीनेट में इसे पहले ही महत्वपूर्ण फॉरेन रिलेशंस कमेटी की समीक्षा प्रक्रिया से मंजूरी हासिल कर चुका है।

सीनेटरों ने कहा कि यह कानून रियल टाइम में रुकावट या तोड़फोड़ का पता लगाने के लिए एडवांस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने पर केंद्रित है। इसके साथ ही यह ग्लोबल इंटेलिजेंस-शेयरिंग नेटवर्क के जरिए शुरुआती चेतावनी को बेहतर बनाता है। इसमें खराब इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने और डाउनटाइम कम करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल भी बताए गए हैं।

प्रतिनिधि लॉलर ने कहा, 'समुद्र के नीचे का इंफ्रास्ट्रक्चर ग्लोबल कम्युनिकेशन और आर्थिक स्थिरता की रीढ़ है। जैसे-जैसे पीआरसी से खतरे बढ़ रहे हैं, अमेरिका को यह सुनिश्चित करने में आगे रहना चाहिए कि ये सिस्टम सुरक्षित, लचीले और सिक्योर रहें।

उन्होंने आगे कहा कि यह बिल तोड़फोड़ को रोकने, रुकावटों पर तेजी से जवाब देने और हिंद-प्रशांत में ताइवान और हमारे सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़े रहने में मदद करेगा।

इस कदम में, दूसरी बातों के अलावा, ताइवान के आसपास समुद्री इलाके में जागरूकता बढ़ाने की बात कही गई है, जिसमें ताइवान स्ट्रेट और आस-पास के पानी में अमेरिकी कोस्ट गार्ड के साथ मिलकर गश्त और निगरानी की कोशिशें शामिल हैं। इसका मकसद इलाके की मजबूती के लिए सहयोगी देशों के साथ तालमेल बढ़ाना है। एक विशेष प्रावधान के तहत एक क्रॉस-स्ट्रेट कंटिंजेंसी योजना समूह बनाया जाएगा, जो परिदृश्य-आधारित अभ्यास करेगा।

होर्मुज खोलने के लिए यूएन में बहरीन के प्रस्ताव पर रूस ने लगाया वीटो, क्या होगा अमेरिका का अगला कदम?

नई दिल्ली । होर्मुज स्ट्रेट को लेकर रूस का रुख हमेशा से ही ईरान के समर्थन में रहा है। खासतौर से रूस इस मामले में अमेरिका के हस्तक्षेप के खिलाफ रहा है। होर्मुज के बंद रहने से कई देशों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच बहरीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसके तहत देशों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित आवागमन करने के लिए सभी जरूरी बचाव के तरीके इस्तेमाल करने का अधिकार होगा।

हालांकि, रूस ने इस प्रस्ताव को पहले ही वीटो कर दिया है। इन सबके बीच सवाल ये उठता है कि यूएन में इस प्रस्ताव को पास ना किए जाने के बाद क्या अमेरिका होर्मुज में अपनी ताकत का इस्तेमाल करेगा?

संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के बिना, अमेरिका के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करना अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत चुनौतीपूर्ण होगा। रूस और चीन पहले ही अपना पक्ष स्पष्ट कर चुके हैं कि वे किसी भी एकतरफा सैन्य हस्तक्षेप को अवैध मानेंगे। हालांकि, अमेरिका ऐतिहासिक रूप से 'नेविगेशन की स्वतंत्रता' के नाम पर

अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अपने हितों की रक्षा के लिए अकेले कदम उठाता रहा है।

बहरीन के प्रस्ताव पर यूएन में रूस के वीटो के बाद अमेरिका संभवत: अपने सहयोगी देशों को होर्मुज स्ट्रेट में सैनिकों की तैनाती और कार्रवाई के लिए मना सकता है। हालांकि, फ्रांस और ब्रिटेन समेत कई देशों ने शुरुआत से ही होर्मुज स्ट्रेट में अपने युद्धपोत भेजने या किसी भी तरह से अपनी ताकत को इस संघर्ष में झोकने से इनकार कर दिया है।

फ्रांस का कहना है कि यह युद्ध अमेरिका ने शुरू किया है, इसलिए उसे खुद इस मामले से उलझना चाहिए। अमेरिका के लिए इस वक्त स्थिति काफी गंभीर बने हुए हैं। एक तरफ तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से यूएस पर वैश्विक दबाव बन रहा है। दूसरी तरफ ट्रंप सरकार के लिए पीछे हटना इस संघर्ष में हार मानने जैसा है।

अमेरिका तमाम रोकथाम के बावजूद भी ईरान के खिलाफ हमले जारी रखे हुए है। अमेरिका में किसी भी देश पर हमला करने से पहले कांग्रेस में इसपर चर्चा की जाती है और उसपर सहमति बनने के बाद ही अमेरिकी किसी देश पर हमला कर सकता है।

अमेरिकी कांग्रेस में ये आरोप लगाए गए कि ट्रंप सरकार ने ईरान पर हमला करने से पहले सीनेट में इस बात को नहीं रखा। ट्रंप सरकार ने अब तक कानून की अनदेखी करते हुए अब तक वहीं किया,जो उन्हें करना था। ऐसे में बहरीन के प्रस्ताव पर सहमति ना बनने के बाद भी अगर यूएस होर्मुज में सैनिक भेजता है, तो यह सीधे तौर पर यूएन की प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लगा देगा। यूएन चार्टर के हिसाब से अगर अमेरिका सैनिक भेजता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा।

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच ईरान की स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमले को लेकर डब्ल्यूएचओ ने जताई चिंता

नई दिल्ली। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के हमले को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चिंता जाहिर की है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तेहरान में स्वास्थ्य केंद्रों को निशाना बनाए जाने की खबरों पर निराशा जाहिर किया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने डब्ल्यूएचओ महानिदेशक के बयान को रिशेयर किया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने एक्स पर लिखा, 'मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच हाल के दिनों में ईरान की राजधानी तेहरान में स्वास्थ्य केंद्रों पर कई हमलों की खबरें आई हैं। ईरान में पाश्चर इंस्टीट्यूट को काफी नुकसान हुआ और वह स्वास्थ्य सेवाएं देना जारी नहीं रख सका। यह संस्था 1920 में बना था और मेडिकल रिसर्च के कई क्षेत्र में एक सदी से भी ज्यादा समय से काम कर रहा है। यह इमरजेंसी में भी लोगों के स्वास्थ्य को बचाने और बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता है।

उन्होंने आगे कहा कि इसके दो विभाग डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर काम करने वाले सेंटर के तौर पर सक्रिय रहे हैं। इसके अलावा, 29 मार्च को हड़ताल की वजह से डेलाराम सिना साइकियाट्रिक हॉस्पिटल को काफी नुकसान हुआ और 31 मार्च को एक और हमले में टोफिघ दारू फार्मास्युटिकल फैसिलिटी, जो कैंसर और मल्टीपल स्केलेरोसिस के इलाज के लिए दवाएं बनाती थी, को नुकसान पहुंचा। इन घटनाओं में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

डब्ल्यूएचओ ने 1 मार्च से लेकर अब तक ईरान की स्वास्थ्य सुविधाओं पर 20 से ज्यादा हमलों की पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन हमलों में कम से कम नौ मौत की पुष्टि की है, जिसमें एक संक्रमण वाली बीमारी के स्वास्थ्यकर्मी और ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के एक सदस्य की मौत भी शामिल है।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं पर तेहरान के बाहर भी हमले दर्ज किए गए हैं। इन हमलों में 21 मार्च को खुजेस्तान प्रांत के अंदिमेशक में इमाम अली हॉस्पिटल के पास एक धमाका भी शामिल है। धमाके की वजह से जगह को खाली कराकर सेवाएं बंद करनी पड़ीं।

अमेरिकी सीनेटरों ने चीन की चिप टूल एक्सेस पर रोक के लिए पेश किया एमएटीसीएच एक्ट

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन और अन्य प्रतिद्वंद्वियों को महत्वपूर्ण चिप निर्माण तकनीक तक पहुंचने से रोकने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस में अमेरिकी सीनेटरों ने उन्नत सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरणों पर निर्यात नियंत्रण कड़ा करने के लिए विधेयक पेश किया।

प्रस्तावित मल्टीलेटरल अलाइनमेंट ऑफ टेक्नोलॉजी कंट्रोल्स ऑन हार्डवेयर (एमएटीसीएच) अधिनियम का उद्देश्य मौजूदा नियंत्रणों की कमियों को दूर करना और अमेरिका की तकनीकी बढ़त और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सहयोगी देशों के साथ नीतियों में समन्वय स्थापित करना है। प्रतिनिधि जॉन डब्ल्यू. मैनियन ने

कहा, 'अमेरिकी श्रमिकों, नवाचार और प्रतिभा ने दुनिया की सबसे एडवांस्ड सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री बनाई है। अमेरिका ग्लोबल मेमोरी चिप मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च की अगली पीढ़ी का नेतृत्व करने के लिए तैयार है, मैं उस भविष्य की रक्षा करने जा रहा हूं और यह सुनिश्चित करूंगा कि हम आगे रहें।

उन्होंने आगे कहा कि यह बिल 'उन टूल्स, तकनीक, नौकरियों और जानकारी की सुरक्षा करता है जो अमेरिका को चीन से आगे रखेंगे और 21वीं सदी की उन तकनीक में सबसे आगे रहेंगे, जिन पर दुनिया निर्भर है। यह कानून केंद्र सरकार को सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन में खास 'चोकपॉइंट्स (समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख संकरे मार्ग)' की पहचान करने और सहयोगी देशों के साथ मिलकर एक जैसे एक्सपोर्ट कंट्रोल लगाने का निर्देश देता है। इसमें यह भी प्रस्ताव है कि अगर साझेदार देश अमेरिका की पाबंदियों का पालन नहीं करते हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही एक और बिल है, जो सीनेटर पीट रिकेट्स और एंडी किम एक साथ ला रहे हैं। इसे सीनेटर जिम रिश और चक शूमर का समर्थन मिला है। सीनेटरों ने कहा कि मौजूदा एक्सपोर्ट कंट्रोल अभी भी बिखरे हुए हैं और अक्सर बिचौलियों के जरिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है।

सीनेटर रिकेट्स ने कहा, 'सेमीकंडक्टर को डिजाइन करने और बनाने की क्षमता कम्युनिस्ट चीन के साथ टेक्नोलॉजी कॉम्पिटिशन के केंद्र में है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम 'इकाई-आधारित प्रतिबंधों का ऐसा ढांचा हैं, जिसे चीन आसानी से फ्रंट कंपनियों के जरिए दरकिनार कर देता है। यह बिल हमारे कंट्रोल को मजबूत करेगा और अमेरिकी कंपनियों के लिए बराबरी का मौका बनाएगा।

सीनेटर एंडी किम ने कहा कि इस कोशिश का मकसद सबसे एडवांस्ड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इक्विपमेंट को चीन और दूसरे दुश्मनों के हाथों से दूर रखना है।

बलूचिस्तान में बारिश और अचानक आई बाढ़ ने बरसाया कहर, अब तक सात की मौत, चार अन्य घायल

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बारिश और अचानक आई बाढ़ से बहुत ज्यादा तबाही हुई। इसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, बारिश और अचानक आई बाढ़ से सैकड़ों घर, मवेशी और फसलें को काफी नुकसान पहुंचा है।

बाढ़ की वजह से बलूचिस्तान में कच्छी, नसीराबाद, झाल मग्सी, डेरा बुगती, सिबी, हरनाई, कोहलू, तुर्बत, जाफराबाद, लोरलाई और बोलन जैसे जिले बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोविंशियल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (पीडीएमए) के मुताबिक, 100 से ज्यादा घर तबाह हो गए और 50 से ज्यादा मवेशी मारे गए। इसके अलावा, लगभग 400 एकड़ खेती की जमीन डूब गई। हरनाई और किला अब्दुल्ला में लगभग 100 घर क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि झाल मग्सी में बाढ़ के पानी ने

गंडावाह-नोटल रोड को ब्लॉक कर दिया।

लोरलाई और कच्छी में बिजली गिरने से दो लोगों की, कोहलू में छत गिरने से एक व्यक्ति की और लोरलाई में दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही जाफराबाद में एक बच्चा डूब गया और केच में दो लोग बह गए। भारी बारिश की वजह से बड़ी सड़कें खराब हो गईं। हरनाई-क्वेटा और क्वेटा-संजावी नेशनल हाईवे के कुछ हिस्से बह गए और भारी बारिश की वजह से कई सड़कों पर असर पड़ा। हरनाई और चमन में नदियों में अचानक बाढ़ आ गई। पीडीएमए के मुताबिक इमरजेंसी टीमें जिला प्रशासन के साथ मिलकर बचाव और राहत का काम कर रही हैं।

किला अब्दुल्ला में 15 महिलाओं और बच्चों को ले जा रही एक मिनी-कोच बाढ़ के पानी में फंस गई थी। हालांकि, पीडीएमए की मदद से डिप्टी कमिश्नर की देखरेख में सभी को बचा लिया गया। कच्छी के गोथ ताज हबीब और गोथ बलूचनी में बचाव का काम जारी है। यहां बांध पर मरम्मत का काम चल रहा है। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के अनुसार, हजारों जानवर मारे गए और सरसों, गेहूं और चने जैसी फसलें बर्बाद हो गईं। बोलान, यारोकाजोई, नोटल, गंडावा और झाल मग्सी को जोड़ने वाली सड़कें कट गई हैं, जिससे लोग अलग-थलग पड़ गए हैं और सिंध और बलूचिस्तान के बीच ट्रैफिक रुक गया है।30 मार्च को, पीडीएमए ने कहा कि 25 मार्च से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कई इलाकों में भारी बारिश की वजह से छत और दीवार गिरने से कम से कम 17 लोग मारे गए।

रूस के पहले डिप्टी पीएम डेनिस मंटुरोव का दो दिवसीय भारत दौरा, पश्चिम एशिया समेत अन्य मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली। रूस के पहले उपप्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे हुए हैं। डिप्टी पीएम मंटुरोव का ये दौरा 2 और 3 अप्रैल 2026 तक है, जहां उन्होंने भारत के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने पश्चिम एशिया, समेत अन्य क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की।

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, रूस के पहले डिप्टी पीएम मंटुरोव ने 3 अप्रैल को भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक की। डिप्टी पीएम व्यापार, अर्थव्यवस्था, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग (आईआरआईजीसी–टीईसी) पर भारत–रूस इंटर–गवर्नमेंटल कमीशन के सहअध्यक्ष भी हैं। दोनों पक्षों ने व्यापार, उद्योग, ऊर्जा, फर्टिलाइजर, कनेक्टिविटी और मोबिलिटी के अलावा तकनीक, नवाचार और जरूरी मिनरल्स में नए मौकों पर बड़े पैमाने पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने पिछले साल दिसंबर में हुए 23वें भारत–रूस वार्षिक समिट के अलग–अलग नतीजों को लागू करने के विकास की भी समीक्षा की। इसके अलावा, सहअध्यक्ष मंटुरोव ने पश्चिम एशिया में संघर्ष समेत क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी अपने विचार साझा किए।

पहले डिप्टी पीएम मंटुरोव ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ भी मुलाकात की।

डिप्टी पीएम के साथ मुलाकात के बाद विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'गुरुवार को नई दिल्ली में रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव की मेजबानी करके मुझे प्रसन्नता हुई। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग पर गहन चर्चा की, जिसमें व्यापार, उद्योग, ऊर्जा, उर्वरक, कनेक्टिविटी और मोबिलिटी पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही, प्रौद्योगिकी, नवाचार और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में मौजूद नए अवसरों पर भी बात हुई। हमने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया, जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष भी शामिल है।

इससे पहले रूसी संघ के पहले उप–प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत–रूस संबंधों की प्रगति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्होंने आपसी सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी।

गौतम अदाणी ने सराहा सीएम योगी का 'विकसित यूपी' रोडमैप, बोले- हमें तरक्की में योगदान देने पर गर्व

नई दिल्ली। देश के प्रमुख उद्योगपति और अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकसित उत्तर प्रदेश रोडमैप की सराहना की है। उन्होंने कहा कि कुछ विचार ऐसे होते हैं जो पूरे राष्ट्र की दिशा बदल देते हैं और उत्तर प्रदेश के लिए प्रस्तुत यह विजन भी उसी तरह का है। गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 'कुछ बड़े विजन ऐसे होते हैं जो पूरे देश की तस्वीर बदल देते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'विकसित उत्तर प्रदेश' के रोडमैप पर बात करते हुए सुनना एक ऐसा अनुभव था जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वर्ष 2030 तक उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना और वर्ष 2047 तक इसे 6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। यह केवल एक लक्ष्य नहीं बल्कि यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश में कितनी अपार संभावनाएं मौजूद हैं। अदाणी समूह ने इस परिवर्तनकारी यात्रा में अपनी सक्रिय भागीदारी का भी भरोसा दिलाया है। गौतम अदाणी ने पोस्ट के साथ एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी उत्तर प्रदेश में बिजली, रक्षा, हवाई अड्डों, लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक पार्क और डाटा सेंटर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश कर रही है।

संक्षिप्त खबर

सरकार ने फ्लाइट में 60 प्रतिशत मुफ्त सीट चयन अनिवार्य करने वाले आदेश को किया स्थगित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फ्लाइट में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के देने के अपने पहले के आदेश को फिलहाल स्थगित कर दिया है, जो 20 अप्रैल से लागू होने वाला था।

नागर विमानन मंत्रालय ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भेजे गए एक पत्र में कहा कि इस फैसले की समीक्षा की गई है। यह समीक्षा फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस और अकासा एयर द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद की गई, जिसमें इस नियम के ऑपरेशनल और कमर्शियल असर को लेकर सवाल उठाए गए थे।

एयरलाइंस ने कहा था कि यह नियम किराया ढांचे को प्रभावित कर सकता है और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ सिस्टम के अनुरूप नहीं है।

सरकार ने कहा कि इन सभी पहलुओं को देखते हुए और मामले की विस्तृत समीक्षा होने तक 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने का प्रावधान फिलहाल अगले आदेश तक लागू नहीं किया जाएगा। वर्तमान में, फ्लाइट की 20 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए यात्रियों को शुल्क देना पड़ता है। एयरलाइंस आमतौर पर सीट चयन के लिए 200 रुपए से लेकर 2,100 रुपए तक चार्ज करती हैं, जो सीट की लोकेशन और अतिरिक्त लेगरूम जैसी सुविधाओं पर निर्भर करता है। 18 मार्च को नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी मूल निर्देश का उद्देश्य यात्रियों की बढ़ती शिकायतों को दूर करना था, खासकर सीट चयन जैसे सेवाओं पर ज्यादा शुल्क को लेकर।

मंत्रालय ने डीजीसीए के जरिए नए दिशा–निर्देश जारी किए थे, जिसमें एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को एक साथ बैठाने (अधिमानत: अगल–बगल की सीटों पर बैठाना) जैसे यात्री हित से जुड़े प्रावधान शामिल थे।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है और भारतीय हवाई अड्डों पर रोजाना 5 लाख से ज्यादा यात्री यात्रा करते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि वह यात्रियों की सुविधा, पारदर्शिता और विमानन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

आम आदमी पार्टी अब 'आम लोगों की पार्टी' नहीं रह गई : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) और उसके नेतृत्व पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने निशाना साधा। भाजपा सांसद प्रवीण ने राज्यसभा में उपनेता पद से राघव चड्ढा को हटाए जाने को लेकर कहा कि यह साफ संकेत है कि आम आदमी पार्टी अब 'आम लोगों की पार्टी' नहीं रह गई है, बल्कि एक व्यक्ति की पार्टी बनकर रह गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में वही लोग टिक पाते हैं, जो अरविंद केजरीवाल की चापलूसी करते हैं। जिन मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी का गठन हुआ था, आज वे पूरी तरह गायब हो चुके हैं। सत्ता के लालच में केजरीवाल उन सभी मूल मुद्दों को भूल चुके हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि केजरीवाल अहंकार और घमंड से भरे हुए व्यक्ति हैं और केवल वही लोग उनके साथ रह सकते हैं, जो उनके इस रवैये को सहन करते हैं। उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा ऐसे पहले नेता नहीं हैं, जिन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया गया हो बल्कि इससे पहले भी कई नेताओं के साथ ऐसा हो चुका है।

वहीं, पश्चिम बंगाल की स्थिति पर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी से साफ होता है कि राज्य के हालात ठीक नहीं हैं। ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी काम के लिए गए अधिकारियों को भी सुरक्षा नहीं मिल पा रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में राज्य में कुशासन ही देखने को मिला है।

महाराष्ट्र में 13 वर्षीय छात्रा से रेप मामले में मुख्याध्यापक को उम्रकैद व वर्गशिक्षक को एक वर्ष की कैद

नासिक। नासिक जिले के इगतपुरी तालुका में स्थित टाकेद बुद्रुक में 13 वर्षीय नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में जिला न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में आरोपी मुख्याध्यापक और वर्गशिक्षक को सलाखों के पीछे भेजते हुए जुर्माना भी लगाया है।

मामला 7 फरवरी 2025 का है जब टाकेद बुद्रुक में स्थित स्कूल के मुख्याध्यापक ने ही वर्गशिक्षक की मदद से 13 वर्ष की नाबालिग से दुष्कर्म किया था। घोटी पुलिस ने इस मामले में मुख्याध्यापक और वर्गशिक्षक को गिरफ्तार किया था।

भारतीय न्याय संहिता और बाल संरक्षण व अत्याचार प्रतिबंधक कानून के तहत दर्ज मामले में अब जिला न्यायालय के अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश पीवी घुले ने फैसला सुनाया है। स्कूल के मुख्याध्यापक तुकाराम गोविंद साबले (53) और वर्गशिक्षक गोरखनाथ मारुती जोशी (43) को दोषी ठहराया गया है न्यायालय ने आरोपी मुख्याध्यापक तुकाराम गोविंद साबले को दोषी ठहराकर आजीवन कारावास और 2 लाख रुपये दंड (दंड न भरने पर 1 वर्ष की साधी कैद), पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 में 7 वर्ष का सख्त कारावास और 25 हजार रुपये दंड, पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 में 5 वर्ष सख्त कारावास और 25 हजार रुपए दंड की सजा सुनाई है।

वहीं, शिक्षक गोरखनाथ मारुती जोशी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 21 में दोषी ठहराकर 6 महीने कारावास और 68 हजार रुपये दंड (दंड न भरने पर 3 महीने सख्त कैद) की सजा सुनाई गई है।

गौरतलब है कि 7 फरवरी 2025 को आरोपी वर्गशिक्षक गोरखनाथ मारुती जोशी का गणित का क्लास चल रहा था। इस दौरान आरोपी मुख्याध्यापक तुकाराम गोविंद साबले का उन्हें फोन आया। तब आरोपी गोरखनाथ जोशी ने कुछ भी कहे बिना 13 वर्षीय पीड़िता को कहा कि तुम्हारी दादी साबले सर के घर आई है। तुम्हें साबले सर ने उनके घर बुलाया है। तुकाराम साबले स्कूल परिसर के बाहर रहते हैं, यह गोरखनाथ जोशी को पता था। फिर भी उन्होंने पीड़िता को अकेले तुकाराम साबले के घर भेज दिया।

पीड़िता तुकाराम साबले के घर गई, जहां उसने नाबालिग से दुष्कर्म किया। पीड़िता ने वापस स्कूल आकर घटना की जानकारी गोरखनाथ जोशी को दी, लेकिन उन्होंने पीड़िता के साथ हुए अत्याचार पर कोई एक्शन नहीं लिया। इस बारे में शिकायत दर्ज कराने में मदद भी नहीं की।

दिल्ली में रिश्वतखोरी पर बड़ी कार्रवाई, नगर निगम और पुरातत्व विभाग के चार कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली में रिश्वतखोरी के दो अलग–अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर निगम और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के चार कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है।

पहला मामला दिल्ली के शाहदरा उत्तरी क्षेत्र से जुड़ा है, जहां नगर निगम के एक बेलदार और एक जूनियर इंजीनियर पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसके मरम्मत किए गए मकान को न गिराने के बदले बेलदार ने उससे 80 हजार रुपए की मांग की थी। इस शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 31 मार्च 2026 को मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

जांच के दौरान 1 अप्रैल 2026 को एजेंसी ने जाल बिछाया। इस दौरान बेलदार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया, जब वह शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपए अपने लिए और जूनियर इंजीनियर के लिए 70 हजार रुपए मांग रहा था। मामला सामने आने के बाद जूनियर इंजीनियर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरा मामला नई दिल्ली स्थित जंतर मंतर क्षेत्र का है, जहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एक संरक्षण सहायक समेत दो लोगों पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे जारी किए गए एक नोटिस को रद्द करने और काम जारी रखने की अनुमति देने के बदले इन दोनों ने उससे 3 लाख 50 हजार रुपए की मांग की थी। बाद में बातचीत के बाद यह रकम 3 लाख 10 हजार रुपए पर तय हुई और शिकायतकर्ता से कहा गया कि वह एक लाख रुपए अग्रिम के रूप में दे।

इस शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 30 मार्च को मामला दर्ज किया। इसके बाद 1 अप्रैल को जाल बिछाकर एक आरोपी कर्मचारी को रंगेहाथों पकड़ लिया गया, जब वह एक लाख रुपए की रिश्वत ले रहा था। जांच के दौरान संरक्षण सहायक की संलिप्तता भी सामने आई, जिसके बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की आगे जांच जारी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। एजेंसी ने लोगों से अपील की है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनसे रिश्वत मांगता है, तो वे इसकी शिकायत जरूर करें, ताकि ऐसे मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की जा सके।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में तीन बंकर नष्ट, बड़ी मात्रा में हथियार व गोला–बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय कार्रवाई कर कई हथियार, गोला–बारूद और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद की। इसके साथ ही तीन बंकर भी नष्ट किए गए हैं।

सबसे पहले उपोकपी खुनौ मामंग लेइकाई और इसके आसपास के लोकटक लेक एरिया (बिष्णुपुर–पीएस, बिष्णुपुर जिले) से सुरक्षा बलों ने पिस्टल, तीन कारतूस, एक सिंगल बैरल गन, एक हैंड ग्रेनेड, पांच कार्ट्रिज और एक ब्लैंक राउंड बरामद किया।

इसी दिन, इम्फाल ईस्ट जिले के सागोलमांग–पीएस के सटांग हिल रेंज में सुरक्षा बलों ने तीन बंकरों को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई इलाके में सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से की गई। इसके अलावा, टेंग्नौपाल जिले के मोरेह पीएस के होमगार्ड वेंग एरिया से लगभग 3.5 किलोग्राम वजन वाली तीन पैकेट डब्ल्यूवाई टैबलेट्स भी जब्त की गई। चुराचंदपुर जिले के डम्पी रिज इलाके से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद बरामद किया। इनमें दो 12–बोर राइफल, दो फ्रंट–लोडेड सिंगल–बैरल राइफल, एक मॉडिफाइड एके–47, दो 9एमएम पिस्टल, तीन अलग–अलग हथियारों के मैगज़ीन, चार पंपी, 81 कारतूस, दो बुलेटप्रूफ जैकेट, दो वॉकी–टॉकी और 1 किलो पंपी एक्सप्लोसिव पेलेट्स शामिल हैं।

सुरक्षा बलों ने राज्य के हिल और वेली क्षेत्रों में लगातार खोज व क्षेत्रीय प्रभुत्व बनाए रखने के लिए ऑपरेशन जारी रखा है। इस दौरान एनएच–37 पर आवश्यक वस्तुओं से भरे 290 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा काफिला प्रदान किया गया।

राज्यभर में कुल 116 नाका/चेक पोस्ट लगाए गए, जिसमें हिल और वेली दोनों क्षेत्र शामिल थे। हालांकि, इन चेक पोस्टों के दौरान किसी भी वाहन या व्यक्ति को रोका नहीं गया।

इस तरह के उपायों से न केवल अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखा गया, बल्कि नागरिकों और आवश्यक वस्तुओं की सुरक्षित आवाजाही भी सुनिश्चित की गई।

आज का पंचांग : बैशाख कृष्ण की द्वितीया तिथि, नोट कर लें भद्रा व शुभ-अशुभ समय

नई दिल्ली। सनातन धर्म में पंचांग का बेहद महत्व है। इसके पांचों अंगों नक्षत्र, योग, करण, वार और पक्ष के आधार पर ही दिन की शुरुआत व शुभ–अशुभ समय का निर्धारण होता है। 4 अप्रैल को शनिवार, बैशाख मास कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि है। इस दिन कई महत्वपूर्ण योग और मुहूर्त बन रहे हैं। भद्रा का समय भी है, इसलिए कुछ शुभ कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए। शनिवार को सूर्योदय 6 बजकर 8 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 41 मिनट पर होगा। चंद्रोदय शाम 9 बजकर 1 मिनट पर होगा। कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक, इसके बाद कृष्ण तृतीया रहेगी। हालांकि, उदयातिथि के अनुसार पूरे दिन द्वितीया का ही मान होगा। स्वाती नक्षत्र शाम 9 बजकर 35 मिनट तक, इसके बाद विशाखा व हर्षण योग दोपहर 2 बजकर 17 मिनट तक और गर करण सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक रहेगा।

4 अप्रैल को भद्रा का समय होने के कारण कुछ शुभ कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए। अमृत काल और सर्वार्थ सिद्धि योग में कोई भी शुभ काम शुरू करना फलदायी रहेगा। राहुकाल में यात्रा या नया काम शुरू करने से बचें।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो 4 अप्रैल को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 36 मिनट से 5 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 59 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 20 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 39 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक रहेगा। वहीं, अमृत काल दोपहर 11 बजकर 59 मिनट से 1 बजकर 44 मिनट तक और सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 6 बजकर 8 मिनट से शाम 9 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। शनिवार को अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल सुबह 9 बजकर 16 मिनट से 10 बजकर 50 मिनट तक, यमगंड दोपहर 1 बजकर 58 मिनट से 3 बजकर 32 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 6 बजकर 8 मिनट से 7 बजकर 42 मिनट तक और दुर्मुहूर्त सुबह 6 बजकर 8 मिनट से 6 बजकर 58 मिनट तक रहेगा।

आर्टेमिस 2 में 'स्पेस प्लंबर' बनीं क्रिस्टीना कोच, जानें स्पेस में कैसे काम करता है टॉयलेट

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए मजेदार जानकारी दी। वीडियो में आर्टेमिस 2 मिशन की एस्ट्रोनॉट क्रिस्टीना हैमक कोच ने एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने खुद को 'स्पेस प्लंबर' कहकर पुकारा और बताया कि स्पेसक्राफ्ट के टॉयलेट में आई खराबी को उन्होंने ही ठीक किया।

नासा ने वीडियो में क्रिस्टीना को यह कहते हुए दिखाया कि 'मैं ही स्पेस प्लंबर हूं और मुझे इस पर गर्व है।

आर्टेमिस 2 मिशन में चार एस्ट्रोनॉट्स चांद की यात्रा पर गए हैं। इस दौरान स्पेसक्राफ्ट के टॉयलेट में थोड़ी समस्या आई। क्रिस्टीना ने बताया, 'शुरू में हमें लगा कि मोटर में कुछ फंस गया है, लेकिन बाद में पता चला कि यह 'प्राइमिंग' की छोटी-सी दिक्कत थी। अब सब ठीक है और हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

लंबे समय से सवाल रहा है कि अंतरिक्ष में टॉयलेट कैसे काम करता है? वैज्ञानिक बताते हैं कि पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण की वजह से कचरा नीचे गिर जाता है, लेकिन अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण न होने से यह संभव नहीं है। इसलिए स्पेस एजेंसी का यूनिवर्सल वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम (यूडब्ल्यूएमएस) हवा के बहाव का इस्तेमाल करता है। हवा का तेज प्रवाह पेशाब और मल को शरीर से दूर खींचकर सही जगह पर जमा कर देता है।

यूडब्ल्यूएमएस को आर्टेमिस के लिए और बेहतर बनाया गया है। इसमें ढक्कन उठाते ही हवा का बहाव अपने आप शुरू हो जाता है, जिससे बदबू नहीं फैलती। यह सिस्टम पहले तैयार टॉयलेट से 65 प्रतिशत

छोटा और 40 प्रतिशत हल्का है। आर्टेमिस 2 जैसे छोटे मिशनों में कचरे को केमिकल से ट्रीट नहीं किया जाता, बल्कि उसे बाद में ठिकाने लगाने के लिए जमा कर लिया जाता है।

टॉयलेट का डिजाइन महिला एस्ट्रोनॉट्स के सुझावों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें एक खास आकार का फनल और नली का इस्तेमाल पेशाब के लिए किया जाता है, जबकि मल त्याग के लिए सीट का इस्तेमाल होता है।

दोनों को एक साथ भी इस्तेमाल किया जा सकता है। सीट छोटी और नुकीली लगती है, लेकिन कम गुरुत्वाकर्षण में यह शरीर से पूरी तरह सटकर बैठती है, जिससे सब कुछ सही जगह पर जाता है।

नासा स्पेस स्टेशन पर पानी के लगभग 90 प्रतिशत लिक्विड को रीसायकल करता है, जिसमें यूरिन और पसीना भी शामिल है। यूडब्ल्यूएमएस इस रीसाइक्लिंग सिस्टम के साथ बेहतर तरीके से जुड़ता है, जिससे ज्यादा पानी दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

नई दिल्ली : आरएमएल अस्पताल की बड़ी सफलता, कार्डियक सर्जरी टीम ने सम्पन्न की जटिल सर्जरी

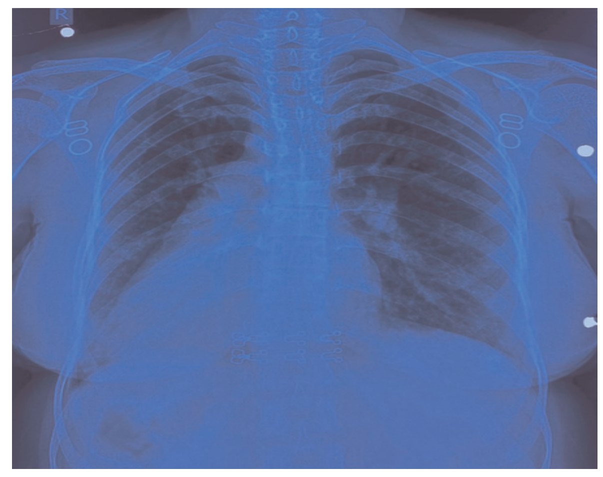

नई दिल्ली। एबीवीआईएमएस और डॉ. आरएमएल अस्पताल के निदेशक डॉ. अशोक कुमार ने कार्डियक सर्जरी टीम की उत्कृष्ट उपलब्धि की सराहना की है। इस टीम का नेतृत्व डॉ. नरेंद्र सिंह झाझरिया (निदेशक प्रोफेसर और एचओडी) कर रहे थे। इस टीम ने एक 31 वर्षीय महिला की जटिल कार्डियक रिपेयर सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

'साइटस इन्वर्सस' (अंगों की असामान्य स्थिति) जैसी चुनौतीपूर्ण चिकित्सीय स्थिति के बावजूद, डॉक्टरों ने एक बेहद छोटे और कॉस्मेटिक चीरे के माध्यम से इस सर्जरी को संपन्न कर आधुनिक चिकित्सा तकनीक का बेहतरीन उदाहरण पेश किया।

इस मरीज के सभी अंग सामान्य जगह के उलट यानी मिरर इमेज में थे। उसके दिल की जगह दाईं ओर थी, लिवर बाईं ओर, प्लीहा दाईं ओर और पेट भी दाईं ओर था। इसके साथ ही मरीज में जन्मजात आंशिक एट्रियोवेंट्रिकुलर कैनाल दोष जैसी जन्मजात हृदय रोग की समस्या भी थी।

सर्जरी के दौरान चिकित्सा टीम ने अत्यंत सावधानी बरतते हुए मरीज के हृदय दोष का सफल उपचार किया। मात्र 4 सेंटीमीटर के सूक्ष्म 'इन्फ्रामैमरी' चीरे के जरिए यह जटिल प्रक्रिया संपन्न की गई। ऑपरेशन के दौरान हृदय की कार्यप्रणाली को सुचारू रखने के लिए शरीर की बाहरी नसों की सहायता से 'कार्डियोपल्मोनरी बाईपास मशीन' का उपयोग किया गया। हृदय के दोष को ठीक करने के लिए मरीज की अपनी 'पेरिकार्डियम' (हृदय की सुरक्षा झिल्ली) से पैच तैयार किया गया और उसे बेहद बारीक टांकों के जरिए सटीक स्थान पर लगाया गया, ताकि हृदय के वाल्व और कंडक्शन सिस्टम को कोई क्षति न पहुंचे। सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी बहुत ही सहज रही और अब वह अस्पताल से जाने के लिए पूरी तरह फिट है। इकोकार्डियोग्राफी ने भी सफल सर्जरी की पुष्टि की। इस सर्जरी में कई चुनौतियां थीं। सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि जन्मजात हृदय दोष, वाल्व और संवेदनशील कंडक्शन सिस्टम के अत्यंत निकट था। इसके अतिरिक्त, रक्त वाहिकाओं की 'मिरर इमेज' (विपरीत दिशा) स्थिति ने सर्जरी को और भी पेचीदा बना दिया था। महज 4 सेंटीमीटर के छोटे चीरे के माध्यम से उपकरणों को संभालना और सूक्ष्म टांके लगाना तकनीकी रूप से बेहद कठिन कार्य था। मरीज को हृदय-फेफड़ों की मशीन के माध्यम से बायपास करना पड़ा, जिससे टीम की विशेषज्ञता और अनुभव की जरूरत थी। कार्डियक सर्जरी विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टर, जरूरी उपकरण और मॉनिटरिंग मशीनें मौजूद हैं, जिससे ऐसी कठिन सर्जरी सुरक्षित तरीके से की जा सके। डॉ. जसविंदर कौर कोहली और उनकी टीम ने एनेस्थीसिया और मरीज की मॉनिटरिंग को बेहतरीन तरीके से संभाला। परफ्यूशनिस्ट जगदीश चंद्र और उनकी टीम ने बायपास के दौरान रक्त संचार को सुरक्षित रखा।

गर्मियों का सुपरफ्रूट : बढ़ती गर्मी में तन को सुकून और चेहरे को निखार देता है खरबूजा

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक पहुंचाने और स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए खरबूजा एक बेहतरीन फल है। आयुर्वेद के अनुसार, खरबूजा गर्मियों के लिए वरदान से कम नहीं है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है बल्कि शरीर को अंदर से हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है।

खरबूजे में लगभग 90 प्रतिशत पानी होता है, जो गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाता है। इसमें उच्च मात्रा में फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी और पोटेशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ये तत्व शरीर के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होते हैं। आयुर्वेद में खरबूजे को ठंडा और पित्त शामक माना गया है। गर्मी में यह शरीर की अतिरिक्त गर्मी को कम करता है और पेट को ठंडक पहुंचाता है। इसे कटकर, जूस बनाकर या सलाद के रूप में रोजाना शामिल किया जा सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मियों में खरबूजे का सेवन न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है बल्कि यह सस्ता और आसानी से उपलब्ध फल भी है। हालांकि, डायबिटीज के मरीजों को डॉक्टर से सलाह के बाद ही सेवन करना चाहिए। खरबूजे को गर्मियों का सुपर फ्रूट कहा जाता है और इसके सेवन से

शरीर को एक-दो नहीं कई फायदे मिलते हैं। इसके सेवन से शरीर हाइड्रेट रहता है, गर्मी में पसीना ज्यादा आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। खरबूजा प्राकृतिक रूप से पानी की पूर्ति करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है।

खरबूजा में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुधारता है, कब्ज की समस्या दूर करता है और पेट साफ रखता है। विटामिन सी से भरपूर खरबूजा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है, जिससे गर्मी में होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। वजन को नियंत्रित करने में भी खरबूजा कारगर है। कम कैलोरी वाला यह फल फाइबर से भरा होता है, जिसके कारण पेट भरा हुआ महसूस होता है और बार-बार खाने की आदत पर लगाम लगती है।

खरबूजा में विटामिन ए और सी पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

गर्मी में धूप और पसीने से जो त्वचा प्रभावित होती है, खरबूजा उसे निखारने में सहायक है। खरबूजा आंखों की सेहत के लिए भी अच्छा है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बनाए रखने और आंखों की थकान कम करने में मदद करता है।

पीरियड्स के दर्द और तनाव से राहत दिलाते हैं ये योगासन, आयुष मंत्रालय ने दी सलाह

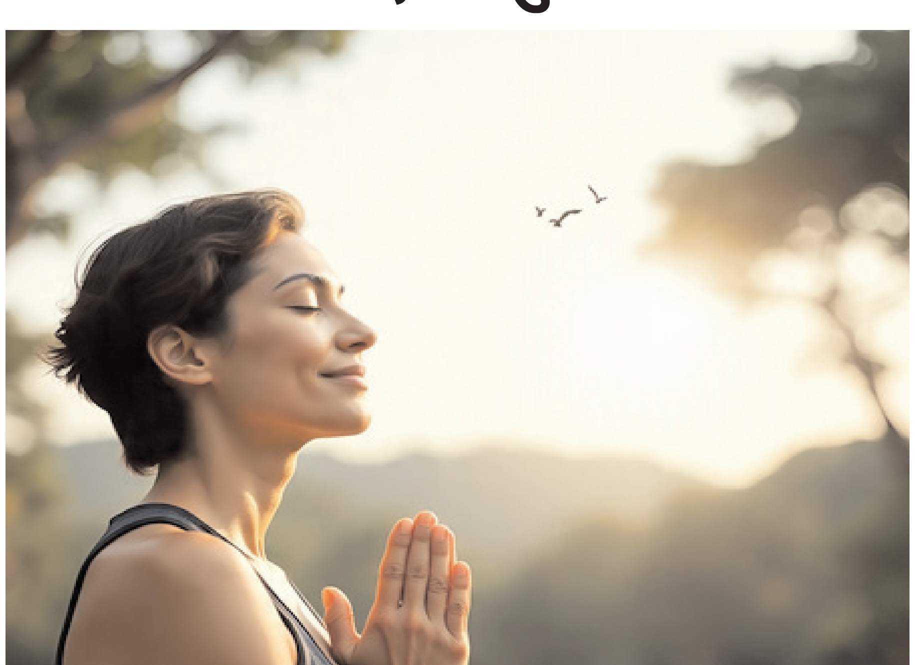

नई दिल्ली। पीरियड्स के दौरान दर्द, थकान, मूड स्विंग्स और अनियमित चक्र जैसी परेशानियां कई महिलाओं को प्रभावित करती हैं। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट कुछ विशेष योगासन को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग इन समस्याओं को प्राकृतिक तरीके से कम करने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। नियमित योग अभ्यास से मासिक धर्म चक्र सही रहता है, दर्द कम होता है और मानसिक तनाव भी घटता है। साथ ही मंत्रालय ने मासिक धर्म के दौरान सेहत सुधारने के लिए कुछ आसान और प्रभावी योगासनों को अपनाने की सलाह महिलाओं को दी है। ये आसान आसन घर पर भी किए जा सकते हैं और पीरियड्स के दौरान होने वाली असुविधाओं को काफी हद तक कम करने में प्रभावी भी हैं।

एक्सपर्ट के अनुसार, इन आसनों को नियमित रूप से करने से न सिर्फ मासिक धर्म संबंधी शारीरिक समस्याएं कम होती हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। योग अभ्यास के साथ माइंडफुलनेस रखना भी जरूरी है। हालांकि पीरियड्स के दौरान अगर दर्द बहुत ज्यादा हो तो डॉक्टर या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें। स्वस्थ आहार, पर्याप्त पानी और अच्छी नींद के साथ योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

बेहतर मासिक धर्म स्वास्थ्य के लिए सुप्त बद्ध कोणासन करें, यह आसन पेल्विक क्षेत्र को खोलता है, रक्त संचार बढ़ाता है और पेट व कमर के दर्द को कम करता है। पश्चिमोत्तानासन यह आसन पीठ और पैरों की मांसपेशियों को खींचता है, जिससे मासिक धर्म संबंधी ऐंठन और दर्द में राहत मिलती है। यह तनाव भी कम करता है।

एकाग्रता बढ़ाने और तनाव घटाने के लिए रामबाण है शांभवी मुद्रा

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गैजेट्स का ज्यादा इस्तेमाल और काम का दबाव हमारे मन पर असर पड़ता है। इससे तनाव बढ़ता और ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में 'शांभवी मुद्रा' एक सरल तरीका है।

इस मुद्रा में साधक अपनी आंखों की पुतलियों को भौंहों के बीच वाले स्थान पर टिकाने की कोशिश करते हैं। यह अभ्यास देखने में आसान है लेकिन इसका असर गहरा होता है। इससे मन शांत और तनाव कम होता है और दिमाग बेहतर तरीके से काम करने लगता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, शाम्भवी मुद्रा एक प्राचीन, शक्तिशाली योगिक तकनीक है, जिसमें आंखों को स्थिर करके भौंहों के केंद्र (तीसरे नेत्र) पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और उच्च चेतना के अनुभव के लिए की जाती है।

ऐसा माना जाता है कि शांभवी मुद्रा करने से शरीर में ऊर्जा का प्रवाह संतुलित रहता है, जो मूलाधार चक्र से ऊपर उठकर आज्ञा चक्र (तीसरे नेत्र) तक जाता है। यह मुद्रा कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) को कम करती है, बीडीएनएफ (मस्तिष्क स्वास्थ्य) बढ़ाती है और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करती है।

इसे करना बेहद आसान है। इसे करने के लिए किसी शांत जगह पर सुखासन, सिद्धासन या कुर्सी पर सीधी पीठ रखकर बैठें। हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा (अंगूठा और तर्जनी उंगली मिलाकर) में रखें। आंखें खुली रखें और नजर को भौंहों के बीच केंद्र पर फोकस करें।

40 की उम्र में भी खुद को रखना है जवां और निरोगी, फॉलो करने होंगे आसान स्टेप्स

नई दिल्ली। 40 की उम्र तक आते-आते पुरुषों का पेट बाहर निकलने लगता है और शरीर में बहुत कमजोरी महसूस होती है और दूसरी तरफ महिलाएं मेनोपॉज की वजह से चिड़चिड़ी और कमजोर महसूस करने लगती हैं।

40 की उम्र में महिला और पुरुष दोनों में शारीरिक और मानसिक बदलाव आते हैं, लेकिन अगर आप भी 40 की उम्र में तन और मन से जवान महसूस करना चाहते हैं, तो आयुर्वेद में कुछ ऐसे नियम बताए गए हैं, जिनसे आप अपने शरीर को निरोगी बना सकते हैं और चेहरे को खूबसूरत और जवां। 40 की उम्र में मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है, जिससे पाचन की समस्या होती है और फिर धीरे-धीरे पेट बाहर निकलने लगता है। वहीं महिलाओं में मोनोपॉज की

स्थिति करीब आ जाती है और पोषण तत्वों की कमी की वजह से महिलाओं का शरीर भी कमजोर हो जाता है। महिलाओं और पुरुषों में जोड़ों में दर्द की समस्या और चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगती हैं। मधुमेह और ब्लड प्रेशर की समस्या भी होने लगती है। ऐसे में खुद का ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

आयुर्वेद के 40 की उम्र में कुछ रसायनों के सेवन की सलाह दी जाती है, जैसे अश्वगंधा, सफेद मूसली, और शतावरी। इन्हें दूध के साथ लेने से बहुत आराम मिलता है और शारीरिक कमजोरी भी दूर होती है। अश्वगंधा और सफेद मूसली शारीरिक कमजोरी को दूर करती है, जबकि शतावरी महिलाओं में मेनोपॉज की वजह से होने वाले हार्मोन के बदलाव को नियंत्रित करती है और गर्भाशय से जुड़ी परेशानी को भी कम करने में मदद करती है।

इसके साथ ही गहरी और अच्छी नींद लेना भी आवश्यक है। गहरी और अच्छी नींद के लिए रात के समय तलवों की मालिश करें। इससे तंत्रिका तंत्र शांत होता है और नींद अच्छी और गहरी आती है। अच्छी नींद चेहरे पर निखार लाती है और शरीर की मरम्मत करने में भी मदद करती है।

बढ़ती उम्र के साथ जोड़ों में दर्द की परेशानी आम है। इसके लिए हफ्ते में तीन बार कम से कम पूरे शरीर की तेल मालिश करें। इससे रक्त का संचार अच्छा होगा और जोड़ों के दर्द में भी आराम मिलेगा।

सुबह के नाश्ते में ये गलतियां पड़ सकती हैं भारी, सेहत पर डालती हैं बुरा असर

नई दिल्ली । सुबह का नाश्ता दिन की सबसे जरूरी शुरुआत माना जाता है। इसमें ली गई डाइट हमारे मेटाबॉलिज्म, एनर्जी लेवल और पूरे दिन की कार्यक्षमता को तय करता है। कई बार लोग जल्दबाजी में या आदत के चलते ऐसी चीजें खा लेते हैं, जो शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती हैं। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, खाली पेट कुछ खास तरह के फूड्स शरीर में एसिडिटी, ब्लड शुगर असंतुलन और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ा सकते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, सुबह-सुबह ज्यादा शुगर वाली चीजें खाने से शरीर पर तुरंत असर पड़ता है। जब आप खाली पेट मिठाइयां या पैकेज्ड जूस लेते हैं, तो ब्लड शुगर तेजी से बढ़ जाता है। यह अचानक बढ़ोतरी शरीर में इंसुलिन के स्तर को भी तेजी से ऊपर ले जाती है। इसके बाद कुछ समय में शुगर लेवल अचानक गिर जाता है, जिससे थकान, चिड़चिड़ापन और भूख ज्यादा लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यही कारण है कि न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स सुबह के समय

संतुलित और कम शुगर वाला नाश्ता लेने की सलाह देते हैं।

इसी तरह तली-भुनी चीजें भी सुबह के समय शरीर के लिए भारी पड़ सकते हैं। रिसर्च बताती है कि फ्राइड फूड्स में फैट की मात्रा ज्यादा होती है, जो खाली पेट पचने में समय लेती है। इससे गैस, अपच और पेट में भारीपन की समस्या हो सकती है। सुबह का समय ऐसा होता है जब हमारा पाचन तंत्र धीरे-धीरे सक्रिय हो रहा होता है, ऐसे में तैलीय खाना उसे और ज्यादा दबाव में डाल देता है। इसलिए हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन बेहतर माना जाता है।

कई लोग दिन की शुरुआत चाय या कॉफी से करते हैं, लेकिन यह आदत भी परेशानी बढ़ा सकती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो खाली पेट कैफीन लेने से पेट में एसिड का स्तर बढ़ सकता है। इससे एसिडिटी, जलन और कभी-कभी मतली जैसी समस्या भी हो सकती है। खासकर जिन लोगों को पहले से गैस या एसिडिटी की शिकायत रहती है, उनके लिए यह आदत और ज्यादा नुकसानदायक हो सकती है।

इसके अलावा, सुबह के समय ठंडे पेय या फ्रिज में रखा खाना भी पाचन पर असर डाल सकता है।

अलाना किंग की घातक गेंदबाजी, ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया

बस्सेटेरे। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज दौरे की समाप्ति जीत के साथ की है। बस्सेटेरे में खेले गए तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया की जीत में लेग स्पिनर अलाना किंग की करिश्माई गेंदबाजी की अहम भूमिका रही। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था जो गलत साबित हुआ। पूरी टीम 35.4 ओवर में 136 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज को शुरुआत अच्छी मिली थी। कप्तान हेले मैथ्यूज और

डिएंड्रा डॉटिन ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े थे। डॉटिन 19 गेंदों पर 22 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरे।

कप्तान हेले मैथ्यूज के 48 गेंदों पर 34 रन, चेनली हेनरी ने 54 गेंदों पर नाबाद 42 रन और आर ग्रिमोंड के 20 रन की वजह से वेस्टइंडीज 136 के स्कोर तक पहुंच सकी।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अलाना किंग ने बेहतरीन गेंदबाजी की। अलाना ने 10 ओवर में मात्र 19 रन देकर 5 विकेट लिए। एश्ले गार्डनर ने 2, लुसी हैमिल्टन, निकोला कैरी और ताहिलिया मैक्ग्राथ ने 1-1 विकेट लिए।

137 रन का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए जॉर्जिया वॉल और फोएबे लिचफील्ड ने पहले विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी की। वॉल 22 गेंदों पर 23 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद विकेट नहीं गिरा। लिचफील्ड और एलीसे पेरी ने 87 रन की नाबाद साझेदारी करते हुए ।

श्रेयस अय्यर ने खेली कप्तानी पारी, पंजाब किंग्स ने सीएसके को 5 विकेट से हराया

चेन्नई। आईपीएल 2026 के सातवें मुकाबले में शुक्रवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 5 विकेट से हराया। पंजाब किंग्स की तरफ से कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, प्रियांश आर्या ने 39 रनों की आतिशी पारी खेली। यह इस सीजन में पंजाब की लगातार दूसरी जीत है।

चेन्नई सुपर किंग्स से मिले 210 रनों के लक्ष्य को पंजाब किंग्स ने 5 विकेट खोकर 18.4 ओवर में हासिल कर लिया। पंजाब की शुरुआत दमदार रही। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 4.2 ओवर में 61 रन जोड़े। प्रियांश ने सिर्फ 11 गेंदों का सामना करते हुए 354 के स्ट्राइक रेट से 39 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 3 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रभसिमरन ने 34 गेंदों में 43 रन बनाए। कूपर कोनोली ने 22 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 36 रन बनाए। हालांकि, नेहल वढेरा ने अपने प्रदर्शन से निराश किया और वह 10 रन बनाकर मैट हेनरी का शिकार बने।

कप्तान श्रेयस अय्यर एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने इस सीजन का पहला अर्धशतक लगाया। अय्यर 29 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में अय्यर ने 4 चौके और 3 छक्के लगाए। अय्यर के आउट होने के बाद शशांक सिंह और मार्कस स्टोइनिस ने पंजाब किंग्स को कोई और झटका नहीं लगने दिया। शशांक 6 गेंदों में 14 और स्टोइनिस 3 गेंदों में 9 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर लौटे। गेंदबाजी में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से मैट हेनरी और अंशुल कंबोज ने दो-दो विकेट निकाले। इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 209 रन लगाए। संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 7 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे ने दूसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़े। ऋतुराज 22 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, आयुष ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंदों में 73 रनों की दमदार पारी खेली। कार्तिक शर्मा ने एक बार फिर निराश किया और वह एक रन ही बना सके।

हालांकि, सरफराज खान शानदार लय में दिखाई दिए और उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 12 गेंदों में 32 रनों की आतिशी पारी खेली। वहीं, अंत के ओवरों में शिवम दुबे ने सिर्फ 27 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 45 रन बनाए। दुबे ने अपनी पारी के दौरान 5 चौके और एक छक्का लगाया। गेंदबाजी में पंजाब किंग्स की ओर से विजयकुमार वैशाक ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए। यह चेन्नई की आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी हार है।

पावरप्ले में वरुण चक्रवर्ती से गेंदबाजी करवाना अजिंक्य रहाणे का गलत फैसला: इरफान पठान

नई दिल्ली । वरुण चक्रवर्ती को आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का ट्रंप कार्ड माना जाता रहा है। वरुण ने केकेआर के लिए किए गए अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही भारतीय टीम में जगह बनाई थी और बड़ी सफलता हासिल की थी, लेकिन टी20 विश्व कप 2026 से शुरू हुआ उनका खराब फॉर्म आईपीएल में भी देखने को मिल रहा है।

गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ हुए मैच में भी वरुण काफी महंगे रहे थे। हालांकि मैच में कप्तान रहाणे का वरुण का इस्तेमाल पावरप्ले में करना पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान को समझ नहीं आया और उन्होंने इस फैसले की आलोचना की है।

इरफान पठान ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर कहा, 'अंजिक्य रहाणे को आउट-ऑफ-फॉर्म वरुण से पावरप्ले में गेंदबाजी नहीं करानी चाहिए थी। यह गलत फैसला था। एक गेंदबाज के तौर पर आपका आत्मविश्वास बढ़ाने में कप्तान का बड़ा रोल होता है। अगर वह उस समय आपका साथ नहीं देता जब आपको लगता है कि आप बेहतर कर सकते हैं और आपके पास मोमेंटम है, तो यहीं पर नेतृत्व की जरूरत होती है, इसलिए उसे पावरप्ले में गेंदबाजी नहीं करनी चाहिए थी।

उन्होंने कहा, 'आप एक ऐसे गेंदबाज को खो रहे हैं, जो आपका ट्रंप कार्ड हो सकता है, जो आपका मैच-विनर हो सकता है, जो आपका मैच-विनर रहा है। आप उसे एक कप्तान के तौर पर मुश्किल काम दे रहे हैं।

हालांकि बतौर कप्तान दूसरे हाफ में रहाणे के प्रदर्शन की पठान ने तारीफ की।

वरुण ने एसआरएच के खिलाफ 2 ओवर की गेंदबाजी में 31 रन लुटाए।

मैच की बात करें तो केकेआर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसआरएच ने हेनरिक क्लासेन के 52, अभिषेक शर्मा के 48 और ट्रेविस हेड के 46 और नितीश कुमार रेड्डी के 39 रन की बदौलत 8 विकेट पर 226 रन बनाए थे। 227 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर 16 ओवर में 161 रन पर सिमट गई ।

अभिषेक और ट्रेविस हेड के बाद बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है: हेनरिक क्लासेन

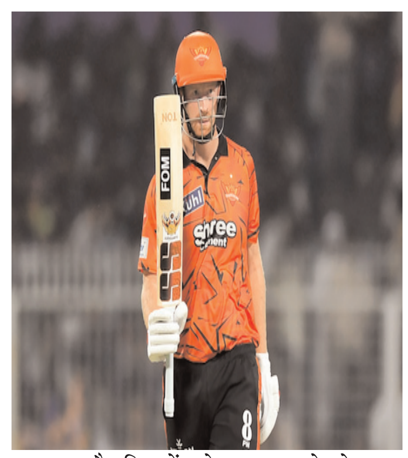

कोलकाता । आईपीएल 2026 में गुरुवार को इडेन गार्डन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच हुए मैच में एसआरएच ने 65 रन से जीत दर्ज की। मैच के बाद एसआरएच की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की तारीफ की।

हेनरिक क्लासेन ने जियहॉटस्टार पर खास बातचीत में कहा, 'अभिषेक और ट्रेविस के बाद बल्लेबाजी करने की यही खूबी है, जब आप अंदर आते हैं और रन रेट पहले से ही 14 या 15 होता है, तो आपको तुरंत स्विंग शुरू करने की जरूरत महसूस नहीं होती। इससे आपको थोड़ा समय मिलता है, बाद में बराबरी कर पाते हैं, बजाय कि पहली गेंद से ही जोर डालें। हमने पिछले कुछ सालों में अपनी गलतियों से सीखा है।

पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने जियोहॉटस्टार पर केकेआर और एसआरएच मैच कहा, 'जीतना ही मायने रखता है। सनराइजर्स हैदराबाद ने अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने आजादी से बल्लेबाजी की, बोर्ड पर बड़ा टोटल लगाया, और फिर गेंद से दबाव बनाते रहे। बाद में पिच धीमी हो गई, और उनके स्पिनर्स ने इसका बहुत अच्छा इस्तेमाल किया। कुछ पल ऐसे थे, जैसे एक अच्छी पार्टनरशिप के दौरान रन-आउट, जहां गेम का रुख बदल सकता था। नितीश रेड्डी का रिंकू सिंह को आउट करना टर्निंग पॉइंट था। वहां से, इतने बड़े टोटल का पीछा करना बहुत मुश्किल हो गया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने ऑलराउंडर नितीश रेड्डी के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए जियोहॉटस्टार पर कहा, 'मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि युवा खिलाड़ी अनुभवी खिलाड़ियों के सामने शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। नितीश शानदार रहे हैं और इसके हकदार हैं। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में जब उन्हें नई गेंद से जिम्मेदारी दी गई, तब भी उन्होंने इसे अच्छे से संभाला। मैच में उन्होंने जल्दी एक विकेट लिया, बल्ले से योगदान दिया, और अच्छा क्षेत्ररक्षण किया। नितीश ने एक ऑलराउंडर के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया।'

चेतेश्वर पुजारा ने युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की तारीफ करते हुए कहा, 'वह शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं।

मैच में वह सबसे अलग दिखे। फिन एलन का विकेट जल्दी गिरने के बाद, उन्होंने पावरप्ले में बिना डरे खेलने का इरादा दिखाया और फील्ड की पाबंदियों का पूरा फायदा उठाया। दूसरे छोर पर अजिंक्य रहाणे ने कुछ डॉट गेंद फेंकी, उस समय भी अंगकृष ने मोमेंटम बनाए रखा। आमतौर पर, जब वे साथ में बैटिंग करते हैं तो स्ट्राइक रेट में गिरावट आ सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

नाथन लियोन लंबे समय तक शायद हमारे साथ न रहें: जॉर्ज बेली

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑफ स्पिनर नाथन लियोन इंजरी की वजह से फिलहाल क्रिकेट से दूर हैं। लियोन एशेज के दौरान इंजर्ड हो गए थे। लियोन की वापसी पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने बड़ा बयान दिया है जो स्पिनर के करियर के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

जॉर्ज बेली ने कहा है कि लगातार चोटों का शिकार हो रहे नाथन लियोन कब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलेंगे इसे कोई नहीं जानता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस बात के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए कि लियोन लंबे समय तक अब शायद ही हमारे साथ रहें।

बेली ने कहा, '38 साल के खिलाड़ी के लिए हैमस्ट्रिंग की समस्या बहुत बड़ी है। यह सच है कि वह उस उच्च स्तर पर कभी वापस नहीं आ पाएगा जहां आपको इसकी जरूरत है। यह एक संभावना है और हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। 2013 से 2023 के बीच लगातार 100 टेस्ट खेलने के बाद से लियोन को इंजरी की समस्या रही है। ऑस्ट्रेलिया को आने वाले समय में कई टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया अगस्त से बहुत सारे टेस्ट खेलेगा। पहले, वे बांग्लादेश को होस्ट करेंगे, और फिर दिसंबर से मार्च तक, वे पूरे नौ टेस्ट खेलेंगे, जिसमें भारत के खिलाफ भारत में पांच टेस्ट शामिल हैं। फिर, कुछ महीने बाद, इंग्लैंड में एशेज शुरू होगी।

ऐसे में टीम के लिए लियोन का उपलब्ध होना बेहद अहम है, लेकिन इंजरी की वजह से शायद ही वह टीम के साथ हों।

जॉर्ज बेली ने कहा, 'हम सबसे अच्छे उपलब्ध स्पिनर को मौका देंगे। लियोन के वर्कलोड को मैनेज करने की कोई कोशिश नहीं की जाएगी। टॉड मर्फी के साथ हमने संपर्क बनाए रखने की कोशिश की है।

आईपीएल 2026: एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका पर भड़के ललित मोदी, बीसीसीआई से की ये मांग

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और बीसीसीआई से टीम को बैन करने की मांग की है।

ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका पूरी तरह से लूजर और सबसे बड़ा जोकर है। मैं उसके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए।

उन्होंने लिखा, 'अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता, तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम की ओनरशिप हमेशा के लिए छीन लेता। वह पूरी तरह से घमंडी जोकर है। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे—ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। सत्ता में बैठे लोगों की चापलूसी करना उसे बचने का तरीका नहीं है। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे।

दरअसल, एलएसजी और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच 1 अप्रैल को इकाना स्टेडियम में हुए मैच में एलएसजी को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद संजीव गोयनका को पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था।

इस घटना को फैंस और आलोचक गोयनका और केएल राहुल के बीच आईपीएल 2024 में हुई घटना से जोड़ कर देख रहे हैं। गोयनका को सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका से जुड़े मीम्स वायरल हो रहे हैं।

फीफा विश्व कप: ईरान के मैचों को अमेरिका की जगह मैक्सिको में कराने का मामला नहीं सुलझा

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों के बीच फीफा और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल राजनीति (डिप्लोमेसी) एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले ने हालात को मुश्किल और जटिल बनाया था। ईरान की फुटबॉल टीम और उसके विश्व कप अभियान पर इसका सीधा असर पड़ा था। इस बीच फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और ईरानी फुटबॉल अधिकारियों के बीच तुर्की में हुई बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ईरान की विश्व कप भागीदारी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। हालांकि इस मुलाकात में सकारात्मक संकेत मिले, लेकिन एक बड़ा मुद्दा—ईरान के मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में कराने का—अब भी अनसुलझा है।

मार्च 2025 के दौरान ईरान की स्थिति काफी अनिश्चित रही। सरकारी स्तर पर यह संकेत दिए गए कि टीम विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकती या उसे अमेरिका जाने में मुश्किल हो सकती है। यहां तक कि फीफा से यह भी मांग उठी कि ईरान के मैचों को किसी अन्य देश, खासकर मेक्सिको, में स्थानांतरित कर दिया जाए। हालांकि फीफा ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा और ईरान को अमेरिका में ही अपने मैच खेलने होंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों ने स्थिति को और उलझा दिया। ट्रंप ने पूर्व में ईरान को

बापू नाडकर्णी: पिच पर सिक्का रख करते थे गेंदबाजी का अभ्यास, बिना रन दिए लगातार 131 गेंद फेंकने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । क्रिकेट में उन खिलाड़ियों की अहमियत हमेशा से रही है जो अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर टीम के पक्ष में मैच पलटने की पूरी ताकत रखते हैं। बापू नादकर्णी एक ऐसे ही खिलाड़ी रहे जिन्होंने टेस्ट फॉर्मेट में भारतीय टीम के लिए गेंद और बल्ले से उस दौर में टीम इंडिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया जब भारतीय क्रिकेट टीम एक युवा टीम मानी जाती थी।

बापू नाडकर्णी का जन्म 4 अप्रैल 1933 को नासिक में हुआ था। उनका पूरा नाम रमेशचंद्र गंगाराम 'बापू' नाडकर्णी था।

नाडकर्णी को क्रिकेट बचपन से पसंद था। वह मूल रूप से एक गेंदबाज थे, लेकिन कड़ी मेहनत की बदौलत अपनी बल्लेबाजी से भी उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छाप छोड़ी। कहा जाता है कि जब वह नेट्स में अभ्यास करते थे तो पिच पर एक सिक्का रखते थे, और हर बॉल पर सिक्के को मारने की कोशिश करते थे।

बापू नाडकर्णी ने दिसंबर (16 से 21 दिसंबर) 1955 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच दिल्ली में खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ ही ऑकलैंड में (7 से 12 मार्च तक) 1968 में अपना आखिरी टेस्ट खेला था। 13 साल के करियर में बाएं हाथ से बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी करने वाले नाडकर्णी ने भारत के लिए 41 टेस्ट खेले। 67 पारियों में 1 शतक और 7 अर्धशतक की मदद से 1,414 रन और 88 विकेट उनके नाम दर्ज हैं।

नाडकर्णी ने 12 जनवरी 1964 को मद्रास में इंग्लैंड के खिलाफ बिना कोई रन दिए ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या सी-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव, मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com, पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं सपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा।